ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

प्रतिष्ठा को किनारे रख पार्टी को जमीनी स्तर से संगठित करें: शिवकुमार @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 21 जुलाई, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-202

अमेरिकी विदेश विभाग के पब्लिक डिप्लोमेसी सेक्शन की करतूत

भारत में अफवाहें फैलाने वाला मॉड्यूल तैयार कर रहा अमेरिका

अमेरिकी विदेश विभाग के पब्लिक डिप्लोमेसी सेक्शन (पीडीएस) ने मीडिया के प्रति जागरूक युवाओं को सशक्त बनाने के अभियान के बहाने भारत में 2,00,000 डॉलर देने की घोषणा की है। इस योजना के माध्यम से अमेरिकी सरकार ऑनलाइन मैनिपुलेशन, बाहरी ताकतों के असर से निपटने, डिजिटल माध्यमों

एंजेंटों की भर्ती के लिए अमेरिका ने मंजूर किए दो लाख डॉलर

सुसंगठित तरीके के अफवाहें फैलाने वाला मॉड्यूल तैयार कर रहा है। इसके लिए अमेरिका भारत में एजेंटों को भर्ती करेगा। इन एजेंटों को फैक्ट चेकर्स के नाम पर नियुक्त किया जा रहा है। इसकी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। एजेंटों की भर्ती के लिए अमेरिका ने की सुरक्षा और क्षेत्रीय सुरक्षा को मजबूत करने का दावा कर रही है। लेकिन यह उसका आवरण है। आवरण के पीछे अमेरिका की मंशा दूसरी है, जो भारत विरोधी है। यूएस स्टेट डिपार्टमेंट इस साल 1 सितंबर से भारत के पांच शहरों कोलकाता, हैदराबाद, चेन्नई,

शुभ-लाभ चिंता

मुंबई और दिल्ली में इस काम को अंजाम देने वाला है।

भारत के अंदर अपने नरेटिव को बढ़ावा देने के लिए कथित फैक्ट चेकर्स की फौज को तैयार करने की योजना को चतुराई से डिजिटल लिटरेसी का नाम दे रहा है, लेकिन इनका काम होगा भारत में अमेरिकी नैरेटिव को बढ़ावा देना। यूएस स्टेट डिपार्टमेंट इस बारे में अपनी मंशा और अपना एजेंडा दोनों ही साफ कर चुका है। यूएस स्टेट डिपार्टमेंट ने इस काम के पीछे की वजह बताते हुए कहा, भारत में युवा आबादी के बीच सोशल मीडिया का जमकर इस्तेमाल होता है। हाल ही में भारतीय, यूरोपीय और अमेरिकी थिंक टैंक्स ने अपने रिसर्च में पाया है कि भारत में जोड़-तोड़ वाली सामग्री यानी एडिटेड आईटम्स सामाजिक ध्रुवीकरण को बढ़ा रही हैं और संस्थागत विश्वास को खत्म कर रही हैं। इसकी वजह से भारत-अमेरिका के द्विपक्षीय संबंधों में तनाव पैदा हो रहा है, जिसके चलते भारत-अमेरिका के बीच सहयोग के प्रयासों और कूटनीतिक संबंधों के लिए खतरा पैदा हो रहा है।

वैसे, यह भी जान लें कि भारत में अमेरिकी दूतावास और काउंसुलेट पहले से ही फेक न्यूज से निपटने के नाम पर लर्निंग टू डिस्कर्न (एल2डी) जैसे ट्रेनिंग प्रोग्राम चला रहे हैं। ▶10 पर

सेना अध्यक्ष ने लिया कश्मीर के सुरक्षा हालातों का जायजा

आतंकियों को 'धो' डालने की रणनीति

श्रीनगर, 20 जुलाई (ब्यूरो/एजेंसियां)।

थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को जम्मू का दौरा किया और सुरक्षा हालात की समीक्षा की। उन्होंने सैन्य अफसरों के साथ बैठक की। बैठक में बीएसएफ और सीआरपीएफ के डीजी भी शामिल थे। हाल के दिनों में जम्मू कश्मीर में हुई आतंकी घटनाओं और उसके बाद हुए सैन्य एक्शन की भी समीक्षा हो रही है। उन्हें सुरक्षा बलों द्वारा कब्जे में लिए जा रहे इलाकों के बारे में फॉर्मेशन कमांडरों द्वारा जानकारी दी गई। भारत सरकार ने फैसला लिया है कि जम्मू कश्मीर में सुरक्षाबलों की तैनाती बढ़ाई जाएगी और वहां पैरा कमांडोज़ तैनात किए जाएंगे।

डोडा इलाके में आतंकियों की गतिविधियां देखते हुए चंडीमंदिर स्थित पश्चिमी कमान मुख्यालय से 26 इन्फैंट्री डिवीजन की स्पेशल टुकड़ियों को डोडा क्षेत्र में भेजा गया है, जहां देसा जंगल में बड़े स्तर पर

तलाशी अभियान चल रहा है। पकड़े गए आतंकियों के मददगार एक ओवर ग्राउंड वर्कर ने खुलासा किया है कि आतंकियों के लिए जंगल और पहाड़ों में छुपने की जगह तैयार करते हैं। इसके अलावा उनके लिए रसद-पानी का इंतजाम

पैरा कमांडोज़ और स्पेशल फोर्स के जवान मैदान में उतरे

बैठक में बीएसएफ और सीआरपीएफ के डीजी भी शामिल

आतंकी पंजाब की तरफ से जम्मू में दाखिल हुए हैं।

जम्मू क्षेत्र में आतंकियों के मददगार ओवर ग्राउंड वर्कर्स एक्टिव हो गए हैं। ये न केवल आतंकियों को सेना की मूवमेंट की सटीक जानकारी देते हैं, बल्कि जरूरत पड़ने पर भी करते हैं। डोडा मुठभेड़ के बाद कई ओवर ग्राउंड वर्कर्स की धरपकड़ की गई है। उन्हीं में से एक मददगार ने खुलासा किया कि 10 राष्ट्रीय राइफल्स पर हमला करने वाले एक आतंकी ने उसे बताया था कि वे पंजाब की तरफ से जम्मू क्षेत्र में दाखिल हुए हैं। पकड़े गए ओजीडब्लू शौकत अली ने पूछताछ में माना था कि सोमवार को डोडा के देसा जंगलों में हुई मुठभेड़ से पहले आतंकियों को कई दिन तक पनाह दी थी और इंटरनेट मुहैया कराया था और अपने घर के वाई-फाई से आतंकियों से पाकिस्तान में उनके आकाओं से बात करवाई थी।

डोडा मुठभेड़ से पहले जून के आखिर में पंजाब के जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले की सीमा से सटे पठानकोट के कोट भट्टियां इलाके में हथियारों के साथ आतंकियों को घूमते देखा गया था। उनकी मूवमेंट कठुआ के कोट पन्नू गांव की तरफ थी। पंजाब में बीएसएफ और पंजाब पुलिस इस समय हाई अलर्ट पर है, लेकिन इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि आतंकी लंबे वक्त से इस इलाके में छुपे हैं। इससे पहले 12 जून को सुरक्षाबलों ने कठुआ जिले के हीरानगर सेक्टर में स्थित सियाडा सुखपाल ▶10 पर

आतंकवादी कर रहे अत्याधुनिक विदेशी हथियारों का इस्तेमाल

श्रीनगर, 20 जुलाई (ब्यूरो/एजेंसियां)।

कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में गुरुवार को मारे गए दो विदेशी आतंकियों से ऑस्ट्रिया निर्मित बुलपप असॉल्ट राइफल, स्टेयर एयूजी बरामद की गई है। इस तरह की राइफलों का प्रयोग अफगानिस्तान में नाटो देश की सेनाओं द्वारा किया जाता था। पुलिस ने इसे दुर्लभ बरामदगी बताया है।

लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) पर घुसपैठ की कोशिश करने वाले दहशतगर्दों से इन राइफलों के साथ युद्ध जैसा गोला-बारूद का जखीरे मिला है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक आला अधिकारी ने बताया, संभवत: यह पहली बार है कि ऐसी राइफल बरामद की गई है।

यह एक भारी हथियार है जिसे संभालना आसान नहीं है। इसलिए इससे पहले दिखी भी नहीं। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि अन्य बलों के अलावा, इस राइफल का इस्तेमाल अफगानिस्तान में नाटो बलों द्वारा किया गया है, इसलिए संभवत: यह वहां से पाकिस्तान पहुंची होगी। ▶10 पर

जबलपुर में हुआ रिजनल इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव

अब मध्य प्रदेश में बनेंगे सेना के टैंक

जबलपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)।

मध्य प्रदेश में अब जल्द ही भारतीय सेना के लिए टैंक बनने लगेंगे। मध्य प्रदेश अब औद्योगिक विकास के क्षेत्र में नई छलांग लगाने को तैयार है। मध्य प्रदेश सरकार, अशोक लीलैंड और आर्मर्ड व्हीकल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बीच करार पर हस्ताक्षर हुए हैं। रक्षा उपकरण बनाने के क्षेत्र में 600 करोड़ रुपए का निवेश होगा। इसके साथ ही पन्ना में बनने वाले हीरों को प्रदेश में ही तराशने की व्यवस्था होगी। गुजरात के सूरत के बाद अब मध्य प्रदेश हीरे तराशने का दूसरा बड़ा केंद्र बनेगा।

जबलपुर में शनिवार को रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के दौरान 67 औद्योगिक इकाईयों का लोकार्पण और भूमिपूजन हुआ। इन नई औद्योगिक इकाइयों से 12 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। इन इकाइयों को भूमि आवंटन के आशय पत्र भी सौंपे गए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर के सुभाष चंद्र बोस कल्चरल एंड इंफॉर्मेशन सेंटर में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में उद्योगों से जुड़ी महत्वपूर्ण घोषणाएं की। मुख्यमंत्री ने कहा कि टेक्सटाइल क्षेत्र में अति-आधुनिक स्किल सेंटर की शुरुआत की जाएगी, जिससे विशेष रूप से बहनों को रोजगार प्राप्त होगा।

इस वर्ष का दूसरा इंडस्ट्री कॉन्क्लेव जबलपुर में आयोजित हुआ। पांच देशों के साथ-साथ देश के कई प्रमुख उद्योगपतियों ने कॉन्क्लेव में भाग लिया। इससे पहले मार्च में उज्जैन में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन हुआ था। ▶10 पर

सेना के 7 बड़े पावर सेंटर हैं मध्य प्रदेश में

जबलपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में 600 करोड़ के निवेश के लिए अशोक लीलैंड और आर्मर्ड व्हीकल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में करार हुआ। रक्षा क्षेत्र में यह नया कदम है। अब तक मध्य प्रदेश में तोप निर्माण हो रहा था। अब सेना के टैंक भी मध्य प्रदेश में ही बनेंगे। ▶10 पर

अंग्रेजों के सुनियोजित षडयंत्र पर संघ प्रमुख का प्रहार

आस्था के खिलाफ अंग्रेजों ने साजिश रची: भागवत

पुणे, 20 जुलाई (एजेंसियां)।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि 1857 के बाद अंग्रेजों ने व्यवस्थित तरीके से देशवासियों में अपनी परंपराओं और पूर्वजों के प्रति आस्था को कम करने की साजिश रची। भागवत ने कहा कि अंधविश्वास तो होता है, लेकिन आस्था कभी अंधी नहीं होती। उन्होंने कहा कि कुछ प्रथाएं और रीति-रिवाज जो चले आ रहे हैं, वे विश्वास हैं। कुछ गलत हो सकते हैं तो उन्हें बदलने की जरूरत है।

जीबी देगलुरकर की एक किताब के विमोचन के अवसर पर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, 1857 (जब ब्रिटिश राज ने औपचारिक रूप से भारत पर शासन करना शुरू किया) के बाद अंग्रेजों ने हमारे मन से आस्था को खत्म करने के लिए व्यवस्थित प्रयास किए। हमारी परंपराओं और अपने पूर्वजों में जो आस्था थी, वह खत्म हो गई। ▶10 पर

माइक्रोसॉफ्ट आउटेज पर बोले मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़

प्रौद्योगिकी पर निर्भर होने का बुरा असर देखा

मदुरै, 20 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, मैं प्रौद्योगिकी में विश्वास करता हूं, लेकिन कल हमने प्रौद्योगिकी पर निर्भर होने का बुरा असर देखा। पूरी दुनिया को इसका सामना करना पड़ा। उड़ानें रद्द कर दी गईं, बैंकिंग सिस्टम ठप्प हो गया और व्यापारिक गतिविधियों को अचानक ब्रेक लग गया।

मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ की स्थापना को 20 साल पूरे हो गए हैं। इसी मौके पर मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने एक समारोह का उद्घाटन किया। साथ ही उन्होंने शुक्रवार को माइक्रोसॉफ्ट के कंप्यूटर

सॉफ्टवेयर के अपडेट में आई तकनीकी खामी के कारण दुनियाभर में मची उथल-पुथल पर भी बात की। उन्होंने कहा कि उड़ानें रद्द होने के बाद भी यह मदुरै के लोगों का प्यार है, जिसकी वजह से आज यहां मौजूद हूं। चंद्रचूड़ ने कहा, शुक्रवार को माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर डाउन की समस्या से पूरी दुनिया में उथल-पुथल मच गई। एयरलाइंस, बैंकिंग, वित्तीय संस्थानों और टीवी चैनल्स इस तकनीकी संकट से बुरी तरह प्रभावित हुए। माइक्रोसॉफ्ट के ऑपरेटिंग सिस्टम पर चलने वाले दुनियाभर के कंप्यूटर्स ने काम करना बंद कर दिया। साइबर सुरक्षा फर्म क्राउडस्ट्राइक के एक एंटी वायरस प्रोग्राम फाल्कन सेंसर को अपेडट करने के चलते तकनीकी संकट आया। ▶10 पर

सिस्टम ठीक होने का दावा, पर काम अब भी प्रभावित

माइक्रोसॉफ्ट आउटेज से हुआ अरबों डॉलर का नुकसान

भीषण नुकसान वाला दिन साबित हुआ 19 जुलाई

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)।

दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों में शुमार माइक्रोसॉफ्ट को इस आउटेज के दौरान तगड़ा झटका तो लगा ही साथ दुनियाभर के व्यापारिक प्रतिष्ठानों, बैंकों और एयरलाइंस को करोड़ों रुपए का नुकसान झेलना पड़ा। आईटी सिस्टम क्रैश के बाद कुछ ही घंटों में माइक्रोसॉफ्ट को 23 बिलियन डॉलर यानी 19.25 खरब रुपए का नुकसान हुआ। निवेश डेटा मंच स्टॉकलिटिक्स ने यह दावा किया है।

आईटी सिस्टम क्रैश होनी की वजह से टेक दिग्गज कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के शेयरों की कीमत में 0.71 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इस वजह से शेयर बाजार बंद होने तक कंपनी की कीमतों में लगभग 23 बिलियन डॉलर की गिरावट दर्ज की गई। निवेश डेटा मंच स्टॉकलिटिक्स का विश्लेषण कहता है कि माइक्रोसॉफ्ट के एक शेयर की कीमत 19 जुलाई की सुबह 10.09 बजे तक 443.52 डॉलर थी। आईटी आउटेज होने की वजह से यह कीमत प्रति शेयर घटकर 440.37 डॉलर पर आ गई। ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 75,640/- (प्रति 10 ग्राम)	
चाँदी : 91,335/- (प्रति किलोग्राम)	

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 28^0

न्यूनतम : 20^0

क्षेत्रीय राजनीतिक पार्टियों की अंधाधुंध कमाई का ब्यौरा सामने

सत्ता नहीं, पर पत्ता चल रहा केसीआर का

हैदराबाद, 20 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) भले ही तेलंगाना की सत्ता में न हो, लेकिन कमाई करने में पीछे नहीं है। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर की पार्टी बीआरएस ने 2022-23 में 737 करोड़ रुपए पाए। जबकि उस दौरान पार्टी ने केवल 57.47 करोड़ रुपए ही खर्च किए। आंध्र प्रदेश की वाईएसआर कांग्रेस कमाई में तीसरे स्थान पर रही। कमाई के मामले में दूसरे स्थान पर ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) खर्च के मामले में देश की सबसे बड़ी रीजनल पार्टी है। फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में पार्टी की कमाई 333.45 करोड़ रुपए थी, जबकि खर्च 181.1 करोड़ रुपए किए। कमाई के मामले में तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की पार्टी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) टॉप पर रही। 2022-23 में पार्टी की कमाई 737 करोड़ रुपए रही, जबकि खर्च के 57.47 करोड़ रुपए रहा। आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी की पार्टी वाईएसआर कांग्रेस कमाई के मामले में तीसरे और खर्च के मामले में दूसरे नंबर पर रही।

कमाई में बीआरएस ने सभी क्षेत्रीय पार्टियों को पीछे छोड़ा

वित्तीय वर्ष 2022-23 में 39 क्षेत्रीय पार्टियों की कुल आय 1 हजार 740 करोड़ रुपए थी जो पिछले साल 2021-22 की तुलना में 20 करोड़ रुपए अधिक है। वहीं पार्टियों का खर्च केवल 481 करोड़ रुपए ही रहा। यानी कमाई के मुकाबले खर्च एक चौथाई से भी कम है। देश की 18 क्षेत्रीय पार्टियों ने फाइनेंशियल ईयर 2022-23 की अपनी ऑडिट रिपोर्ट चुनाव आयोग को जमा नहीं की। इसमें शिवसेना, बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट, नेशनल कॉन्फ्रेंस, नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी और शिवसेना (उद्धव) भी शामिल हैं। पार्टियों को 31 अक्टूबर 2023 तक चुनाव आयोग की वेबसाइट पर एनुअल ऑडिट रिपोर्ट जमा कर देनी थी, लेकिन इन पार्टियों ने ऐसा नहीं किया। केवल 16 पार्टियों ने ही समय सीमा का पालन किया और 23 पार्टियों ने अपनी रिपोर्ट देरी से जमा की।

रिपोर्ट के मुताबिक, 19 रीजनल पार्टियों ने अव्ययित आय (अनस्पेंट इनकम) घोषित की। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

चातुर्मास आत्मा के अवलोकन का पर्व : डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राजाजीनगर स्थानक में विराजित उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने चातुर्मास पर्व के प्रथम दिवस के उद्बोधन में कहा कि जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ से प्रारम्भ हुआ चातुर्मास पर्व आज तक निर्बाध रूप से जारी है। अहिंसा पर आधारित जैन धर्म धार्मिक भावनाओं से भरा हुआ धर्म है।

जैन साधु-साध्वी एक ही स्थान पर रहकर धर्म की गंगा बहाने, धर्म का पालन करने व श्रावक-श्राविकाओं को कराने, प्रवृत्ति से निवृत्ति की ओर ले जाने हेतु चातुर्मास किया जाता है। उन्होंने कहा कि चाहे सनातन धर्म हो, वैदिक धर्म हो, बौद्ध धर्म या जैन

धर्म हो सभी धर्मों में चातुर्मास का वर्णन आता है। चातुर्मास में चार मार्ग जो हमारे जीवन को उत्तम बनाते है वह है ज्ञान, दर्शन, चारित्र और तप। श्रावण मास हमे श्रवण करने की, भादप्रद महीना भद्र बनने की, आश्विन माह आत्मा में आने की और कार्तिक मास कर्मों को काटने की प्रेरणा देता है। चातुर्मास में चार बाते जो ध्यान रखने योग्य है वे पौषध, प्रतिक्रमण, पच्चखाण करना और परोपकार करना है। चातुर्मास के तीन प्रमुख उद्देश्य है जीवों की रक्षा करना, धर्म की प्रभावना करना और स्व आराधना करना।

चातुर्मास पर्व शारीरिक आनंद का नही, आत्मा के आनंद का पर्व है। खाने का नहीं बल्कि एकासना, आयम्बिल या उपवास रखने का पर्व है।

चातुर्मास समय का सदुपयोग कर गुरुवाणी सुनकर जीवन में धारण करने का पर्व है। चातुर्मास एक आत्म-अवलोकन का अवसर है। बुद्धिमान वही होता है, जो अवसर को पहचान लेता है और लाभ उठाता है। आप सभी चातुर्मास की आराधना में जुड़कर अपनी आत्मा का कल्याण करे। रूपेशमुनि ने कहा कि जीवन में यदि पाप कर्म से बचना है, आत्मा की दुर्गति से बचना है तो अपने जीवन में सदैव पूण्य कर्म का संचय करने की ओर ध्यान देना चाहिए। हमें अपने जीवन में शरीर की नहीं आत्मा के कल्याण की चिन्ता करनी चाहिए। चातुर्मास आत्म कल्याण और साधना आराधना के लिए अनुपम अवसर है। इसके पूर्व प्रातः चातुर्मास प्रारंभ के अवसर पर 24 घंटे का नवकार महामंत्र का अखंड जाप का आयोजन किया गया। अनुराग ललवानी और दीपेश धोका ने जैन युवा संगठन द्वारा आयोजित नवकार महामंत्र जाप की जानकारी दी। श्री अम्बेश गुरु मेवाड़ महिला मंडल अध्यक्ष ललिता ढीलीवाल ने अपने भाव व्यक्त किए। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

चातुर्मास एक आध्यात्मिक सुख प्रदान करने वाला अनमोल अवसर : साध्वी धर्म प्रभा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
हनुमंतनगर श्री संघ में विराजित साध्वीवृंद महासती धर्मप्रभा जी और स्नेह प्रभा जी की चातुमार्तिक प्रवचनों की श्रृंखला शनिवार को प्रारम्भ हुई। साध्वी धर्म प्रभा जी ने धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि चातुर्मास एक ऐसा काल है जो आरोग्य और पर्यावरण की दृष्टि से अति महत्वपूर्ण है। चातुर्मास एक आध्यात्मिक सुख प्रदान करने वाला स्वर्णिम अनमोल अवसर है।

जागरण का उद्बोधन और आत्मा को पावन - पवित्र करने के लिए आता है चातुर्मास। साधकों को चाहिए कि जिनवाणी को समझें, श्रद्धा करें एवं विवेक के नेत्रों से आत्मदर्शन करें। चातुर्मास का प्रमुख लक्ष्य है जीव दया, जीव यतना, व्रत व तप आराधना। क्योंकि जैन धर्म एक

अहिंसा प्रधान धर्म है। इसमें जितने भी नियम, उपनियम, व्रत, त्याग, प्रत्याख्यान साधकों के लिए बतारे गए हैं वे सभी अहिंसा की ही पुष्टि करते हैं। धर्म सभा की शुरुआत नमस्कार महामंत्र के जाप एवं तीर्थकर भगवान व गुरुदेवों की स्तुति से हुई। कई तपस्वियों ने विविध व्रत - नियम प्रत्याख्यान ग्रहण किए। हनुमंतनगर संघ के तत्वावधान एवं साध्वी धर्म प्रभा जी की पावन निश्रा में चातुर्मास प्रारंभ से हनुमंतनगर संघ में शनिवार से 42 दिवसीय पैंसठिया छन्द-जाप का विधिवत जप अनुष्ठान साधना का प्रारंभ हुआ। हनुमंतनगर संघ अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी ने सभी का स्वागत किया। हनुमंतनगर नवयुवक मंडल, महिला मंडल ने व्यवस्था में सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर धर्मसभा में विल्सन गार्डन संघ के मंत्री सज्जनराज बोहरा के साथ संघ के अनेक सदस्यगण, वरिष्ठ श्रावक, सुरेश चंद छल्लाणी, उत्तमचंद कोटरिया आदि मौजूद थे। हनुमंतनगर संघ मंत्री सुरेश कुमार धोका ने कार्यक्रम का संचालन किया।

प्रमोद भाव एवं मैत्री भाव से ही अच्छे श्रावक बनना संभव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री श्वेतांबर स्थानक वासी बावीस संप्रदाय संघ के तत्वावधान में गणेश बाग में आयोजित प्रवचन में विनय मुनि जी खीचन ने कहा कि अनुकंपा, प्रमोद भाव एवं मैत्री भाव से ही हम अच्छे श्रावक और साधक बन सकते हैं। आज बाह्य संपन्नता तो बढ़ रही हैं किंतु दिल की दरिद्रता से हम इंसानियत से दूर होते जा रहे हैं। चार्तुमास कल्प के प्रथम प्रवचन में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए मुनि ने कहा कि पाप का त्याग ही श्रेष्ठ तपस्या है। जीवन में विनय विवेक और संयम बढ़ना चाहिए। आत्मा के असंख्य प्रदेशों पर जो असर करे वही सच्ची साधना हैं। विनय मुनि जी ने कहा कि प्रदर्शनों से ज्यादा हम इस चार्तुमास में संस्कार जोर देवें। धर्म की सही जानकारी ही बच्चों में धर्म की अनुभूति कराएगी। धर्म करने के लिए बुढ़ापे का इंतजार नही करना चाहिए। हम खाना ऐसा खाएं कि न तो शरीर में रोग आए और न तामसिक उत्तेजना बढ़े।

संगीतमय मंगलपाठ एवं भजन संध्या 15 सितंबर को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री जीण मां के दीवाने बेंगलूरु द्वारा ओखलीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन में आगामी 15 सितम्बर को वार्षिक उत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर दोपहर 2 बजे से कोलकाता के सुप्रसिद्ध भजन गायक नीरज अग्रवाल एवं गायिका सोनी अरोड़ा अपने साथी कलाकारों के साथ पहली बार नृत्य नाटिका पर आधारित संगीतमय मंगलपाठ एवं भजनों की प्रस्तुति देंगे। कोलकाता के कारीगरों द्वारा मां जीण भवानी का भव्य दरबार सजाया जाएगा। इस वार्षिकोत्सव के लिए तैयारियां जोरशोर से की जा रही है।

आत्म शुद्धि का पर्व है चातुर्मास : मुनि

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में पार्श्वनाथ जैन मंदिर भवन में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए बंधु त्रिपुटी मुनिराज ने कहा चातुर्मास आत्म शुद्धि का पर्व है। इस में ज्यादा से धर्म आराधना करनी चाहिए। मुनिश्री ने कहा वक्त को बरबाद न करों क्योंकि जीवन इसी से बना है। समय एक अनमोल वस्तु है। संसार की सुख- समृद्धि नष्ट हो जाने पर पुनः संचय की जा सकती है, पर जो दिन बीत जाता है उसे वापस नहीं लाया जा सकता। विद्वानों ने समय के सदुपयोग का गुणगान किया है तथा इसे अत्यंत बलवान माना है। समय किसी की प्रतीक्षा नहीं करती। जिस व्यक्ति ने समय का सदुपयोग करना सीख लिया उसने बड़ी से बड़ी उपलब्धियां प्राप्त कर ली। साधारण व्यक्ति भी समय के सदुपयोग से महान बन जाता है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। माली सैनी समाज 31 खेड़ा बेंगलूरु द्वारा रविवार को गोलैरिटी बस स्टॉप के निकट स्थित समाज भवन में गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष में सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। समाज के पदाधिकारियों ने समाजसेवी महेंद्र मुणोत को उनके प्रतिष्ठान पर जाकर मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया।

राज्य के विभिन्न हिस्सों में बारिश का प्रकोप जारी

कई जगहों पर बाढ़ की स्थिति

चिकमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मालनाडु, तटीय, उत्तर कन्नड़, दक्षिण कन्नड़, कोडागु, चिकमगलूरु सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों में बारिश का प्रकोप जारी है और कई जगहों पर बाढ़ की स्थिति बन गई है। कुमुदवती, तुंगा, हरंगी, कावेरी और कपिला नदियाँ बाढ़ में हैं और खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। नदी क्षेत्र के निवासियों को सावधान रहने की सलाह दी गई है, क्योंकि जलाशयों से भारी मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा है। मूसलाधार बारिश के कारण कई घरों में पानी घुस गया है। खेतों में पानी भर गया है। कुछ स्थानों पर मकान ढह गए हैं और मौतें तथा चोटें आई हैं। तटीय किनारे पर पहाड़ी ढहने से सड़क यातायात बाधित हो गया है। शिरडी घाट में पहाड़ी ढह गई और यातायात बाधित हो गया। सुबह छह बजे से शाम छह बजे तक सकलेशपुर डोडतोपू के पास सड़क पर मिट्टी धंस गयी। श्रृंगेरी तालुक में नेम्मारामक्की के पास राष्ट्रीय

राजमार्ग 169 पर एक पहाड़ी ढह गई, जिससे मोटर चालक फंस गए। कपिला नदी बेसिन में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। नंजुंदेश्वर मंदिर, एक धार्मिक स्थल पूरी तरह से बाढ़ में डूब गया। उत्तर कन्नड़ जिले के अंकोला तालुक में शिरूर के पास गिरी पहाड़ी को साफ करने का अभियान जारी है। पांच दिनों से एनडीआरएफ बलों ने मिट्टी के नीचे फंसे शवों को निकालने का अभियान जारी रखा है। दस लोग कीचड़ में फंस गए और सात शव निकाले जा चुके हैं। मलनाडु, तटीय, पश्चिमी घाट,

कावेरी बेसिन में लगातार बारिश के कारण नदियाँ उफान पर हैं। उत्तरी कर्नाटक में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। मूसलाधार बारिश के कारण हासन जिले में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। भूस्खलन के कारण सड़क संपर्क टूट गया है और मकान ढह गए हैं, जिससे लोग दहशत में हैं। बिजली कटौती के कारण लोग

अंधेरे में समय गुजार रहे हैं। लगातार बारिश के कारण हेमावती जलाशय में भारी मात्रा में पानी बह गया है, जलाशय भरने की स्थिति में है और जलाशय से नदी में पानी छोड़ा जा रहा है।

कई पुल डूब गए

बेलूर के पास यागाची जलाशय अधिकतर भरा हुआ है। भारी बारिश के कारण महाराष्ट्र के खानापुरा, बेलगावी जिले, सावंतवाड़ी तालुक में कई पुल डूब गए हैं। कदांची के 30 से अधिक गांवों का संपर्क टूट गया है। कोडागु जिले में भारी बारिश के कारण 24 घर पूरी तरह से ढह गए हैं और 74 घर आंशिक रूप से ढह गए हैं। दक्षिण कन्नड़ जिले में नेत्रावती और अघनाशिनी नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। भूस्खलन की आशंका के चलते चारमुडी रोड बंद है। उडुपी जिले में सौपर्णिका नदी से बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है और 86 गांवों के निवासियों को स्वास्थ्य केंद्रों में स्थानांतरित कर दिया गया है। शिवमोग्गा में भारी बारिश हो रही है और स्कूल-कॉलेजों में छुट्टियां घोषित कर दी गई हैं।

भिक्षु भजन संध्या का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
आचार्य श्री भिक्षु के 299वें जन्मोत्सव एवं 267वें बोधि दिवस के अवसर पर भिक्षु भजन संध्या का आयोजन तेयुप (एचबीएसटी) हनुमंतनगर द्वारा संचालित महाश्रमण सुर संगम द्वारा कैलाशचंद विजय, पंकज कोठारी के निवास स्थान होसकरहल्ली में हुआ।

कार्यक्रम की शुरुवात मंगलाचरण से हुई। मेरे परिषद के भाग्य आज खुल जाएंगे भिक्षु आएंगे, जैसे अनेक भजनों द्वारा महाश्रमण सुर संगम संयोजक सन्नी रांका, सह संयोजक सुरेश कोठारी, उपाध्यक्ष देवेंद्र आंचलिया, विक्रम पुंगलिया, मनोज पोरवाड़, संगठन मंत्री संदीप बाबेल ने अपनी भक्तिमय प्रस्तुतितो से पूरे माहौल को भिक्षु

मय बना दिया। परिषद अध्यक्ष कमलेश झाबक ने सभी का स्वागत करते हुए इस भिक्षु भजन संध्या के आयोजन हेतु कैलाशचंद कोठारी परिवार के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया एवं निवेदन किया कि आपके घर में जो भी मांगलिक कार्य हो तो जैन संस्कार विधि से संपादित कराने का लक्ष्य रखें। कैलाशचंद कोठारी ने सभी का धन्यवाद किया। इस अवसर पर तेयुप पूर्व अध्यक्ष पवन बोथरा, निवर्तमान अध्यक्ष अंकुश बैद ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्व अध्यक्ष महावीर चावत, सहमंत्री प्रथम नवरतन बोल्या, कोषाध्यक्ष धवल बोल्या, स्वरूप चौपड़ा आदि का विशेष श्रम रहा।

अहिंसा हर जैनी का परम धर्म: राजेशमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भीखीबाई पूनमचंद लुणावत स्थानक भवन, शांतिनगर में चातुर्मासार्थ विराजित संत राजेशमुनि ने चातुर्मास के प्रथम दिवस के प्रातःकालीन प्रवचन में अहिंसा की मार्मिक व्याख्या की। मुनि ने कहा कि हर जैनी का परमधर्म अहिंसा है। अहिंसा के अर्थ अत्यंत गहरे हैं। अहिंसा यदि हमारे भीतर समा जाए, अंतःकरण का हिस्सा बन जाए तो जैन धर्म के पांचों व्रत स्वतः ही जीवन में समाहित हो जायेंगे। चातुर्मास में हमें अपनी खोट निकालनी है।

इससे गुण हमारे जीवन में भर जायेंगे। संत ने फरमाया कि यही खोट हमें समर्पित कर, आप गुणी बन जाओ। श्रावक यह उपहार हमें दे दे तो हमारा चातुर्मास सफल हो जायेगा। हमें कषायों की निग्रह करना चाहिए। इन चार महीनों में हमें अपने जीवन को शुद्ध करना है, तो जिनवाणी को हृदय में पहुंचाना होगा। संत ने कहा कि हमें भीड़तंत्र वाला नहीं, अध्यात्म तंत्र वाला चातुर्मास चाहिये। हमारे गुरु निग्रंथ, धर्म हमारा दया और देव हमारे अरिहंत रहें, यही लक्ष्य होना चाहिए। कदम, कलम और कसम का उपयोग बहुत सोच-समझ के ही करना चाहिए। गुरु हमारे जीवन को बदलने आते हैं, ताकि हम मोक्षगामी बन जाएं। प्रवचन का अर्थ है कि ऐसे वचन जो हमारा जीवन बदल दें। जीवन में श्रद्धापूर्वक कार्य किया जाए तो सफलता अवश्य मिलती है। हर प्राणी को स्वयं के समान समझें फिर व्यवहार करें। स्वागत व संचालन संघ मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

कुमारस्वामी ने बारिश प्रभावित इलाकों का किया दौरा

लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कारवार जिले के अंकोला में उस स्थान का दौरा कर निरीक्षण किया जहां राष्ट्रीय राजमार्ग पर शिरूर गांव के पास पहाड़ी गिरने से सात लोगों की मौत हो गई थी। केंद्रीय मंत्री सुबह दिल्ली से हुब्बल्ली होते हुए सड़क मार्ग से शिरूर गुड्डा पहुंचे और जिला कलेक्टर और अन्य अधिकारियों से हादसे के बारे में जानकारी ली। मंत्री ने अधिकारियों से पहाड़ी ढहने, राहत कार्य, प्रभावितों को सहायता, हाईवे पर कीचड़ हटाने, गंगावली नदी में बाढ़ और बारिश की स्थिति के बारे में जानकारी ली।

उन्होंने मिट्टी निकासी एवं अन्य सुधारात्मक कार्यों के संबंध में जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा किये गये उपायों पर संतोष व्यक्त किया। केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने जोर देकर कहा कि राज्य सरकार को भूस्खलन में जान गंवाने वाले परिवारों के साथ खड़ा होना चाहिए। राहत कार्य में कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। केंद्र सरकार राहत कार्य में जुटी हुई है। राज्य सरकार को अपनी

भूमिका निभानी चाहिए। राजनीति बेकार है। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों को बड़ी मात्रा में मुआवजा दिया जाना चाहिए और जिन लोगों ने अपना घर खो दिया है उन्हें दोबारा आवास मुहैया कराया जाना चाहिए। यह बेहद दर्दनाक है कि इस त्रासदी में एक ही परिवार के पांच, दो और लोगों की जान चली गई। सभी मेहनतकश हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह दुखद है कि दो बच्चे इसका शिकार बने हैं। यह त्रासदी क्यों घटी? उसके क्या कारण हैं? क्या काम में कोई समस्या है? समीक्षा की जाएगी और इसे संबंधित मंत्री के ध्यान में लाया जाएगा। उन्होंने इसमें राजनीति न करने का अनुरोध किया। उन्होंने मीडिया द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि इस घटना को सुलझाने का काम देर से चल रहा है। मैं इस पर अधिकारियों को दोष नहीं दे सकता। वे बारिश में भी लगातार काम कर रहे हैं। यह त्रासदी कल्पना से परे है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लोगों को बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने में अवैज्ञानिक कार्यों के कारण ऐसी घटनाएं बार-बार हो रही हैं। उन्होंने कहा मैं आया हूँ और केंद्र से जो भी मदद हो सकेगी मैं करूंगा। भारी बारिश के कारण हासन, मेंगलूरु , चिकमगलूरु, कोडागु सहित तटीय उच्चभूमियों में कृषि फसलें बर्बाद हो गई हैं। लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त है। कुमारस्वामी ने कहा कि राज्य सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए। जेडीएस विधायक दल के नेता सुरेश बाबू, जेडीएस नेता सूरज नाइक सोनी और उत्तर कन्नड़ जिले के भाजपा जेडीएस नेता मंत्री के साथ थे।

प्रतिष्ठा को किनारे रख पार्टी को जमीनी स्तर से संगठित करें: शिवकुमार

लेटरहेड के लिए पदाधिकारी बनने वालों को हटाया जाएगा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने स्थानीय निकाय चुनाव जीतने के लिए कांग्रेस पार्टी को जमीनी स्तर से संगठित करने और प्रतिष्ठा को किनारे रखने का आदेश दिया है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के कार्यालय में राज्य के सभी ब्लॉक और जिला कांग्रेस अध्यक्षों के साथ एक परामर्शी बैठक की और चेतावनी दी कि जिन लोगों ने काम नहीं किया है और लेटरहेड के लिए पदाधिकारी का पद प्राप्त किया है, उन्हें बिना किसी हिचकिचाहट के हटा दिया जाएगा। जल्द ही स्थानीय निकाय चुनाव आने वाले हैं। पार्टी को जमीनी स्तर पर संगठित करने के लिए स्थानीय नेतृत्व बहुत महत्वपूर्ण है। ऐसे में पार्टी पदाधिकारियों, विधायकों, सांसदों, मंत्रियों को एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना चाहिए। विधायक और पार्टी अध्यक्ष असहयोग का आरोप लगा रहे हैं। यह सही नहीं है।

उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत प्रतिष्ठा की परवाह किये बिना उन्हें अलग रहकर सभी को विश्वास में लेकर पार्टी हित में काम करना चाहिए। कुछ जगहों पर पार्टी संगठन का काम उबाऊ है। कई चेतावनियों के बावजूद नेता नहीं जागे। अब बार-बार चेतावनियों के साथ नहीं बैठे रहेंगे। उन्होंने कहा कि जो लोग काम नहीं कर रहे हैं उन्हें जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया जाएगा।

राज्य में कांग्रेस पार्टी सत्ता में है। अगला बीबीएमपी, जिला पंचायत, तालुक पंचायत चुनाव प्रतिष्ठा का सवाल है। हमारी प्राथमिकता बड़ी संख्या में पार्टी उम्मीदवारों को जिताना और स्थानीय निकायों में सत्ता हासिल करना है।

उन्होंने चेतावनी दी कि इस मामले में कोई समझौता नहीं होगा। यदि पार्टी जमीनी स्तर पर संगठित नहीं है और केवल नाम के लिए अध्यक्ष और पदाधिकारी है, तो अवसर आने पर जिन्हें सत्ता दी जाती है, उनके बारे में अब विचार नहीं किया जाएगा। प्रत्येक स्तर पर स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं की राय लेने के बाद ही सत्ता का वितरण किया जाता है। बिना काम किये गुटबाजी करने वालों को कोई मौका नहीं मिलेगा। पार्टी पदाधिकारी पद पर नहीं रह सकते। मेरे सहित सभी ने निर्देश दिया है कि पार्टी संगठन को पहली प्राथमिकता दी जानी चाहिए। अब से, मंत्री नियमित रूप से कांग्रेस कार्यालय का दौरा करेंगे।

स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं का पंजीकरण कर उन्हें मंत्री से मिलने की अनुमति दी गयी है। जिला अध्यक्ष एवं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इस बात पर ध्यान दें कि आवेदकों की समस्याओं का समाधान हो गया है। बरसात के मौसम के कारण कुछ जिलों में बुरी स्थिति उत्पन्न हो गई है। उन्होंने सुझाव दिया कि उन्हें समस्याग्रस्त क्षेत्रों का दौरा करना चाहिए और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर संकटग्रस्त लोगों की मदद करनी चाहिए।

निगम-मंडलों के अध्यक्ष और सदस्यों के लंबित पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। डीके शिवकुमार ने पार्टी के लिए काम करने वाले ईमानदार लोगों की पहचान कर उन्हें अवसर दिलाने में सहयोग करने का अनुरोध किया है।

किसी भी वक्त कोर्ट का आदेश आ सकता है

कार्यक्रम में केपीसीसी अभियान समिति के अध्यक्ष विनय कुमार सोरके, कार्यकारी अध्यक्ष विनय कुलकर्णी, जीसी चंद्रशेखर, मंजूनाथ भंडारी, तनवीर सैत, वसंत कुमार, मीडिया इकाई के अध्यक्ष रमेश बाबू, महासचिव विजय मुलगुंड और अन्य उप-स्थित थे।

इससे पहले पार्टी कार्यालय के पास पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस पार्टी को पुनर्गठित करने, कुछ नेताओं को बढ़ावा देने और वफादारों की पहचान कर उन्हें सत्ता में मौका देने के लिए ईमानदारी से प्रयास करेंगे।

बीबीएमपी, जिला पंचायत, तालुक पंचायत के चुनाव कराने को लेकर किसी भी वक्त कोर्ट का आदेश आ सकता है। उन्होंने कहा कि इसकी भी तैयारी कर ली गयी है।

भाजपा ने कांग्रेस सरकार को अपने शासनकाल में हुए घोटालों की जांच करने की दी चुनौती

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक में भाजपा ने शनिवार को कांग्रेस सरकार को चुनौती दी कि वह पिछले पांच वर्षों के दौरान कथित तौर पर हुए 21 घोटालों की जांच का आदेश दे, जब भगवा पार्टी सत्ता में थी।

पार्टी ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली सरकार पर कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में 187 करोड़ रुपये के घोटाले में शामिल लोगों को बचाने का आरोप लगाया।

विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा है कि भाजपा शासन के दौरान 21 घोटाले हुए हैं। आप पिछले 15 महीनों से सत्ता में हैं। आपने इन घोटालों की जांच में इतना समय क्यों लगाया? हम जांच के लिए तैयार हैं।

उन्होंने कहा जिस तरह वाल्मीकि निगम के 88 करोड़ रुपये तेलंगाना के विभिन्न बैंक खातों में खाता-खाता ट्रांसफर किए गए, उसी तरह आपको हमारे खिलाफ अनियमितताओं के आरोपों की भी खाता-खाता जांच करानी चाहिए।

पूर्व उपमुख्यमंत्री अशोक ने सिद्धरामैया पर आरोप लगाया कि वे कांग्रेस विधायक बी. नागेंद्र, जिन्होंने आदिवासी कल्याण मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया है, तथा वाल्मीकि निगम के अध्यक्ष बसनगौड़ा दद्दल को बचाने के लिए वाल्मीकि निगम और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारियों पर दोष मढ़ने का प्रयास कर रहे हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया कि इन अधिकारियों ने कितनी रकम ली होगी? बहुत मामूली रकम। बड़ी रकम कर्नाटक और तेलंगाना में कांग्रेस नेताओं को दी गई है, जहां कांग्रेस सत्ता में है।

कथित घोटाला तब सामने आया जब निगम के लेखा अधीक्षक चंद्रशेखरन पी ने 26 मई को आत्महत्या कर ली। सुसाइड नोट में चंद्रशेखरन ने आरोप लगाया कि निगम के 187 करोड़ रुपये विभिन्न खातों में अवैध रूप से ट्रांसफर किए गए।

इसके बाद कांग्रेस सरकार ने एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया, जिसने अब तक मामले के संबंध में 11 लोगों को गिरफ्तार किया है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा पैसे के अवैध हस्तांतरण के संबंध में शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) भी मामले की जांच कर रहा है। घोटाले के सामने आने के बाद इस्तीफा देने वाले नागेंद्र फिलहाल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में हैं।

मुडा घोटाला विवाद मामला

मैसूरु कांग्रेस ने आरटीआई कार्यकर्ताओं के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कांग्रेस की मैसूरु जिला इकाई ने शुक्रवार को पुलिस आयुक्त सीमा लाटकर से मुलाकात की और आरटीआई कार्यकर्ता गंगाराजू और स्नेहमयी कृष्णा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जिन्होंने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) भूमि आवंटन घोटाले को उजागर किया था, जिसमें कथित तौर पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया शामिल थे। कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए, कांग्रेस कार्यकर्ताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि दोनों ने मुख्यमंत्री की छवि खराब करने की साजिश रची थी। प्रतिनिधिमंडल में मैसूरु ग्रामीण कांग्रेस के अध्यक्ष बी.जे. विजयकुमार, प्रवक्ता और सीएम सिद्धरामैया के करीबी एम. लक्ष्मण और पार्टी के मैसूरु शहर प्रमुख आर. मूर्ति शामिल थे।

सिद्धरामैया भाजपा पर आरोप लगाकर अपनी गलती छिपाने की कर रहे कोशिश: कुमारस्वामी

एक दिन पहले ही सीएम ने लगाया था आरोप

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने शनिवार को आरोप लगाया कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने अपनी गलती छिपाने के लिए राज्य में पिछली भाजपा सरकार पर कई घोटाले करने का आरोप लगाया है। उन्होंने पूछा कि 2013 से लगातार मुख्यमंत्री होने और एक साल से अधिक समय से सत्ता में रहने के बावजूद सीएम ने कथित घोटालों पर कार्रवाई क्यों नहीं की या जांच का आदेश क्यों नहीं दिया। सिद्धरामैया अब कह रहे हैं कि 2010 से भाजपा सरकार के दौरान घोटाले हुए हैं, लेकिन सत्ता में रहते हुए भी उन्होंने जांच का आदेश क्यों नहीं दिया। यदि कोई मंत्री महर्षि वाल्मीकि एसटी विकास निगम घोटाले में शामिल नहीं था, तो उसका नाम एक अधिकारी की मृत्यु नोट में क्यों लिखा गया? सीएम को इतना गैरजिम्मेदार नहीं होना चाहिए। अपनी कमजोरी के कारण, इस सरकार ने अधिकारियों पर भी नियंत्रण खो दिया है। कुमारस्वामी ने पूछा कि सिद्धरामैया को क्यों लगता है कि ईडी उनका नाम इस घोटाले में लाने की कोशिश कर रहा है और उन्हें डर क्यों है? उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) द्वारा साइट आवंटन में कथित अनियमितताओं में सिद्धरामैया की सीधी भूमिका थी। कुमारस्वामी ने कहा कि इस सरकार में अनियमितताओं के कारण सिद्धरामैया अपनी नैतिक प्रतिष्ठा खो चुके हैं और जनता के सामने अपना चेहरा दिखाने की स्थिति में नहीं हैं। उत्तर कन्नड़ जिले के शिरूर सहित बारिश प्रभावित क्षेत्रों का दौरा न करने पर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि ऐसे मौकों पर मौके का निरीक्षण और प्रभावित लोगों में साहस भरना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा जब कई जिलों में बाढ़ की स्थिति और बारिश से संबंधित समस्याएं लोगों को परेशान कर रही हैं, तो मुख्यमंत्री और मंत्रियों का मौके पर न जाना दिखाता है कि उन्हें लोगों की कितनी चिंता है। राजस्व मंत्री ने अभी-अभी डिप्टी कमिश्नरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस की है। मौके का दौरा करना और प्रभावित लोगों में साहस भरना केवल पीडी खातों में पैसा रखने से ज्यादा महत्वपूर्ण है, लेकिन यह सरकार ऐसा नहीं कर रही है। कुमारस्वामी ने कहा कि वह रविवार को सकलेशपुर में बारिश प्रभावित क्षेत्रों का भी दौरा करेंगे। ज्ञातव्य है कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शुक्रवार को कहा था कि सरकार एसटी विकास निगम में गबन किए गए 85.25 करोड़ रुपये की वसूली की प्रक्रिया में है। उन्होंने भाजपा पर भ्रष्टाचार को लेकर निशाना साधा और भगवा पार्टी के सत्ता में रहने के दौरान हुए 21 घोटालों का जिक्र किया। सिद्धरामैया विधानसभा में कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि एसटी विकास निगम में घोटाले पर बहस का जवाब दे रहे थे। उन्होंने अपने संबोधन में भाजपा पर राजनीतिक हमले किए, जिसके सदस्य सदन के वेल में विरोध कर रहे थे। उन्होंने कहा हमारी सरकार बीएस येदियुरप्पा, बसवराज बोम्मई या नरेंद्र मोदी की सरकार नहीं है, जो लूटने वालों को छोड़ दे। हम भ्रष्टाचार से समझौता नहीं करेंगे। सिद्धरामैया ने कहा कि उनकी सरकार के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने गबन के सिलसिले में 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। सिद्धरामैया ने कहा यह (गबन) यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और कॉरप-ोरेशन के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ निजी धोखेबाजों की साजिश लगती है। उन्होंने इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि पूर्व मंत्री बी नागेंद्र इसमें शामिल थे या नहीं। चूंकि जांच चल रही है, इसलिए किसी एक व्यक्ति पर ध्यान केंद्रित करना गलत होगा। सिद्धरामैया के अनुसार, गबन किए गए 89.53 करोड़ रुपये में से, अधिकारी 85.25 करोड़ रुपये की वसूली के विभिन्न चरणों में हैं। सिद्धरामैया ने भाजपा से पूछा आपने अपने कार्यकाल के दौरान हुए घोटालों में कितना पैसा वसूल किया है?

स्कूली बच्चों को अंडे देने के लिए अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के साथ समझौता: सीएम सिद्धरामैया

सभी को धर्मनिरपेक्ष बनना होगा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के सभी बच्चों को अगले तीन साल तक सप्ताह में चार दिन मुफ्त अंडे उपलब्ध कराने के लिए अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। शहर के एक निजी होटल में आयोजित पूरक पोषण आहार वितरण कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बच्चों के पोषण को बढ़ाने के उद्देश्य से सत्ता में आने पर एक दिन और फिर दो दिन तक अंडा मुफ्त देती थी। अजीम प्रेमजी ने 1500 करोड़ रुपये खर्च करने का मन बनाया है। वे बाकी चार दिनों के लिए बच्चों को लागत मूल्य पर मुफ्त अंडे देने के लिए आगे आए हैं।

उन्होंने कहा कि इससे राज्य के 55 लाख बच्चों को फायदा होगा। अजीम प्रेमजी के परिवार ने कई दान कार्य किये हैं। उन्होंने कहा कि इनके आकार के कारण बच्चों को भरपूर भोजन मिलता है। बच्चे स्वस्थ रहें। जब शारीरिक फिटनेस होती है तो ज्ञान विकसित होता है। गरीब, अमीर, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक समुदाय के सभी बच्चों को समान गुणवत्ता वाली शिक्षा मिलनी चाहिए। इस संबंध में पहले उनकी पिछली सरकार में सरकारी स्कूल के बच्चों को जूते-मोजे उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया था।

गरीबों के बच्चों में भेदभाव न हो, जातीय संक्रमण न हो और वे धर्मनिरपेक्ष बनकर बड़े हों, इसके लिए राज्य सरकार ने कई कार्यक्रम चलाये हैं। ऐसी स्थिति थी कि कई बच्चे बिना नाश्ते और दोपहर के भोजन के स्कूल आए। उसके लिए दूध, मध्याह्न भोजन लागू किया गया। उन्होंने बताया कि अंडा दान कार्यक्रम भी धीरे-धीरे लागू किया गया। राष्ट्रकवि कुवेम्पु ने कहा है कि सांसारिक लोग जन्म लेते ही चंद्रमा के समान छोटे हो जाते हैं। समाज में सर्वव्यापी बनना है। क्षुद्र मत बनो। धर्मनिरपेक्ष समतामूलक समाज के निर्माण के लिए सभी को धर्मनिरपेक्ष बनना होगा। बच्चों को सरकारी सुविधाओं का उपयोग कर ज्ञान, वैज्ञानिक एवं बौद्धिक विकास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि तभी वह एक सामाजिक व्यक्ति के रूप में विकसित हो सकते हैं। कार्यक्रम में व्यवसायी अजीम प्रेमजी, यास्मीन, स्कूली शिक्षा साक्षरता मंत्री मधु बंगारप्पा, विधायक रिजवान हर्षद और अन्य उपस्थित थे।

मुडा घोटाला मामला

आरटीआई कार्यकर्ताओं के उत्पीड़न के खिलाफ करेंगे विरोध प्रदर्शन: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भाजपा ने शनिवार को राज्य सरकार को चेतावनी दी है कि अगर मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले को उजागर करने वाले आरटीआई कार्यकर्ताओं में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की कथित भूमिका पाई गई तो वह विरोध प्रदर्शन करेगी।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कांग्रेस, जिसका आपातकाल लगाने का काला इतिहास रहा है, ने अपनी शक्ति का उपयोग करके उनके वास्तविक स्वरूप को उजागर करने का प्रयास करने वालों को चुप कराने, धमकाने और जेल में डालने की कला में महारत हासिल कर ली है। अगर कांग्रेस द्वारा मैसूरु पुलिस आयुक्त को दर्ज कराई गई शिकायत में नामित

आरटीआई कार्यकर्ताओं को किसी भी तरह का उत्पीड़न किया जाता है तो कर्नाटक भाजपा विरोध प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि उन्हें पर्याप्त पुलिस सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि मैसूरु के मुडा मामले में दबाव डालकर कार्यकर्ताओं को चुप कराने में विफल रहे कांग्रेस के सदस्य अब पुलिस बल का उपयोग करके उन्हें चुप कराने की कोशिश कर रहे हैं। विजयेंद्र ने कहा आरटीआई कार्यकर्ता जो मुख्यमंत्री की पत्नी के नाम पर मुडा से प्राप्त 14 भूखंडों से संबंधित मूल दस्तावेजों को उजागर कर रहे हैं और केसर भूमि में सर्वेक्षण संख्या 464 की अवैध खरीद का विवरण उजागर कर रहे हैं, उनके खिलाफ पुलिस ने शिकायत दर्ज की है। मैसूरु जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बी.जे. विजयकुमार और कांग्रेस प्रवक्ता एम. लक्ष्मण ने शुक्रवार को मैसूरु शहर के पुलिस आयुक्त को एक ज्ञापन सौंपकर आरोप लगाया कि आरटीआई कार्यकर्ता गंगाराजू और स्नेहमयी कृष्णा सिद्धरामैया के खिलाफ झूठे आरोप लगा रहे हैं।

सीएम सम्मानपूर्वक दें इस्तीफा

मौखिक सहमति के बाद ही वाल्मीकि निगम में हुआ भ्रष्टाचार: विजयेन्द्र

किसी भी घोटाले की जांच हो

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने कहा कि अगर कोई अक्षम सीएम हो और सीएम की मौखिक सहमति हो तो ही वाल्मीकि निगम के पैसे के गबन जैसा भ्रष्टाचार घोटाला हो सकता है। बेल्लारी में एक मीडिया कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि वाल्मीकि निगम का पैसा चुराया और उस पैसे का इस्तेमाल बेल्लारी और अन्य जगहों पर चुनाव के दौरान किया। उन्होंने एक गैर-मौजूद कंपनी के नाम पर पैसे ट्रांसफर करके उसे वापस लेकर घोटाला किया है। सीएम ने कहा कि वह भाजपा सरकार के घोटालों की जांच कराएंगे। उन्हें ऐसा करने से कौन रोक रहा है? उन्होंने चुनौती दी कि अगर कोई घोटाला है तो जांच करायी जाये। लेकिन, सीएम को पहले हमारे सवाल का जवाब देना चाहिए। उन्होंने मांग की कि इस घोटाले के सिलसिले में उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए क्योंकि वह खुद वित्त मंत्री हैं। इससे पहले कांग्रेस विधायक दल की बैठक हुई। जिसमें मुख्यमंत्री ने कहा है कि सभी विधायक वाल्मीकि निगम घोटाला, मुडा घोटाला में मेरे बचाव में आएं। आत्महत्या करने के करीब 2 महीने बाद शुक्रवार को चंद्रशेखर के परिजनों के लिए मुआवजे का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा इस मामले में लगातार मांग कर रही थी। वाल्मीकि निगम घोटाले में बड़े नाम सुनने को मिल रहे हैं। विजयेंद्र ने कहा कि सिर्फ नागेंद्र के इस्तीफे और उनकी हिरासत से यह कांड खत्म नहीं होगा। क्या यह कहना सही है कि जब पैसा लौटाया गया तो भ्रष्टाचार का घोटाला नहीं हुआ? मुख्यमंत्री किसके कान में फूल डालने का काम कर रहे हैं? कुल मिलाकर यह घोटाला चन्द्रशेखर की आत्महत्या के बाद सामने आया। उन्होंने कहा कि अगर उनका डेथ नोट नहीं होता तो यह कांड सामने नहीं आता। सीएम का कहना है कि भाजपा ईडी और सीबीआई के जरिए सरकार को अस्थिर करने का काम कर रही है। आपके अनुसार मुख्यमंत्री का पद पिछड़े वर्ग के लिए असुरक्षित क्यों है? उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अहिन्दा का नाम लेकर सत्ता में आये। आपने स्वयं भ्रष्टाचार स्वीकार किया है। जो उनके कैबिनेट के मंत्री थे वे आज ईडी हिरासत में हैं। वित्त विभाग की अनुमति के बिना ऐसा घोटाला होना असंभव है। विजयेंद्र ने कहा कि हम उनसे सम्मानपूर्वक इस्तीफा देने का अनुरोध कर रहे हैं। जानकारी मिली है कि लूटे गए पैसों का इस्तेमाल बेल्लारी और तेलंगाना में लोकसभा चुनाव में किया गया था। इसका इस्तेमाल राज्य में लोकसभा चुनाव में भी किया जा चुका है।

उपयुक्त उम्मीदवार पर चर्चा कर घोषणा की जायेगी

साथ ही उन्होंने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि इसकी जानकारी कांग्रेस हाईकमान तक भी पहुंच गई है। संदूर उपचुनाव भाजपा के लिए एक चुनौती है। बहुत सारे आकांक्षी हैं। एक तरफ उपयुक्त उम्मीदवार ढूंढने की चुनौती है तो दूसरी तरफ राज्य सरकार के पैसे और ताकत के दुरुपयोग को रोकना है। उन्होंने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि उपयुक्त उम्मीदवार पर चर्चा कर घोषणा की जायेगी। पूर्व उपमुख्यमंत्री और सांसद गोविंद करजोल, विधान परिषद सदस्य एन. रविकुमार, केएस नवीन, पूर्व सांसद देवेन्द्रप्पा, पूर्व विधायक सोमशेखर रेड्डी, एसटी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बंगारू हनुमंथु, राज्य सचिव शरणु तुचरिकेरी, जिला अध्यक्ष अनिल कुमार, पार्टी पदाधिकारी, नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राज्य के सभी हिस्सों में कृषि कुएं खोले जाएंगे: कृषि मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के कृषि मंत्री चेलुवरयास्वामी ने विधानसभा में कहा कि अब से सिंचाई क्षेत्रों सहित राज्य के सभी हिस्सों में कृषि कुएं खोले जाएंगे। सदस्य केशवप्रसाद के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि अब तक सिंचित क्षेत्र के अलावा अन्य जगहों पर कृषि कुएं खोले जाते थे। लेकिन अब सिंचाई क्षेत्रों को भी खोलने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया गया है। पहले केवल 106 तालुकों को कृषि कुएं खोलने की अनुमति थी। लेकिन सभी किसानों के लाभ के लिए इसे सिंचित क्षेत्रों में भी खोलने की अनुमति दी गई है। नए कृषि कुएं खोलने वालों को अनिवार्य रूप से तार की बाड़ लगानी चाहिए। साथ ही वहां बोर्ड भी लगाए जाएं। उन्होंने बताया कि वह जल्द ही इसके लिए एक नया ऐप तैयार कराएंगे। कृषि कुआं खोलने वाले अनुसूचित जाति/जनजाति को 40 से 50 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है। पानी को संग्रहित किया जाता है ताकि किसान गैर-बरसात अवधि के दौरान इसका उपयोग कर सकें। कुछ लोग कह रहे हैं कि ग्रामीण इलाकों में यह असुविधाजनक है। नई सड़कें बनने पर दुर्घटनाएं होती हैं। उन्होंने हमें हर चीज के बारे में नकारात्मक सोचने के बजाय सकारात्मक सोचने की सलाह दी।

14 सालों से फरार उपद्रवी गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सीसीबी पुलिस ने एक ऐसे उपद्रवी को गिरफ्तार किया है जो एक मामले में अदालत में पेश हुए बिना 14 साल से फरार था। गिरफ्तार उपद्रवी का नाम योहान उर्फ पापू (36) है। उसके खिलाफ चंद्रा-लेआउट, अन्नपूर्णेश्वरीनगर, बागलगुंटे पुलिस स्टेशनों में उपद्रवी सूची खोली गई है। आरोपी योहान के खिलाफ वर्ष 2010 में व्यालिकावल पुलिस स्टेशन में एक मामला दर्ज किया गया था। 2012 से वह कोर्ट में पेश हुए बिना फरार चल रहा था। आरोपी की तलाश के लिए एक टीम गठित की गई। टीम ने आरोपी के बारे में कई जानकारियां ब्लैक आउट कर उसे गिरफ्तार कर पुलिस को सौंप दिया। ऑपरेशन को सीसीबी संगठित अपराध दस्ते (पश्चिम) के अधिकारियों और कर्मचारियों ने अंजाम दिया।

सरकार ने 6वीं गारंटी के रूप में 7वें वेतन आयोग की रिपोर्ट को किया लागू: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि हमारी सरकार ने जैसा कहा था वैसा ही किया और 6वीं गारंटी के रूप में 7वें वेतन आयोग की रिपोर्ट को लागू किया।

सरकारी कर्मचारियों के बच्चों के प्रतिभा पुरस्कार कार्यक्रम, सेवारत्न पुरस्कार और 7वें वेतन आयोग के कार्यान्वयन के लिए चन्नपटना तालुक बॉयज प्री-ग्रेजुएशन कॉलेज परिसर में आयोजित अभिनंदन समारोह में भाग लेते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने 7वें वेतन आयोग को लागू कर दिया है। उन्होंने कहा कि जिन तीन राज्यों में पहले ही एनपीएस खत्म कर ओपीएस लागू किया जा चुका है, वहां भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी और उनसे रिपोर्ट लेकर वे इसे लागू करेंगे। राज्य सरकारी कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष सीएस शदाक्षरी ने पहले ही मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के साथ कर्नाटक स्वास्थ्य संजीवनी योजना पर चर्चा की है और कहा है कि इसे कुछ दिनों में लागू किया जाएगा। परिवहन मंत्री और रामनगर जिले के प्रभारी मंत्री रामलिंगारेड्डी ने प्रतिभाशाली बच्चों को प्रतिभा पुरस्कार वितरित किया और छात्रों के लिए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं। शदाक्षरी ने सेवारत्न पुरस्कार प्रदान किया और प्रतिभाशाली बच्चों को बधाई दी। जिला अध्यक्ष सतीश, प्रदेश महासचिव श्रीनिवास थिम्मेगौड़ा, प्रदेश कोषाध्यक्ष डॉ. सिद्धारमन्ना, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एमवी रुद्रप्पा, बसवराजू, उपाध्यक्ष हर्ष, सिद्धेश, गिरिगौड़ा, सोमशेखर, पांडुरंगा, चेतन, नागभूषण, शंकरप्पा और रामनगर जिला शाखा के सभी पदाधिकारी, जिले के सभी तालुकों के अध्यक्ष, पदाधिकारी, जिला सरकारी कर्मचारी एवं परिवार के सदस्य कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

रेणुकास्वामी हत्याकांड के आरोपी राघवेंद्र की मां का निधन

चित्रदुर्ग/शुभ लाभ ब्यूरो।

रेणुकास्वामी हत्याकांड के एक आरोपी की मां का शनिवार को निधन हो गया।

राघवेंद्र की मां मंजुलम्मा (70) पिछले एक साल से बीमार चल रही थीं। बेटे की गिरफ्तारी के बाद से ही वह डिप्रेशन में थीं। कन्नड़ फिल्म अभिनेता दर्शन थुगुदीपा और उनके दोस्त पवित्रा गौड़ा मुख्य आरोपी हैं और जेल में हैं। उनके साथ 15 अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है। राघवेंद्र चित्रदुर्ग में दर्शन फैन क्लब के अध्यक्ष थे। उन्होंने कथित तौर पर 8 जून को चित्रदुर्ग से दर्शन के प्रशंसक रेणुकास्वामी का अपहरण करने और उसे बेंगलूरु लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जहां पवित्रा को कथित तौर पर अश्लील संदेश भेजने के आरोप में 9 जून को उसे प्रताड़ित कर मार डाला गया था। पुलिस ने 11 जून को दर्शन और पवित्रा को गिरफ्तार कर लिया था। राघवेंद्र के परिवार के सदस्यों ने जेल अधिकारियों से अपील की है कि उन्हें मंजुलम्मा के अंतिम संस्कार में भाग लेने की अनुमति दी जाए।

विधानसभा अध्यक्ष विधानसभा का संचालन ठीक से करने में पूरी तरह विफल: अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के विपक्ष के नेता (एलओपी) आर. अशोक ने विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर की आलोचना करते हुए कहा कि वह सदन का संचालन ठीक से करने में पूरी तरह विफल रहे हैं। एलओपी ने आरोप लगाया कि अध्यक्ष भाजपा सदस्यों को आदिवासी कल्याण बोर्ड घोटाले के मुद्दे पर अपनी आवाज उठाने का मौका नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कहा इस मिसाल से विधानसभा या अध्यक्ष का सम्मान नहीं होता। यहां पत्रकारों से बात करते हुए अशोक ने दावा किया कि विधानसभा में घोटाले पर बोलने के लिए जब भाजपा सदस्य खड़े हुए तो अध्यक्ष ने उन्हें बैठने के लिए मजबूर किया। उन्होंने कहा कर्नाटक के इतिहास में विधानसभा का संचालन इस तरह से कभी नहीं हुआ और विधानसभा अध्यक्ष विधानसभा का संचालन ठीक से करने में पूरी तरह विफल रहे। अशोक ने आगे दावा किया कि घोटाले के कारण कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम (केएमवीएसटीडीसी) के अधीक्षक चंद्रशेखरन पी. की आत्महत्या कांग्रेस सरकार द्वारा राज्य प्रायोजित हत्या है। विपक्ष के नेता ने कहा प्रवर्तन निदेशालय की प्रेस विज्ञप्ति में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और मंत्रियों ने 187 करोड़ रुपये लूटे और चुनाव के लिए इस्तेमाल किए। राज्य सरकार पर घोटाले को छुपाने की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए अशोक ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को इस घोटाले में अपनी संलिप्तता के लिए इस्तीफा दे देना चाहिए था, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और न ही उन्होंने जांच सीबीआई को सौंपी।

केआरएस जलाशय में जल प्रवाह 50,000 क्यूसेक के पार

एक सप्ताह में जल स्तर 15 फीट ऊपर पहुंचा

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कर्नाटक के कोडागु जिले में कावेरी नदी और उसकी सहायक नदियों के जलग्रहण क्षेत्र में भारी बारिश के कारण मांड्या के पास कृष्णराज सागर (केआरएस) जलाशय में जल प्रवाह बढ़ गया है।

शनिवार सुबह जल प्रवाह 51,375 क्यूसेक था। यह पहली बार है जब मौजूदा मानसून में केआरएस में जल प्रवाह 50,000 क्यूसेक के आंकड़े को पार कर गया है। जल प्रवाह में और वृद्धि होने की उम्मीद है, क्योंकि शुक्रवार की रात को हेमावती जलाशय के ऊपरी द्वार खोल दिए गए थे। शनिवार को सुबह 8 बजे केआरएस जलाशय का जल स्तर 119.90 फीट पर पहुंच गया, जबकि अधिकतम जल स्तर 124.80 फीट था।

हेमावती से निकलने वाला पानी एक या दो दिन में केआरएस तक पहुंचने की उम्मीद है, जिसके मद्देनजर अधिकारियों ने मांड्या में बाढ़ की चेतावनी जारी कर दी है। केआरएस जलाशय में भारी बारिश के कारण एक सप्ताह में जलस्तर 15 फीट और तीन सप्ताह में 25 फीट बढ़ गया है। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र (केएसएनडीएमसी) के रिकॉर्ड के अनुसार, 1 जुलाई को जलस्तर 95.50 फीट था और प्रवाह की दर 9369 क्यूसेक थी, जो 6 जुलाई को घटकर 6185 क्यूसेक हो गई। सुस्त मानसून और बारिश में रुकावट के कारण 13 जुलाई को पानी का बहाव और कम होकर 3406 क्यूसेक रह गया।

इससे एक और कमजोर मानसून की आशंका की आशंका बढ़ गई। लेकिन, 14 जुलाई से मानसून न केवल पुनर्जीवित हुआ है, बल्कि उसने ताकत भी हासिल की है और कावेरी जलग्रहण क्षेत्र में बारिश की कमी को बेअसर कर दिया है। मांड्या में अधिकारियों ने 92 गांवों की पहचान की है जो केआरएस शिखर द्वार खुलने के बाद प्रभावित हो सकते हैं। श्रीरंगपटना के पास प्रसिद्ध रंगनाथिटु पक्षी अभयारण्य में नाव सेवाओं को अगले नोटिस तक निलंबित कर दिया गया है।

शुक्रवार की सुबह काबिनी जलाशय से पानी का बहाव 70,000 क्यूसेक से अधिक था, जो शनिवार की सुबह घटकर 40,408 क्यूसेक रह गया। केएसएनडीएमसी के अनुसार, पिछले एक सप्ताह में काबिनी जलाशय से संचयी बहिर्वाह 17.42 टीएमसी फीट था, तथा 1 जून से 22.33 टीएमसी फीट था।

एयरलाइन की लापरवाही के कारण मेंगलूरु के एक परिवार ने 2 लाख का कीमती सामान खोया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विस्तारा की दम्मम से मुंबई जाने वाली फ्लाइट में मेंगलूरु के एक परिवार सहित कई यात्री अपना सामान खो जाने के बाद परेशानी का सामना कर रहे हैं।

यह फ्लाइट बाद में मेंगलूरु से मुंबई के लिए रवाना हुई। यह घटना गुरुवार को विस्तारा यूके 238 में हुई, जिसमें यात्रियों का 2 लाख रुपये का कीमती सामान खो गया।

इस घटना को याद करते हुए मेंगलूरु के बदरुद्दीन ने कहा मेरा परिवार दम्मम से मेंगलूरु एक शादी में शामिल होने के लिए कुछ समय के लिए छुट्टी मनाने आया था। आश्वासन के बावजूद, मुंबई एयरपोर्ट पर पहुंचने पर हमारे छह बैग घटकर तीन रह गए। अधिकारियों ने शुरू में मेंगलूरु में 24 घंटे के भीतर बाकी बैग लौटाने का वादा किया था, लेकिन छह दिन से ज्यादा हो गए हैं और हमारी कॉल का कोई जवाब नहीं आया है। उन्होंने आगे कहा हमें अलग-अलग कहानियाँ सुनाई गईं- होम डिलीवरी से लेकर एयरपोर्ट कलेक्शन तक। कुछ भी नहीं हुआ। बुजुर्ग और बीमार यात्री प्रभावित हुए। हमें शादी के लिए सब कुछ फिर से खरीदना पड़ा। ऐसा दोबारा नहीं होना चाहिए। बदरुद्दीन ने कहा एयर विस्तारा की लापरवाही के कारण लगभग 300 यात्रियों ने अपना सामान खो दिया। हम सभी प्रभावित यात्रियों के लिए मुआवजा की माँग करते हैं। एयर विस्तारा ने अभी तक इस स्थिति पर कोई प्रतिक्रिया या टिप्पणी नहीं की है।

बांग्लादेश में हिंसा के बीच भारत वापस लौटे सैकड़ों छात्र

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)।

पड़ोसी देश बांग्लादेश इन दिनों हिंसा की आग में झुलस रहा है। सरकारी नौकरियों में आरक्षण के मुद्दे शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन देशभर में उग्र रूप ले चुका है। हिंसा प्रभावित देश से लोग पलायन कर रहे हैं। इस बीच, भारत के विदेश मंत्रालय ने बताया कि अबतक सैकड़ों भारतीय छात्र अलग-अलग मार्गों के जरिए वापस देश लौट आए हैं।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि ढाका में भारतीय उच्चायोग और चटगांव, राजशाही, सिलहट और खुलना में सहायक उच्चायोग बांग्लादेश में हाल ही में हुए घटनाक्रमों के बाद भारतीय नागरिकों की घर वापसी में सहायता कर रहे हैं। स्थानीय अधिकारियों की मदद से उच्चायोग और सहायक उच्चायोग भारतीय नागरिकों को भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कराने में मदद कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय हमारे नागरिकों के लिए एक सुगम मार्ग सुनिश्चित करने के लिए नागरिक उड्डयन, आव्रजन, भूमि बंदरगाहों और बीएसएफ अधिकारियों के साथ भी समन्वय कर रहा है।

मंत्रालय ने बताया कि अब तक 778 भारतीय छात्र विभिन्न भूमि बंदरगाहों के माध्यम से भारत लौट आए हैं।

इसके अलावा, लगभग 200 छात्र ढाका और चटगांव हवाई अड्डों के माध्यम से नियमित उड़ान सेवाओं से घर लौट आए हैं। ढाका में भारतीय उच्चायोग और हमारे सहायक उच्चायोग बांग्लादेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में रह रहे 4000 से अधिक छात्रों के साथ नियमित संपर्क में हैं और उन्हें जरूरी सहायता दी जा रही है। नेपाल और भूटान के छात्रों की भी भारत आने में मदद की जा रही है।

प्रदर्शनकारी छात्र मुख्य रूप से स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों के लिए आरक्षित नौकरियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी इस व्यवस्था को खत्म करने की मांग कर रहे हैं, उनका कहना है कि यह भेदभावपूर्ण है और प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी के समर्थकों के फायदे के लिए है। बता दें कि प्रधानमंत्री शेख हसीना बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीब उर रहमान की बेटी हैं, जिन्होंने बांग्लादेश मुक्ति संग्राम का नेतृत्व किया था। प्रदर्शनकारी चाहते हैं कि इसकी जगह योग्यता आधारित व्यवस्था लागू हो। विरोध प्रदर्शन के समन्वयक हसनत अब्दुल्ला ने कहा कि छात्र कक्षाओं में लौटना चाहते हैं, लेकिन वे ऐसा तभी करेंगे जब उनकी मांगें पूरी हो जाएंगी।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर दोबारा घोषित हुआ नीटयूजी का रिजल्ट

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर एनटीए ने नीट के अभ्यर्थियों का रिजल्ट दोबारा घोषित किया है। एनटीए ने 18 जुलाई को नीट मामले पर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान मिले निर्देशों के बाद आज नीट के उम्मीदवारों का रिजल्ट दोबारा घोषित किया है।

40 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए को नीट का रिजल्ट शहर और केंद्र वाइज फिर से जारी करने का निर्देश दिया था। इसके लिए शीर्ष न्यायालय ने केंद्र को आज, 20 जुलाई दोपहर तक का समय दिया था।

18 जुलाई को हुई सुनवाई में न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने एनटीए को छात्रों की पहचान की गोपनीयता बनाए रखते हुए परिणाम जारी करने का निर्देश दिया था। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा परीक्षा रद्द करने, पुनः परीक्षा कराने तथा कदाचार के आरोपों की न्यायालय की निगरानी में जांच कराने की मांग वाली याचिकाओं की समीक्षा के बाद 22 जुलाई को अपना अंतिम फैसला सुनाए जाने की उम्मीद है।

नीट मामले पर 18 जुलाई की सुनवाई से पहले केंद्र ने कहा था कि नीट यूजी काउंसलिंग की प्रक्रिया जुलाई के तीसरे सप्ताह में शुरू हो सकती है, जोकि 4 राउंड में आयोजित होगी। दूसरी ओर, मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (एमसीसी) ने हाल ही में सभी मेडिकल कॉलेजों से एक नोटिस जारी कर पोर्टल पर सीटों की पूरी जानकारी अपलोड करने के लिए कहा था। इसके लिए कॉलेजों को आज, 20 जुलाई तक का समय दिया गया है। कॉलेजों से सीटों का ब्यौरा मांगना भी इसी ओर इशारा करता है कि नीट यूजी काउंसलिंग जल्द शुरू हो सकती है।

विश्व धरोहर समिति के 46वें सत्र का उद्घाटन करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को यहां भारत मंडपम में विश्व धरोहर समिति के 46वें सत्र का उद्घाटन करेंगे और वहां उपस्थित जनसमूह को संबोधित भी करेंगे। यूनेस्को की महानिदेशक सुश्री ऑड्रे अज़ोले भी उद्घाटन समारोह में भाग लेंगी।

भारत पहली बार विश्व धरोहर समिति की बैठक की मेज़बानी कर रहा है। यह बैठक 21 से 31 जुलाई तक राजधानी के भारत मंडपम में आयोजित की जा रही है। विश्व धरोहर समिति की बैठक साल में एक बार होती है और यह विश्व धरोहर से संबंधित सभी मामलों के प्रबंधन और विश्व धरोहर सूची में शामिल किए जाने वाले स्थलों पर निर्णय लेने के लिए उत्तरदायी होती है। इस बैठक के दौरान विश्व धरोहर सूची में नए स्थलों को नामांकित करने के प्रस्ताव, 124 विद्यमान विश्व धरोहर संपत्तियों की संरक्षण रिपोर्ट की स्थिति, अंतर्राष्ट्रीय सहायता और विश्व धरोहर निधियों के उपयोग आदि पर चर्चा की जाएगी। इस बैठक में 150 से अधिक देशों के 2000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रतिनिधि भाग लेंगे। विश्व धरोहर समिति की बैठक के साथ-साथ विश्व धरोहर युवा पेशेवरों और विश्व धरोहर स्थल प्रबंधकों की फौरम का भी आयोजन किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त, भारत मंडपम में भारत की संस्कृति को प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न प्रदर्शनियां भी लगाई जाएंगी। 'रिटर्न ऑफ ट्रेजर्स 'प्रदर्शनी में देश में वापस लाई गई कुछ कलाकृतियों प्रदर्शन किया जायेगा। अब तक 350 से अधिक कलाकृतियां वापस लाई जा चुकी हैं। इसके अतिरिक्त, नवीनतम तकनीकों का उपयोग करके, भारत के 3 विश्व धरोहर स्थलों- रानी की वाव, पाटन, गुजरात, कैलासा मंदिर, एलोरा गुफाएं, महाराष्ट्र, और होयसला मंदिर, हलेबिड, कर्नाटक के बारे में एक भावपूर्ण प्रस्तुति की जायेगी। साथ ही, भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, सदियों पुरानी सभ्यता, भौगोलिक विविधता, पर्यटन स्थलों के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में आधुनिक विकास को रेखांकित करने के लिए एक 'अतुल्य भारत' प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

झारखंड में बीजेपी के चुनावी अभियान का अमित शाह ने किया शंखनाद, कहा-

राज्य में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी भाजपा

नरेंद्र मोदी ने दस साल में झारखंड और बिहार से नक्सलवाद को उखाड फेंका

रांची, 20 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को रांची में झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के अभियान का शंखनाद कर दिया। यहां प्रभात तारा मैदान में आयोजित भाजपा की विस्तृत कार्यसमिति की सभा में कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए उन्होंने राज्य की मौजूदा हेमंत सोरेन सरकार को उखाड़ फेंकने और भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का आह्वान किया।

अमित शाह ने कहा कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व में चल रही झामुमो-कांग्रेस-राजद की सरकार देश की सबसे भ्रष्ट सरकार है। भारतीय जनता पार्टी के नेता-कार्यकर्ता घर-घर जाकर इस सरकार के भ्रष्टाचार, घोटाले और वादाखिलाफी का दस्तावेज पहुंचाएंगे। इस सरकार में एक हजार करोड़ का मनरेगा घोटाला, एक हजार करोड़ का खनन घोटाला, 300 करोड़ का जमीन घोटाला हुआ। झारखंड में कांग्रेस के एक सांसद के घर से तीन सौ करोड़ रुपए और हेमंत सरकार के मंत्री के पीए के घर से 30 करोड़ मिले। यह जनता से लूटा गया और भ्रष्टाचार से इकट्ठा किया गया पैसा है। बेशर्मी की हद तो यह कि कांग्रेस जेल में बंद उस मंत्री को फिर टिकट देने जा रही है, जिसके पीए के घर से 30 करोड़ मिले।

केंद्रीय गृह मंत्री ने झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ के लिए राज्य के सीएम हेमंत सोरेन को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि वे खुद को आदिवासी सीएम बताते हैं, लेकिन आदिवासियों की चिंता करने के बदले लैंड और लव जिहाद के जरिए उनकी जमीन लूटने वाले घुसपैठियों को संरक्षण दे रहे हैं। झारखंड में आदिवासियों की संख्या लगातार घट रही है। घुसपैठिए आदिवासियों के हक पर डाका डाल रहे हैं। उनके बदले नौकरियां पा रहे हैं और हेमंत सोरेन सिर्फ अपना वोट बैंक बढ़ाने की फिक्र कर रहे हैं। उन्होंने वादा किया कि राज्य में भाजपा की सरकार बनते ही जनसंख्या के मामले में एक व्हाइट पेपर जारी किया जाएगा और सुनिश्चित किया जाएगा कि आदिवासियों को संरक्षण मिले। उनकी जनसंख्या कम न हो और उन्हें आरक्षण का वास्तविक लाभ मिले, यह सुनिश्चित किया जाएगा। अमित शाह ने कहा कि हेमंत सोरेन के लिए आदिवासी कल्याण का मतलब सिर्फ अपने परिवार का कल्याण करना है। यह भाजपा ही है, जिसने आदिवासी के बेटे बाबूलाल मरांडी को राज्य का पहला सीएम बनाया था। इतना ही नहीं, आदिवासी बहन द्रौपदी मुर्मू को देश के राष्ट्रपति के सर्वोच्च पद पर पहुंचाया। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने संताली को आठवीं अनुसूची में शामिल कराया था और पहली बार केंद्र में आदिवासी कल्याण मंत्रालय बनाया।

उन्होंने कहा कि आदिवासियों और दलितों के साथ पिछड़ों की किसी ने अब तक सबसे ज्यादा चिंता की तो वह नरेंद्र मोदी की सरकार है।

ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण हमारी सरकार ने सुनिश्चित किया। पिछड़ा वर्ग आयोग बनाया और नरेंद्र मोदी के कैबिनेट में 27 फीसदी पिछड़ों को जगह दी गई। ऐसा देश में आज तक किसी सरकार ने नहीं किया। अमित शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी की सरकार से पहले केंद्र में 10 साल कांग्रेस का राज था, लेकिन उसने झारखंड की लगातार उपेक्षा की। कांग्रेस के 10 साल के शासन में झारखंड को विकास योजनाओं के लिए सिर्फ 84 हजार करोड़ दिए, जबकि नरेंद्र मोदी की सरकार ने पिछले दस साल में इस राज्य के विकास के लिए 3 लाख 84 हजार करोड़ रुपए दिए। झारखंड को भाजपा ने बनाया और इसका विकास भी भाजपा ही करेगी। झारखंड हमेशा से नक्सलवाद से पीड़ित राज्य रहा, लेकिन नरेंद्र मोदी ने दस साल में झारखंड और बिहार को नक्सलवाद से मुक्त कर दिया।

जेल में जानबूझकर कम कैलोरी वाली डाइट ले रहे हैं अरविंद केजरीवाल : सक्सेना

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)।

दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने आरोप लगाया है कि न्यायिक हिरासत के तहत तिहाड़ जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल उन्हें दी जा रही भोजन की चिकित्सकीय खुराक और दवाएं संभवत: जानबूझकर नहीं ले रहे। उपराज्यपाल ने मुख्य सचिव नरेश कुमार को लिखे पत्र में केजरीवाल के स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में जेल अधीक्षक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री द्वारा ''जानबूझकर कम कैलोरी लिए जाने'' के कई उदाहरण हैं, जबकि उन्हें घर का बना खाना पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराया जा रहा है। इस मामले पर आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार ने तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

उपराज्यपाल कार्यालय ने कहा कि सक्सेना ने जेल प्राधिकारियों को सुझाव दिया है कि वे मुख्यमंत्री को निर्धारित आहार के अलावा दवा और इंसुलिन की तय खुराक लेने की सलाह दे सकते हैं, क्योंकि केजरीवाल टाइप-2 मधुमेह से पीड़ित हैं। आम आदमी पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसकी अगुवाई वाली केंद्र सरकार पर जेल में बंद केजरीवाल के स्वास्थ्य को स्थायी नुकसान पहुंचाने की साजिश रचने का आरोप लगाया है और दावा किया है कि आप प्रमुख का वजन कम हो गया है तथा उनके रक्त शर्करा स्तर में गिरावट आई है। पार्टी ने यह भी दावा किया कि केजरीवाल कोमा में भी जा सकते हैं और उनके मस्तिष्क को भी क्षति हो सकती है, क्योंकि उनका रक्त शर्करा स्तर एक रात में पांच बार 50 मिलीग्राम/डीएल तक गिर गया था।

उपराज्यपाल द्वारा मुख्य सचिव को लिखे गए पत्र के अनुसार, आहार निगरानी चार्ट से पता चलता है कि छह जून से 13 जुलाई के बीच मुख्यमंत्री ने दिन में तीन बार आहार के लिए निर्धारित पूरी खुराक का सेवन नहीं किया। पत्र में कहा गया है, रिपोर्ट में वजन में कमी (आत्मसमर्पण की तिथि दो जून, 2024 को वजन 63.5 किलोग्राम था लेकिन अब 61.5 किलोग्राम रह गया है) का भी संकेत मिलता है। प्रथम दृष्टया, इसका कारण कम कैलोरी सेवन प्रतीत होता है। इसमें कहा गया है कि ऐसा प्रतीत होता है कि 18 जून को उन्हें इंसुलिन नहीं दिया गया था या जेल प्राधिकारियों ने रिपोर्ट में इसका उल्लेख नहीं किया था।

उपराज्यपाल कार्यालय ने कहा कि अधिकतर दिनों में 'ग्लूकोमीटर' जांच की रीडिंग और लगातार ग्लूकोज निगरानी तंत्र (सीजीएमएस) की रीडिंग के बीच भी काफी अंतर हैं। उन्होंने कहा कि दोपहर के भोजन से पहले केजरीवाल की 'ग्लूकोमीटर रीडिंग' 104 एमजीएल थी, जबकि 19 जून को दोपहर साढ़े 12 बजे दोपहर के भोजन से पहले सीजीएमएस रीडिंग 82 एमजीएल थी। उसने कहा, ग्लूकोमीटर जांच रीडिंग और सीजीएमएस रीडिंग के बीच स्पष्ट अंतर को सक्षम चिकित्सा अधिकारियों द्वारा सत्यापित किए जाने की आवश्यकता है। उपराज्यपाल कार्यालय के अनुसार, मुख्यमंत्री ने छह जुलाई को तीनों समय निर्धारित आहार नहीं लिया और उन्हें नाश्ते से पहले पांच यूनिट इंसुलिन, दोपहर के भोजन से पहले चार यूनिट और रात के खाने से पहले दो यूनिट इंसुलिन दी गईं।

जेल रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा गया कि सात जुलाई को फिर से निर्धारित खुराक नहीं ली गई और उस दिन नाश्ते से पहले पांच यूनिट और दोपहर के भोजन से पहले चार यूनिट इंसुलिन दी गईं तथा मुख्यमंत्री ने रात के खाने से पहले इंसुलिन लेने ने इनकार कर दिया।

सीमा पर गश्त कर रहे एक बीएसएफ अधिकारी और एक जवान की गर्मी के कारण मौत

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)।

गुजरात में भारत-पाक सीमा पर गश्त के दौरान अत्यधिक गर्मी के कारण एक अधिकारी और एक जवान की मौत हो गई। दोनों जमीन पर गिर गए, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया लेकिन बचाया नहीं जा सका। गुजरात में अत्यधिक गर्मी के कारण पाकिस्तान सीमा पर तैनात एक बीएसएफ अधिकारी और एक जवान की मौत हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक, आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया कि गुजरात में भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर हरामी नाला क्षेत्र में अत्यधिक गर्मी के कारण गश्त के दौरान सीमा सुरक्षा बल के एक अधिकारी और एक जवान की जान चली गई।

सूत्रों ने बताया कि घटना शुक्रवार की है। एक सहायक कमांडेंट और एक हेड कांस्टेबल को हीट स्ट्रोक और निर्जलीकरण का सामना करना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप उनकी मृत्यु हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों जब जीरो लाइन गश्त पर ड्यूटी पर थे तो जमीन पर गिर पड़े। उन्होंने बताया कि जमीन पर गिरने के बाद दोनों बीएसएफ जवानों को भुज के एक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। इससे पहले मई महीने में राजस्थान में लू लगने से एक बीएसएफ जवान की मौत हो गई थी।

मई महीने में जैसलमेर में भारत-पाक सीमा पर गश्त के दौरान भीषण गर्मी के कारण एक बीएसएफ जवान की जान चली गई थी। इस युवक की मौत भी लू लगने से हुई है। जैसलमेर में जान गंवाने वाले जवान का नाम अजय कुमार था, जो बीएसएफ 173वीं वाहिनी का जवान था. वह पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले का रहने वाला था और भारत-पाकिस्तान सीमा पर भानु पोस्ट पर ड्यूटी पर था। इस बीच जैसलमेर में भीषण गर्मी पड़ रही थी और पारा 50 डिग्री के पार पहुंच गया था।

स्ट्रीट फूड विक्रेताओं के लिए पंजीकरण शुल्क माफ

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) को स्ट्रीट फूड विक्रेताओं के लिए पंजीकरण शुल्क माफ करने का निर्देश दिया। श्री नड्डा ने यहां एफएसएसएआई के 1,000 स्ट्रीट फूड विक्रेताओं के लिए आयोजित प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एफएसएसएआई को स्ट्रीट फूड विक्रेताओं के लिए 100 रुपये का पंजीकरण शुल्क माफ करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, विक्रेताओं को प्रोत्साहित करने और अधिक से अधिक पंजीकरण को बढ़ावा देने के लिए, एफएसएसएआई स्ट्रीट फूड विक्रेताओं के लिए 100 रुपये का पंजीकरण शुल्क माफ करेगा। इस अवसर पर उनके साथ केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल भी मौजूद थीं। श्री नड्डा ने कहा कि खाद्य सुरक्षा और प्रमाणन प्रशिक्षण में भाग लेने वाले सभी विक्रेताओं को स्ट्रीट सेफ रैपिड टेस्टिंग किट प्रदान की जानी चाहिए।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ जन अभियान-2024

मां के नाम पर पेड़ लगाया तो इसे बचाने की जिम्मेदारी भी हमारी: योगी

लखनऊ, 20 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर देशवासियों से एक पेड़ मां के नाम लगाने का आह्वान किया था। पर्यावरणविद् चिंतित हैं कि दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग जीव सृष्टि के लिए नया संकट खड़ा करने जा रहा है। यह संकट मनुष्य के स्वार्थ ने प्रदान किया है, इसलिए इसे नियंत्रित करने की जिम्मेदारी भी मनुष्य पर ही होनी चाहिए। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के संवैधानिक मुखिया के रूप में पीएम मोदी का यह आह्वान हर भारतवासी के लिए मंत्र बनना चाहिए। पांच जून के बाद से प्रदेश में लगातार पौधरोपण महाअभियान के साथ एक पेड़ मां के नाम लगाने का यह गौरव लगभग हर परिवार को प्राप्त होने जा रहा है। यूपी की कुल आबादी 25 करोड़ है, हम 36.50 करोड़ पौधरोपण कर रिकॉर्ड तोड़ने जा रहे हैं। ऐसे में यूपी में आज एक दिन के भीतर हर मातृशक्ति के नाम पर तीन पेड़ लगने जा रहे हैं। सुबह से अब तक लगभग 12 करोड़ पौधे रोपे जा चुके हैं। हमें पौधों को लगाना, बचाना और इसके जरिए पर्यावरण को संरक्षित करना है।

उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। वहीं सीएम के नेतृत्व में शनिवार को उत्तर प्रदेश में एक दिन (20 जुलाई) में 36.50 करोड़ पौधरोपण महाअभियान का शुभारंभ हुआ। सीएम योगी ने पीएम नरेंद्र मोदी के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम को समर्पित पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ जन अभियान-2024 के तहत पौधा लगाया।

सीएम योगी ने कहा कि गत वर्ष बड़े क्षेत्रफल में अक्टूबर में बाढ़ आई थी। बाढ़ का समय अगस्त से मध्य सितंबर तक रहता है। पहली बार जुलाई के प्रथम सप्ताह में ही बाढ़ की विभीषिका झेलने को मजबूर होना पड़ा। इससे यूपी के 24 जनपद, 20 लाख से अधिक की आबादी प्रभावित रही। नेपाल व उत्तराखंड की अतिवृष्टि के कारण यह बाढ़ के चपेट में आए। यह ग्लोबल वार्मिंग का दुष्प्रभाव है। इस बार मई-जून का महीना लंबे समय तक याद रहेगा। यहां का तापमान अमूमन 42-45 रहता था, लेकिन इस बार यह 47-50 तक पहुंचा। देखा। यह दुष्प्रभाव जल का संकट भी खड़ा करेगा। कहीं असमय बारिश तो कहीं सूखे का संकट होगा। इसके कारण होने वाले परिवर्तन से कई जगहों पर अकाल पड़ने की भी संभावना दिखेगी।

सीएम योगी ने कहा कि 2017 में यूपी में सरकार बनने के बाद पीएम के मार्गदर्शन व नेतृत्व में हमने पौधरोपण अभियान प्रारंभ किया। सात वर्ष में भाजपा नेतृत्व की सरकार ने 168 करोड़ पौधरोपण किया। प्रदेश के अंदर थर्ड पार्टी के जरिए इनका सर्वे कराया तो पता चला कि 75-80 फीसदी पेड़ अभी भी जीवित हैं और अच्छी वाटिका के रूप में स्थापित हैं। वैश्विक संस्थाएं भी इसे मान्यता दे रही हैं। कार्बन उत्सर्जन से पर्यावरण को क्षति हो रही है। उसके बचाव के लिए किसानों ने पेड़ लगाने के अभियान के साथ अपना पंजीकरण कराया।

वैश्विक संस्थाओं ने उनके कार्यों का निरीक्षण किया। ऐसे 10 किसानों को यहां कार्बन क्रेडिट के रूप में धनराशि उपलब्ध करवाने की व्यवस्था की गई। सरकार के प्रयास का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश सरकार को इसके लिए 200 करोड़ का अनुदान प्राप्त हो रहा है। कार्बन उत्सर्जन रोकने में इन पेड़ों ने भी बड़ी भूमिका निभाई। पांच वर्ष तक किसानों को लगातार यह धनराशि मिलेगी। पहले चरण में 25 हजार किसानों को इस सुविधा का लाभ प्रदान कर रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि लखनऊ सहित छह जिलों को मिलाकर आर्थिक प्रगति के नए मानक के रूप में स्थापित करने के अभियान के रूप में कल ही स्टेट कैपिटल रीजन का गठन किया गया है। विकास का लाभ लंबे समय तक लोगों को तब मिलेगा, जब भौतिक विकास के साथ उससे होने वाली पर्यावरणीय क्षति को न्यूनतम स्तर तक पहुंचाया जाएगा। सीएम योगी ने कहा कि शहरों के अंदर 2017 के पहले स्ट्रीट लाइट हैलोजन के रूप में जलती थी। इससे बिजली की खपत और कार्बन उत्सर्जन भी अधिक होता था। इसे बदलकर 16 लाख एलडीई स्ट्रीट लाइट लगाई तो बिजली की बचत हुई। इससे जो पैसा बचा, उसी से हर शहर के अंदर अच्छी दूधिया स्ट्रीट लगी। सिंगल यूज प्लास्टिक को बैन करना पर्यावरण व जीव जगत के लिए उत्तम प्रयास है।

सीएम योगी ने कहा कि 50 साल पहले कुकरैल नदी निकलते हुए गोमती मे मिलती थी। 1984 के बाद भूमाफिया ने अपने स्वार्थ के लिए इसे पाटना शुरू किया, जिससे यह नदी नाला में तब्दील हो गई और बस्तियों के ड्रेनेज को उड़ेलने का माध्यम बन गई। एक तरफ नदी को मारा गया तो दूसरी तरफ गोमती नदी को भी प्रदूषित किया गया। लखनऊ में आकर गोमती काली हो गई।

प्रदेश सरकार ने तय किया कि कुकरैल में नाइट सफारी बनाएंगे। सीएम ने कहा कि इस क्षेत्र के अतिक्रमण को हटाया गया। जिनकी रजिस्ट्री थी, प्रशासन की मदद से एलडीए ने 3100 परिवारों को एक-एक आवास देकर पुनर्वास किया। जिन भूमाफिया ने जमीन के धंधे से जुड़कर लोगों को ठगा, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराकर सुप्रीम कोर्ट तक लड़कर एलडीए ने इसे खाली करवाया।

सीएम योगी ने कहा कि पहले अकबरनगर के नाम पर यह प्रदूषण का माध्यम बना था, आज वहां श्रीराम के अनुज लक्ष्मण जी के नाम पर सौमित्र वन का गठन हुआ है। मैंने भी हरिशंकरी की वाटिका लगाई। इसके दूसरी ओर शक्ति वन बनने जा रहा है। यह भारत की नदी संस्कृति को बचाने का माध्यम बनेगा। एक पेड़ मां के नाम के साथ नई मजबूती प्रदान करने में यह हमारा मार्गदर्शन करेगा।

सीएम योगी ने कहा कि हर कोई आज इस अभियान के साथ जुड़ा है। राज्यपाल सीतापुर में इस अभियान को बढ़ा रही हैं। वन विभाग के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार के सभी विभाग इससे जुड़े हैं। हर जनपद, सभी मंत्री, सांसद, विधायक, महापौर, ब्लाक प्रमुख समेत जनप्रतिनिधि भी जुड़े हैं। प्रदेश में पौधों की कमी नहीं है। वन व उद्यान विभाग के पास 50 करोड़ और निजी नर्सरी में चार करोड़ पौधे हैं। सीएम ने विश्वास जताया कि सायंकाल होते-होते शुभ सूचना मिलेगी कि उत्तर प्रदेश ने अपने लक्ष्य को प्राप्त किया है। जब एक पेड़ मां के नाम पर लगा रहे हैं तो इसे बचाने की जिम्मेदारी भी हमारी है। पेड़ बचेगा तो पर्यावरण भी बचेगा। पर्यावरण बचेगा तो ग्लोबल वार्मिंग और हीट वेब की विभीषिका से बच पाएंगे। खतरे की घंटी बज चुकी है।

अखिलेश गए दिल्ली तो विधानसभा में कौन बनेगा नेता?

चाचा शिवपाल बनेंगे विपक्ष के नेता या फिर मलेंगे हाथ!

लखनऊ, 20 जुलाई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र 29 जुलाई से शुरू होने वाला है। ऐसे में समाजवादी पार्टी (सपा) को विधानसभा में विपक्ष के नेता पद को लेकर फैसला लेना है। अभी तक यह पद पूर्व सीएम अखिलेश यादव के पास था, लेकिन कन्नौज लोकसभा सीट जीतकर लोकसभा पहुंचे अखिलेश ने करहल सीट छोड़ दी है। ऐसे में अब सवाल यह है कि आखिर अखिलेश यादव की जगह कौन लेगा? अखिलेश अपने चाचा शिवपाल यादव को विधानसभा में विपक्ष के नेता का पद सौंपेंगे या फिर उन्हें दरकिनार कर किसी अन्य को वह पद सौंप देंगे? यह सवाल अभी चर्चा में है।

पार्टी का एक धड़ा जहां पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से एक शिवपाल सिंह यादव को यह जिम्मेदारी देने के पक्ष में है, वहीं रामगोपाल यादव के खेमे के लोग शिवपाल सिंह यादव को विपक्ष के नेता के तौर पर नहीं देखना चाहते। अखिलेश भी रामगोपाल की ही सलाह मानते हैं। ऐसे में शिवपाल का नेता विपक्ष बनना बहुत सारी गुत्थियों में फंसा है। एक लॉबी वह भी है जो हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव के नतीजों को देखते हुए पार्टी को किसी दलित चेहरे या गैर-यादव ओबीसी नेता को यह पद देने की सलाह दे रही है और माहौल बना रही है।

इस मुद्दे पर समाजवादी पार्टी के एक नेता ने कहा है कि हालांकि यह फैसला नेतृत्व पर निर्भर करता है, लेकिन पार्टी के भीतर मतभेद है क्योंकि कुछ लोगों को लगता है कि शिवपाल सिंह यादव, जो कार्यकर्ताओं से अच्छी तरह जुड़े हुए हैं, विधायकों को बेहतर तरीके से साथ लेकर चल सकते हैं। हाल के लोकसभा चुनावों को देखते हुए, ऐसा महसूस होता है कि पार्टी इंद्रजीत सरोज जैसे वरिष्ठ अनुसूचित जाति के नेता को जिम्मेदारी दे सकती है, इसके अलावा पार्टी राम अचल राजभर जैसे गैर-यादव ओबीसी नेता का नाम भी आगे बढ़ा सकती है।

इंद्रजीत सरोज और राजभर दोनों बीएसपी के विधायक रहे हैं। पार्टी का एक वर्ग चाहता है कि कोई स्थापित नाम इस पद पर आसीन हो। उनके नाम को आगे बढ़ाने के पीछे का उद्देश्य पार्टी के पीडीए के मुद्दे को आगे बढ़ाने के लिए एलअ-ोपी पद का उपयोग करना है। बता दें कि बीएसपी सुप्रीमो और पूर्व सीएम मायावती के भरोसेमंद रहे 61 वर्षीय इंद्रजीत सरोज 2017 में एसपी में शामिल हुए थे।

फिलहाल वे न सिर्फ मंझनपुर से विधायक हैं बल्कि पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव भी हैं। उनका पासी समुदाय पर अच्छा प्रभाव माना जाता है, जबकि खास बात यह ही कि यह भाजपा का एक बड़ा वोट बैंक हैं। सपा में कई लोग इस बदलाव का श्रेय कांग्रेस के साथ गठबंधन को देते हैं। कुछ लोग नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति को सपा के लिए बदले हुए जाति समीकरण को मजबूत करने और पार्टी में अनुसूचित जाति के नेताओं को महत्वपूर्ण भूमिका देने के अवसर के रूप में देखते हैं।

यूपी में दलितों की आबादी में पासी 16 प्रतिशत हैं, जो कि जाटवों के बाद राज्य में दूसरा सबसे बड़ा दलित समूह है। और राज्य में सबसे अधिक चुनावी रूप से प्रभावशाली समुदायों में से एक हैं। वे राज्य के अवध क्षेत्र में विशेष रूप से महत्व-पूर्ण भूमिका निभाते हैं। मिल्कीपुर के लिए विधानसभा उपचुनाव के मद्देनजर, पार्टी एक और पासी नेता को आगे करके अपने लाभ को मजबूत करने की उम्मीद कर रही है। अयोध्या जिले की मिल्कीपुर विधानसभा सीट अवधेश प्रसाद के लोकसभा जीतने के साथ खाली हो गई है।

बात राम अचल राजभर की करें तो वे कभी मायावती का करीबी माने जाते थे। 69 वर्षीय राजभर 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले सपा में शामिल हुए और वर्तमान में अकबरपुर से विधायक हैं। गैर-यादव ओबीसी समुदाय राजभर की पूर्वी यूपी के कुछ हिस्सों में अच्छी खासी मौजूदगी है। एनडीए के सहयोगी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) के प्रमुख ओम प्रकाश राजभर राज्य के दिग्गज राजभर नेताओं में से एक हैं।

सपा के एक नेता ने कहा कि पार्टी के अंदर यह भावना है कि बसपा से आए लोगों को अचानक बहुत अधिक महत्व दिया जा रहा है। जातिगत समीकरणों को अलग रखें तो माता प्रसाद पांडे जैसे कई दिग्गज नेता हैं। हालांकि उनकी उम्र काफी ज्यादा हो गई है और विधानसभा चुनाव के लिहाज से वे ज्यादा आक्रामक होने में असहज हो सकते हैं।

कौशाम्बी में भगवान बुद्ध की 51 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा स्थापित होगी

लखनऊ, 20 जुलाई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने और राज्य में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए योगी सरकार कई प्रकार के प्रयास कर रही है। एक ओर, काशी-अयोध्या समेत प्रदेश के विभिन्न पर्यटन केंद्रों में पर्यटक सुविधाओं में विकास किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर प्रदेश में बौद्ध सर्किट (बौद्ध तीर्थक्षेत्रों) के विकास व उन्हें नए टूरिस्ट अट्रैक्शन से पूर्ण करने की प्रक्रिया पर जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में, सीएम योगी के विजन अनुसार कौशाम्बी में भगवान बुद्ध की 51 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा को स्थापित करने के कार्य को गति दी जा रही है। उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग के अंतर्गत राज्य ललित कला अकादमी ने इस परिपेक्ष्य में शॉर्ट टर्म नोटिस के माध्यम से ई-टेंडर प्रक्रिया शुरू की है। इससे मूर्ति के निर्माण व स्थापना के लिए एजेंसी के निर्धारण व कार्यावंटन की प्रक्रिया पूरी होगी। निर्धारित एजेंसी द्वारा कार्यावंटन के बाद 7 महीने की समयावधि में मूर्ति स्थापना के कार्य को पूरा करना होगा। इसके लिए पहले 1 महीने में मूर्ति के प्रोटोटाइप का निर्माण किया जाएगा जिसको स्वीकृति मिलने के बाद मुख्य मूर्ति को 6 माह की समयावधि में पूर्ण कर स्थापित किया जाएगा।

कौशाम्बी में स्थापित की जाने वाली महात्मा बुद्ध की मूर्ति को हॉलो कास्ट पद्धति के जरिए पूरा किया जाएगा। खास बात ये है कि मूर्ति ब्रॉन्ज शीट्स को जोड़कर नहीं बनेगी बल्कि उसकी लॉस्ट वैक्स प्रोसेस के जरिए ढलाई की जाएगी। मूर्ति के लिए जिस कांस्य धातु का प्रयोग होगा उसमे 85 प्रतिशत कॉपर, 5 प्रतिशत लेड, 5 प्रतिशत टिन व 5 प्रतिशत जिंक का अलॉय के तौर पर प्रयोग किया जाएगा। इस दौरान मूर्ति में कांस्य का वजन 52 टन होगा जबकि 20 टन लोहे का भी इसकी स्थापना में उपयोग किया जाएगा। मूर्ति अंदर से हॉलो होगी जिसकी मेटल थिकनेस कास्टिंग 7 से 8 मिलीमीटर होगी। उल्लेखनीय है कि महात्मा गौतम बुद्ध ने कौशांबी में ही चार्तुमास व्यतीत करने के साथ लोगों को सत्य, अहिंसा का संदेश दिया था।

गुरु पूर्णिमा पर गोरक्षपीठ में श्रद्धालुओं का जमावड़ा

गुरु-शिष्य की श्रेष्ठतम परंपरा की गोरक्षपीठ

गोरखपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)।

एक दूसरे का गुरुत्व बढ़ाना गुरु-शिष्य की श्रेष्ठतम परंपरा है। गुरु का गुरुत्व, शिष्य की श्रद्धा में होता है। यह श्रद्धा गुरु के सशरीर रहने पर तो होती ही है, उनके ब्रह्मलीन होने पर भी शिष्य की श्रद्धा जस की तस रहती है। इसी तरह एक योग्य गुरु भी लगातार अपने शिष्य का गुरुत्व बढ़ाने का प्रयास करता है। इस मायने में गोरखपुर स्थित गोरक्षपीठ की तीन पीढ़ियां खुद में बेमिसाल हैं।

गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी हैं। अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ के प्रति उनकी श्रद्धा कितनी गहरी थी, इसके साक्षी पीठ से जुड़े लोग हैं। कम शब्दों में कहें तो अपने समय में ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ का आदेश उनके शिष्य योगी आदित्यनाथ के लिए वीटो-पावर जैसा था। आज भी पद के अनुरूप अपनी तमाम व्यस्तताओं में से समय निकालकर वह जब भी गोरखनाथ मंदिर पहुंचते हैं तो सबसे पहले अपने स्मृतिशेष गुरुदेव का ही आशीष लेते हैं। यह सिलसिला उनके मठ में रहने तक जारी रहता है। गुरु शिष्य का यही संबंध योगी जी के गुरुदेव और उनके गुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ में भी था।

हालांकि गोरक्षपीठ की परंपरा, लोगों को शिष्य बनाने की नहीं है। पर, उत्तर भारत की प्रमुख व प्रभावी पीठ और अपने व्यापक सामाजिक सरोकारों के नाते इस पीठ के प्रति लाखों-करोड़ों लोगों की स्वाभाविक सी श्रद्धा है। गोरखपुर या यूं कह लें कि पूर्वांचल की तो यह अध्यक्षीय पीठ है। पीठ का हर निर्णय अमूमन हर किसी को स्वीकार्य होता है। खासकर पर्व और त्यौहारों के मामले में।

समय-समय पर पीठ के प्रति यह श्रद्धा दिखती भी है। मकर संक्रांति से शुरू होकर करीब एक माह तक चलने वाला खिचड़ी मेला इसका सबसे बड़ा प्रमाण है। इस दौरान नेपाल, बिहार से लगायत देश भर के लाखों श्रद्धालु गुरु गोरखनाथ को, मौसम की परवाह किए बिना अपनी श्रद्धा निवेदित करने आते हैं। कुछ मन्नत पूरी होने पर आते हैं, कुछ नई मन्नत मांगने भी।

गुरु पूर्णिमा के दिन भी जो भी पीठाधीश्वर रहता है, उसके प्रति श्रद्धा निवेदित करने बड़ी संख्या में लोग आते हैं। इसी तरह हर सितंबर में साप्ताहिक पुण्यतिथि समारोह के दौरान अपने गुरुओं को पीठ याद करती है। उनके कृतित्व, व्यक्तित्व, सामाजिक सरोकारों, देश के ज्वलंत मुद्दों पर अलग-अलग दिन संत और विद्वत समाज के लोग चर्चा करते हैं। यह एक तरीके से गुरुजनों को याद करने के साथ उनके संकल्पों को पूरा करने की भी प्रतिबद्धता होती है।

गुरु पूर्णिमा पर गुरु पूजन करेंगे गोरक्षपीठाधीश्वर

गोरखपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को गुरु गोरक्षनाथ का विशिष्ट पूजन कर नाथपंथ के गुरुजन के प्रति श्रद्धा निवेदित करेंगे। इस पर्व पर शिवावतार गुरु गोरक्षनाथ को रोट अर्पित करने की भी परंपरा है। आनुष्ठानिक कार्यक्रमों को पूर्ण करने के बाद गोरक्षपीठाधीश्वर अपने शिष्यों को आशीर्वाद प्रदान करेंगे। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर गोरखनाथ मंदिर में चल रहे श्रीरामकथा की पूर्णाहुति भी होगी। गोरखनाथ मंदिर में गुरु पूर्णिमा के दिन रविवार को गोरखनाथ मंदिर में गुरु पूजन का सिलसिला तड़के से ही शुरू हो जाएगा। गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ सुबह सबसे पहले गुरु गोरक्षनाथ की पूरे विधि विधान से पूजा करेंगे। इसके बाद नाथपंथ के सभी योगियों की समाधि स्थल और देवी देवताओं के मंदिर में विशेष पूजन का कार्यक्रम होगा। पूजा के अंत के सामूहिक आरती होगी। गुरु पूजन के बाद गोरक्षपीठाधीश्वर अपने शिष्यों के बीच आएंगे। बारी-बारी से शिष्य, गोरक्षपीठाधीश्वर तक पहुंचेंगे और तिलक लगाकर उनका आशीर्वाद ग्रहण करेंगे। गोरक्षपीठ में गुरु पूर्णिमा वह अवसर होता है जब नाथ योगी व्यावहारिक और सैद्धांतिक दोनों ही रूप में लोगों के सामने गुरु परंपरा के सम्मान की मिसाल प्रस्तुत करते हैं। नाथपंथ गुरु-शिष्य परंपरा का पर्याय रहा है। इस पंथ के योगियों ने गुरु भक्ति और गुरु-शिष्य में योग परंपरा के स्थानांतरण की सनातन संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखा है। गोरखनाथ मंदिर में गुरु पूर्णिमा पर होने वाला आयोजन इसी प्रयास की महत्व-पूर्ण कड़ी होता है। यह आयोजन महज एक कार्यक्रम नहीं है बल्कि संदेश है, गुरु के प्रति सम्मान को कायम रखने का।

ब्रज के संतों ने किया योगी-धामी के फैसले का समर्थन

दुकानों के आगे नाम लिखने का आदेश सही

साथ में आधार कार्ड की फोटो भी लगाने की मांग

मथुरा, 20 जुलाई (एजेंसियां)।

वृंदावन के रमणरेती स्थित हनुमान टेकरी आश्रम में शुक्रवार को हनुमान टेकरी के अधिकारी महंत दशरथ दास महाराज की अध्यक्षता में एक धर्म सभा का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पुष्कर सिंह धामी द्वारा पूरे उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में सभी दुकानों, होटल-ढाबों, ठेलियों एवं कार्यस्थलों पर दुकान का नाम और दुकान के मालिक का नाम अनिवार्य रूप से लिखने के आदेश का स्वागत किया गया।

धर्म रक्षा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरभ गौड़ ने कहा कि उत्तर प्रदेश की तरह पूरे भारत में फल-सब्जी की दुकानों पर होटल-ढाबों, भोजनालयों एवं व्यापारिक स्थलों पर दुकान का पूरा नाम एवं मालिक का नाम अनिवार्य रूप से लिखने का नियम लागू होना चाहिए। उन्होंने कहा कि संपूर्ण उत्तर प्रदेश में घनश्याम हो या इमरान सबको लिखना होगा नाम। हनुमान टेकरी के अधिकारी महंत दशरथ दास महाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री का नाम लिखने वाला निर्णय स्वागत योग्य है। स्वामी सत्यमित्रानंद महाराज ने कहा कि दुकानों पर सिर्फ नाम लिखने से काम नहीं चलेगा, बल्कि साथ में दुकान मालिक का आधार कार्ड भी लगाया जाना चाहिए। धर्म रक्षा संघ के मार्गदर्शक महंत मोहिनी बिहारी शरण, स्वामी डॉ. आदित्यानंद महाराज, महंत देवानंद परमहंस, महंत शिव बालक दास, राष्ट्रीय महामंत्री श्रीदास प्रजापति, सुशैन आनंद, महंत मोहनदास, महंत नरसिंह दास, महंत कृष्णदास आदि उपस्थित रहे।

ऐतिहासिक महत्व- भव्य स्मारक, लद्दाख में एक नई दुनिया का अनुभव करें

कश्मीर के बर्फीले पहाड़ों की मेरी यात्रा एक अविस्मरणीय अनुभव थी

– कैलाश नागेश

कश्मीर के बर्फीले पहाड़ों की मेरी यात्रा ने मुझे अविस्मरणीय अनुभव दिए। मैं एक पेशेवर हूं जो हमेशा सांस की तकलीफ के दबाव में काम करता है। साढ़े तीन दशकों में मैं देश के लगभग 75 प्रतिशत पर्यटन स्थलों का भ्रमण कर चुका हूं। विविधता में एकता का दावा करने वाले हमारे देश में अलग-अलग संस्कृतियां हैं। मुझे नये लोगों से मिलना, उनके रीति-रिवाज सीखना अच्छा लगता है। हमारी विभिन्न संस्कृतियों और उनकी विशिष्टताओं के बारे में सीखने का आनंद लेना मेरी आदत बन गई है। मेरा पसंदीदा काम ऐतिहासिक भव्यता वाली इमारतों को देखना और उनके ऐतिहासिक महत्व पर शोध करना है। इसके अलावा, मैं उन क्षेत्रों में प्राचीन मंदिरों का दौरा करूंगा। मैं मन्दिर का इतिहास जानकर पूजा करूंगा और पवित्र हो जाऊंगा। वहां के लोगों से बात करते हुए उनकी बातों में अपने क्षेत्र की महानता को सुनना एक अनोखा एहसास देता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात जो मैं कहना चाहता हूं वह यह है कि भारत में हर क्षेत्र में एक अलग प्रकार की जलवायु है। उन स्थानों की प्राकृतिक सुंदरता आंखों को आनंदित करती है और मन को बहुत खुशी देती है। मेरी यात्राओं का मुख्य उद्देश्य ऐसी प्रकृति में डूबना और आनंद लेना है। पहले मैंने उत्तर भारत में केवल जम्मू-कश्मीर तक की यात्रा की थी। लेकिन अब जो चीज मुझे खुश करती है वह है अपने बहनोई मनोहर राव के कहने पर लद्दाख आना। लेकिन वहां मुझे कई अजीब अनुभव हुए। मुझे संदेह था कि जब तक मैं इस

यात्रा पर था तब तक मैं भारत में था या नहीं। क्योंकि वहां बहुत कम लोग और बस्तियां हैं। हम जिस भी क्षेत्र से होकर गुजरते हैं, वहां हमें 24 घंटे देश की रक्षा करते सैनिक ही नजर आते हैं। देश का तटीय क्षेत्र होने के कारण यह सेना के लिए उपयुक्त है। नरेंद्र मोदी सरकार ने सीमा सड़क संगठन के माध्यम से सड़क बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों की शुरुआत की है और कार्यकर्ता व्यापक और तेजी से विकास के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। इसीलिए, उस सड़क की वजह से मैंने हमेशा मोटरबाइकों पर युवाओं को देखा, साहसिक यात्रा पर निकले दस-बीस युवाओं के समूह, सेना के साथ सीमा सड़क संगठन के कार्यकर्ताओं को। उनसे बातें करते हुए सफर ऐसे ही चलता रहा। हालांकि वहां बस्तियां हैं, बीस-तीस से ज्यादा घर नजर नहीं आते। जिला मुख्यालय जैसे इलाकों में भी लोग काफी कम दिखे। अगर मैं यहां यात्रा कर रहा हूं तो मुझे भ्रम है कि मैं भारत में यात्रा कर रहा हूं या चीन में। यदि आप कहें क्यों बौद्ध धर्म वहां सबसे अधिक प्रचलित है। हालांकि कुछ मंदिर हैं जिनका प्रबंधन बौद्धों द्वारा किया जाता है। कालिका माता मंदिर में हिंदुओं के दर्शन होने थे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। लद्दाख के लोग बहुत भाग्यशाली हैं। वे बहुत स्वस्थ लग रहे थे, क्योंकि वे प्रकृति से प्राकृतिक तौर पर मिलने वाला भोजन ही लेते हैं। कोई वायु प्रदूषण नहीं है। लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण बात है ऑक्सीजन का प्रतिशत बहुत कम है। कहा जा सकता है कि हम जैसे पर्यटकों के लिए वहां जाना थोड़ा मुश्किल है। लेपा में उतरने के बाद ऑक्सीजन सिलेंडर किराए पर लिया गया और सांस दी गई। कार में सफर करते वक्त भी ऑक्सीजन का इस्तेमाल करना चाहिए। स्थानीय लोगों को वहां के मौसम की आदत हो गई है। वे सिर्फ हवा में सांस ले रहे हैं और जीवित हैं। अस्सी-नब्बे साल के बूढ़े भी स्वस्थ हैं।

मेरी लद्दाख (कश्मीर) यात्रा इसी तरह जारी रही। पहले दिन

हमारे समूह ने दिल्ली से लेपा तक हवाई यात्रा की और विमान से हिमालय की सुंदरता ने हमें अपनी पलकें बंद नहीं करने दीं। दोपहर को लेपा हवाई अड्डे पर उतरने के बाद ठंडी हवाओं ने मेरा दम घोंट दिया। जैसे ही हम समुद्र तल से लगभग ग्यारह हजार फीट की ऊंचाई पर पहुंचे, हमें अचानक वहां के ठंडे मौसम से निपटने में कुछ कठिनाई होने लगी। लेपा- भारत का एक केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख। यह हिमालय के बीच का पठार है। लेपा यहां का मुख्य शहर है। दोपहर का भोजन करने में देर हो चुकी थी। हम लेपा के पर्यटन स्थलों पर घूमने के लिए निकल पड़े। सबसे पहले हमने शांति स्तूप देखा। यह उत्तरी भारत के लद्दाख के लेपा जिले में चांसपा पहाड़ी पर एक सफेद गुंबद वाला बौद्ध स्तूप (चोरटेन) है। धार्मिक महत्व के अलावा यह एक पर्यटक आकर्षण भी है। आसपास के परिदृश्य के मनोरम दृश्य हमें मंत्रमुग्ध कर देते हैं। खूबसूरती का आनंद लेने के बाद हम वहां

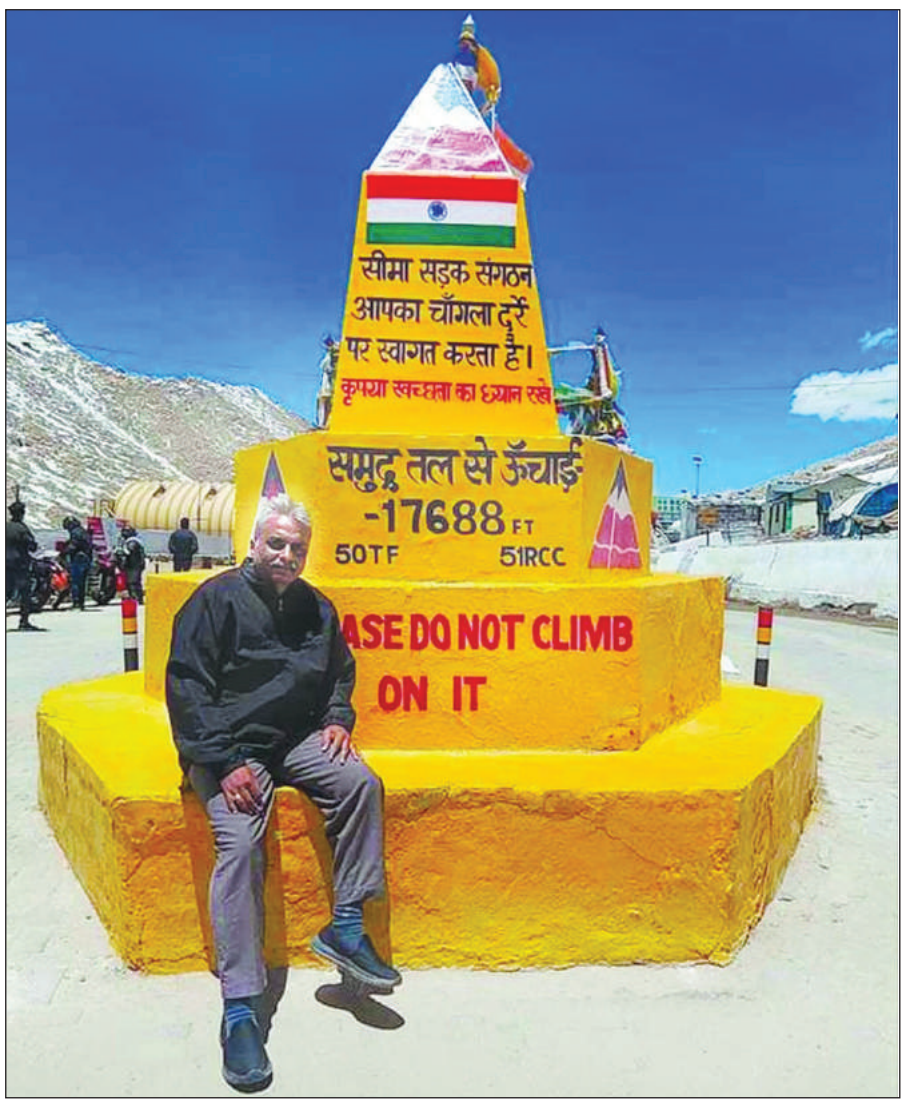

से निकले और लेपा पैलेस पहुंचे। लेकिन इसे लेपा पैलेस और लाचेन पालकर पैलेस के नाम से भी जाना जाता है। यह भारत के लद्दाख में लेपा शहर की ओर देखने वाला एक पूर्व महल है। अगले दिन हमारा दौरा हॉल ऑफ फेम से शुरू हुआ। हॉल ऑफ फेम भारतीय सेना द्वारा उन बहादुर भारतीय सैनिकों की याद में बनाया गया एक संग्रहालय है जिन्होंने भारत-पाक युद्धों के दौरान मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। हॉल ऑफ फेम संग्रहालय लेपा शहर से 4 किमी दूर लेपा-कारगिल रोड पर स्थित है। यह हमारे देश की सुरक्षा के लिए हमारे सैनिकों द्वारा किए गए महान बलिदानों की याद दिलाता है। वहां से हम मैग्नेटिक हिल पहुंचे।

समुद्र तल से 18,390 फीट की ऊंचाई पर, कार्दुंगला दर्रा दुनिया की सबसे ऊंची मोटर योग्य सड़क है। वहां से वह लेपा शहर लौटे और सीधे एसएनएम अस्पताल में डॉक्टरों से दोबारा ऑक्सीजन उपचार लिया और ठीक हो गए। रात्रि विश्राम हॉस्टल में करने के बाद हम अगली सुबह लेपा से निकले और सामान्य स्थिति में दिल्ली पहुंचे। हम जिन स्थानों पर गए और वहां के लुभावने परिदृश्य आज भी हमारी आंखों के सामने घूम रहे हैं। ऐतिहासिक महत्व, आश्चर्यजनक स्मारकों और मंदिरों के साथ, लद्दाख उन लोगों को अवश्य जाना चाहिए जो यात्रा का आनंद लेते हैं। पूरे देश की यात्रा का अनुभव एक जैसा हो तो लद्दाख एक और नई दुनिया में जाने का अहसास साझा करता है। इस प्रकार मेरी यात्रा बड़े आनन्द से चलती रही।

खून का रंग लाल होता है, क्यों?

हीमोग्लोबिन के कारण खून का रंग लाल होता है। रेड ब्लड सेल्स में हीमोग्लोबिन होता है, आयरन इसका मुख्य घटक है। आयरन ब्लड में ऑक्सीजन होल्ड करने में मदद करता है और जब आयरन और ऑक्सीजन मिक्स हो जाते हैं, तो हिमोग्लोबिन का रंग लाल हो जाता है।

- हमारे शरीर में करीब 5 से 6 लीटर ब्लड होता है, जो एक मिनट में तीन बार पूरे शरीर में सर्कुलेट होता है। यानी एक दिन में ब्लड 19,000 किमी. ट्रैवल करता है।
- रेड ब्लड सेल्स हीमोग्लोबिन के माध्यम से शरीर के विभिन्न हिस्सों को ऑक्सीजन पहुंचाते हैं।
- रेड ब्लड सेल्स या हीमोग्लोबिन की मात्रा में कमी आने से शरीर की कोशिकाओं को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती है, जिसके कारण एनीमिया (खून की कमी) रोग हो जाता है।

रेड ब्लड सेल्स

- रेड ब्लड सेल्स का जीवनकाल 120 दिन का होता है।
- करीब 80 लाख ब्लड सेल्स हर सेकंड मरते हैं और करीब इतने ही नए बनते हैं।
- एक रेड ब्लड सेल को पूरे शरीर का चक्कर लगाने में 20 से 60 सेकंड लगते हैं।

इसलिए है जरूरी

- ब्लड शरीर के तापमान को एक सा बनाए रखता है।
- खून शरीर के विभिन्न भागों से अपशिष्ट पदार्थों को इकट्ठा करके किडनी तक पहुंचाता है।
- पचे हुए भोजन को खून शरीर के विभिन्न भागों की कोशिकाओं में पहुंचाता है।
- ऑक्सीजन को फेफड़ों से शरीर के विभिन्न अंगों की कोशिकाओं में पहुंचानता है।

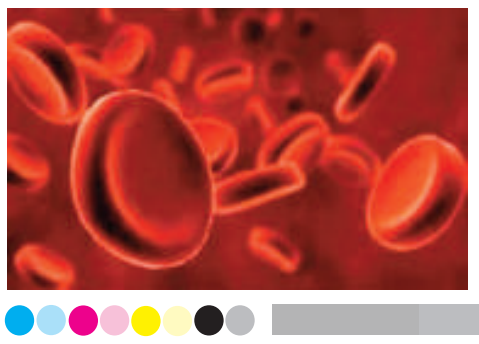

पौधे...जो खाते हैं मांस

हमें भोजन देने वाले पेड़-पौधे खुद को जिंदा रखने के लिए कीट-पतंगे भी खाते हैं, यह सुनने में अजीब लगता है, पर सच है। कीट-पतंगे खाने वाले करीब 600 विभिन्न तरह के प्लांट्स दुनियाभर में पाए जाते हैं...

प्लांट्स अपना भोजन खुद तैयार कर सकते हैं। भोजन के लिए जरूरी सारी चीजें उन्हें सूर्य की रोशनी, हवा, पानी और मिट्टी से मिल जाती हैं। यहां तक कि मांसाहारी पौधे भी दूसरे प्लांट्स की तरह खुद भोजन तैयार करते हैं। दरअसल, दलदली जमीन या पानी के नजदीक उगने वाले कुछ पौधों को जरूरी मात्रा में नाइट्रोजन नहीं मिल पाता है जिस कारण ये कीट-पतंगे खाकर इस कमी को पूरा करते हैं।

इस तरह करते हैं शिकार

ये प्लांट्स कीट-पतंगों को पकड़ने के लिए जानवरों की तरह दौड़ तो नहीं सकते और न ही इनके हाथ या दांत होते हैं। ये कीट-पतंगों को पकड़ने के लिए कई तरह के रूप धरते हैं। ये प्लांट्स देखने में बेहद सुंदर होते हैं। इनकी खूबसूरती से आकर्षित होकर कीट इनके पास आते हैं और इनका शिकार बन जाते हैं।

इन प्लांट्स की पत्तियां भी बड़ी अजीब-सी होती हैं। ये वास्तव में इन प्लांट्स के छोटे पेट की तरह होती हैं। जब ये पत्तियां कीट-पतंगों को फंसाती हैं, तो ये पाचक रस छोड़ती हैं। यह रस पहले कीटों का दम घोटता है और फिर धीरे-धीरे उनका शरीर डिजॉल्व करता है। कीट के शरीर में से प्लांट नाइट्रोजन, नमक और दूसरे मिनरल्स अब्जॉर्ब कर लेता है, जो इसके विकास के लिए जरूरी होते हैं।

नेपिन्थिस

यह प्लांट भारत में असम की खासी और गारो पहाड़ियों पर पाया जाता है। इसकी पत्तियों के सिरे सुराही जैसे आकार के होते हैं। ये पत्ते कीटों के लिए फंदे का काम करते हैं और उन्हें फंसा लेते हैं। यह अद्‌भुत सुराही डेढ़ से आठ इंच तक लंबी होती है। देखने में बहुत सुंदर लगने वाली इस सुराही के किनारों पर सब ओर शहद की थैलियां एक कतार में होती हैं। कीट-पतंगे सुराही के रंग से आकर्षित होकर शहद के लालच में अपनी जान गंवा बैठते हैं। सुराही की दीवार चिकनी होने के कारण ये रेंगकर बाहर भी निकल नहीं पाते। इसके तल में रस रहता है जो इन्हें जल्दी ही पचा जाता है और पचे हुए भाग को इसकी दीवारें सोख लेती हैं।

सेरोसेनिया

इस प्लांट में तुरही की शक्ल की थैलीनुमा पत्तियां जमीन पर एक झुंड में सजी रहती हैं। आकर्षक रंग की ये पत्तियां अपने मुंह पर कुछ ग्रंथियां लिए रहती हैं, जिनमें शहद होता है। कीट-पतंगे इसके रंग और शहद से आकर्षित होकर थैली के भीतर चले जाते हैं और फिर तुरही के मुंह के भीतर लगे कांटों के कारण बाहर नहीं निकल पाते।

ड्रोसैरा

यह एक बहुत सुंदर कीट-भक्षी पौधा है, जो शिमला, मसूरी और नैनीताल जैसे ठंडे इलाकों में उगता है। इसकी गोलाकार पत्तियों के किनारे लाल रंग के तीखे बाल होते हैं, जिनसे एक चिपचिपा रस निकलता रहता है। ड्रोसैरा प्लांट से निकला यह रस धूप की रोशनी में ओस की तरह चमकता है। नन्हे कीट-पतंगों को यही रस चिपका लेता है और फिर घुंडियां मुड़कर चारों ओर से उसे घेर लेती हैं।

कोबरा प्लांट्स

इसे कैलिफोर्निया पिचर प्लांट के नाम से भी जाना जाता है। यह आमतौर पर कैलिफोर्निया के कुछ हिस्सों में पाया जाता है। कोबरा प्लांट अन्य मांसाहारी पौधों से थोड़ा भिन्न है। इसमें पाचक ग्रंथियां नहीं होतीं, बल्कि एक छोटा-सा छेद होता है, जहां से बिना पचा भोजन बाहर निकल जाता है।

सैनड्यूस

सैनड्यूस आमतौर पर दलदली जमीन में उगता है और खूबसूरत रंगों के कारण देखने में इंद्रधनुषी पौधे जैसा लगता है। इसके पत्तों के सिरों पर चिपचिपा और मीठा लिक्विड होता है, जो कीट-पतंगों को आकर्षित करता है। प्लांट अपने टैंटेकल्स में कीटों को जकड़ लेते हैं और 15 मिनट के भीतर ही उसे मार डालते हैं।

डायोनिया

डायोनिया में कीट-पतंगों को पकड़ने वाला फंदा जमीन पर सजी पत्तियां होती हैं। इसका शिकार करने का तरीका भी ड्रोसैरा की तरह ही होता है। यह प्लांट अमेरिका के कई हिस्सों में पाया जाता है। इसे अपना शिकार पचाने में करीब एक हफ्ता लग जाता है।

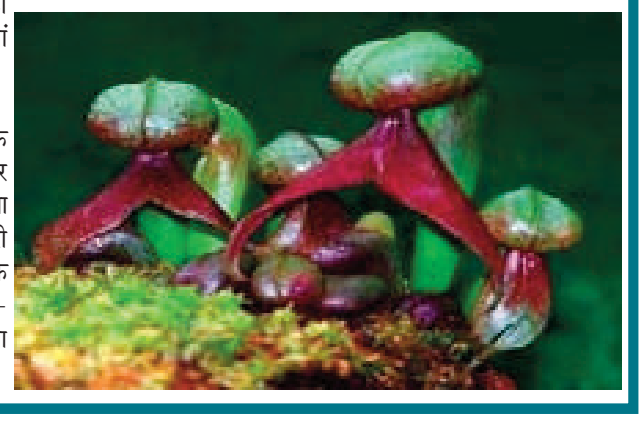

कितना है ज्ञान?

1. हिटलर की राजनैतिक पार्टी जो 1933 से सत्ता में आई, का नाम क्या था?
2. भारत में सैटेलाइट लॉन्चिंग स्टेशन कहां पर स्थित है?
3. आंनदमठ किसने लिखी है?
4. पहली भारतीय महिला कौन थी जिसने मिस वर्ल्ड का खिताब जीता था?
5. 2012 में हुए एफ-1 ग्रां पी का विजेता कौन बना?
6. बॉल पॉइंट पेन का आविष्कार किसने किया था?
7. 2012 में तमिलनाडू और आंध्र प्रदेश में आए तूफान का क्या नाम है?
8. रूस में आजादी का जश्न किस दिन मनाया जाता है?
9. थॉमस कप किस खेल से जुड़ा है?
10. मोहिनीअट्टम नृत्य किस प्रदेश से सम्बंध रखता है?

उत्तर- 1. नाजी पार्टी 2. श्रीहरिकोटा, आंध्र प्रदेश 3. बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय 4. रीता फारिया 5. सेबेस्टियन वैटल 6. लास्लो और जॉर्ज बीरो (Laszlo and George Biro) 7. नीलम 8. 12 जून 9. बैडमिन्टन 10. केरल

चीन में हाइवे पर बना पुल गिरा, 11 लोगों की मौत, 30 घायल, राहत बचाव अभियान जारी

बीजिंग , 20 जुलई (एजेंसियां) ।

चीन के कई हिस्सों में इनदिनों भारी बारिश हो रही है। इस बीच शनिवार सुबह एक नेशनल हाइवे पर एक पुल ढह गया। जिससे 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 लोग घायल हो गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हादसा शनिवार सुबह उत्तर पश्चिमी चीन के शानक्सी प्रांत में हुआ। जहां एक राजमार्ग पर बना एक पुल आंशिक रूप से ढह गया। जिसकी चपेट में आने से 11 लोगों की मौत हो गई और 30 लोग घायल हो गए। हादसे के बाद बचाव अभियान चलाना शुरू किया जो अभी भी जारी है। प्रांतीय प्रचार विभाग ने बताया कि शांग्लुओ शहर के झाशुई काउंटी में स्थित पुल अचानक भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ के कारण शुक्रवार रात ढह गया।

हादसे के बाद 30 लोग अभी भी लापता

चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी के अनुसार, शनिवार सुबह 10 बजे तक बचाव दल ने नदी में गिरे पांच वाहनों को बरामद कर लिया। बचाव कार्य जारी है। चैनल न्यूज़ एशिया (सीएनए) ने राज्य टेलीविजन का हवाला देते हुए बताया कि पुल ढहने के कारण 30 से अधिक लोग लापता हैं।

मंगलवार से जारी है भारी बारिश

बता दें कि मंगलवार से उत्तरी और मध्य चीन के बड़े हिस्से भारी बारिश हो रही है। जिससे बाढ़ आई गई है। बाढ़ ने इलाके में काफी नुकसान किया है। इससे पहले शुक्रवार को, राज्य मीडिया ने बताया कि शानक्सी के बाओजी शहर में बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन के बाद कम से कम पांच लोगों की मौत हुई और आठ लोग लापता हैं। सीएनए ने बताया कि कथित तौर पर, चीन में भीषण गर्मी पड़ रही है, पूर्व और दक्षिण में भारी बारिश हो रही है, जबकि उत्तर का ज्यादातर हिस्सा लगातार गर्मी की लहरों से झुलस रहा है।

इस महीने की शुरुआत में, पूर्वी चीन में लगभग सवा लाख लोगों को निकाला गया था क्योंकि देश के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हुई थी और यांग्त्ज़ी और अन्य नदियां उफान पर थीं। सिन्हुआ के मुताबिक, तूफान ने अनहुई प्रांत में 991,000 निवासियों को प्रभावित किया है, जबकि 242,000 लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थान पर भेजा गया है।

न्यूज ब्रीफ

हैती के तट पर नाव में आग लगने से 40 की मौत

जिनेवा । उत्तरी हैती के तट पर एक नाव में आग लगने से लगभग 40 प्रवासियों की मौत हो गई है और कई अन्य घायल हो गए। हैती के राष्ट्रीय प्रवासन कार्यालय के अनुसार दो दिन पहले 80 से अधिक लोगों को लेकर नाव लेबडी से रवाना हुई थी, जो तुर्क और कैकोस द्वीप समूह की 250 किलोमीटर की यात्रा थी। एक समाचार एजेंसी ने कहा कि उत्तरी हैती में कैप हैतियन के तट पर उस नाव में आग लगने से कम से कम 40 प्रवासियों की मौत हो गई है और कई अन्य घायल हो गए हैं। प्रवक्ता ने बताया कि हैती के तट रक्षक बल ने 41 लोगों को बचाया और उन्हें अधिकारियों के सहयोग से आईओएम द्वारा चिकित्सा देखभाल, भोजन, पानी और मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान की जा रही है। ग्यारह लोगों को उपचार के लिए पास के अस्पताल ले जाया गया। हैती में आईओएम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह घटना प्रवास के लिए सुरक्षित मार्गों की जरूरत को दर्शाती है। आईओएम के अनुसार इस वर्ष पड़ोसी देशों द्वारा 86,000 से अधिक प्रवासियों को जबरन हैती वापस भेजा गया है।

पीएम मोदी की लोकप्रियता पर एलन मस्क ने दी बधाई

न्यूयॉर्क। पीएम नरेंद्र मोदी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 10 करोड़ फॉलोअर पूरे होने पर टेस्ला के मालिक एलन मस्क ने उन्हे बधाई दी है। मस्क ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दुनिया में सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले नेता बनने पर बधाई। बता दें कि अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक्स अकाउंट पर 10 करोड़ से अधिक फॉलोअर हो गए हैं। इसके बाद उनकी इस पोस्ट पर लोगों ने भी रिएक्ट किया। लोगों ने मस्क की पोस्ट के नीचे कमेंट में प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी। एक दो यूजर ने तो प्रधानमंत्री की एक्स प्रोफाइल का स्क्रीनशॉट भी साझा किया है। कुछ ने इसे इंडिया गठबंधन से जोड़ते हुए तंज कसा। एक्स पर 10 करोड़ फॉलोअर होने पर प्रधानमंत्री ने एक पोस्ट में कहा था कि एक्स पर 10 करोड़ फॉलोअर। इस जीवंत माध्यम पर आकर और चर्चा, बहस, अंतर्दृष्टि, लोगों के आशीर्वाद, रचनात्मक आलोचना तथा बहुत कुछ का हिस्सा बनकर खुश हूं। भविष्य में भी इसी प्रकार से लोगों से जुड़े रहने को उत्सुक हूं।

जापान में कोरोना ने मचाया कोहराम अस्पतालों में लगा मरीजों का तांता

टोक्यो । जापान में एक बार फिर कोरोना के बढ़ते केस ने लोगों को डरा दिया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि जापान एक नए और अत्याधिक संक्रामक कोरोनावायरस वैरिएंट से जूझ रहा है। जो देश में कोविड-19 संक्रमण की 11वीं लहर को हवा दे रहा है। जापान संक्रामक रोग एसोसिएशन के अध्यक्ष काजुहिरो टेटेडा के अनुसार जापान में कपी 3 वैरिएंट तेजी से फैल रहा है। यहां तक कि उन लोगों में भी जो वैक्सीन लगवा चुके हैं या पिछले संक्रमण से ठीक हो चुके हैं। उन्होंने ने बताया कि दुर्भाग्य से, वायरस हर बार अलग रूप में बदलने पर अधिक खतरनाक और प्रतिरोधी बन जाती है। वैक्सीनेशन के बाद लोग अपनी इम्यूनिटी बहुत जल्दी खो देते हैं, इसलिए उनमें वायरस के प्रति बहुत कम या कोई प्रतिरोध नहीं होता है।

रैपर ड्रेक के करीब 800 करोड़ के घर में पानी घुसा

टोरंटो। जबरदस्त बारिश के कारण कनाडा के टोरंटो में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। बारिश का पानी लोगों के घरों के अंदर घुस गया है। टोरंटो में बिजली ठप्प हो गई और लोग घरों के अंदर फंसे हुए हैं। फेमस इंटरनैशनल रैपर ड्रेक के करीब 800 करोड़ का लेविश मैनशन भी इससे बचा नहीं है। वीडियो में घर के अंदर बाढ़ का नजारा साफ देखा जा सकता है। डियो में हम देखा जा सकता है कि घर के अंदर बाढ़ वाला मिट्टी से सना हुआ पानी चारों तरफ फैला हुआ है। हालांकि, कोई शख्स है जो इस पानी को बाहर निकालने की लगातार कोशिश भी करता दिख रहा है लेकिन कोई खास फायदा इससे नजर नहीं आ रहा। वीडियो के कैप्शन में ड्रेक ने लिखा है, बेहतर होता ये एस्प्रेसो मार्टीनी होता! रैपर ने इस घर को खरीदने के बाद रेनोवेशन में भी काफी खर्चा किया था।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव हुए रोचक

डोनाल्ड ट्रंप जीते तो भारत के लिए होगा फायदेमंद

वॉशिंगटन, 20 जुलई (एजेंसियां) ।

अमेरिका में राष्ट्रपति का चुनाव काफी रोचक हो गया है। जानकारों की नजर में डोनाल्ड ट्रंप की जीत होने की संभावना ज्यादा है। ऐसे में कहा जाने लगा है कि यदि ट्रंप राष्ट्रपति बनते हैं तो भारत के लिए काफी फायदेमंद होगा। वजह ये है कि चीन को लेकर डोनाल्ड ट्रंप का रवैया काफी सख्त रहा है। टैरिफ और टेक रेस्ट्रिक्शंस को लेकर ट्रंप का रुख सिलिकॉन वैली की रणनीति से मेल खाता है। ट्रेड वॉर के बीच चीनी निर्माताओं और बाजार पर अधिक निर्भरता अमेरिकी टेक मार्केट को रास नहीं आ रही है। ऐसे में डोनाल्ड ट्रंप के साथ आकर सिलिकॉन वैली टेक्नोलॉजी के अंतर्राष्ट्रीय बाजार में साम्य बिठाने की कोशिश करती नजर आ रही है। इसका सीधा फायदा भारत जैसे बड़े बाजार को मिल सकता है।

आईआईएम इंदौर में जियोपॉलिटिक्स पढ़ाने वाले प्रोफेसर जी वेंकट एक सिनोलॉजिस्ट हैं और फुलब्राइट फेलो हैं। प्रोफेसर वेंकट कहते हैं कि अगर ट्रंप राष्ट्रपति बनते हैं तो इतना तो तय है कि भारत-अमेरिका और करीब होंगे। उन्होंने कहा कि ट्रंप के पूर्व के कार्यकाल में भी हम ऐसा देख चुके हैं। प्रोफेसर वेंकट ने आगे कहा कि चीन और अमेरिका संबंधों में तल्खी बढ़ेगी। इसका सीधा फायदा भारत को मिल सकता है। टेक इन्वेस्टमेंट भारत आएंगे। प्रोफेसर वेंकट ने इसको उदारहण से भी समझाया। उन्होंने कहा कि चीन से जब अमेरिका के संबंध बिगड़े तो गैर चीनी देशों में सप्लाई के लिए एप्पल को भारत का रुख करना पड़ा। उन्होंने कहा कि भारतीय डेमोग्राफी और सस्ते स्किल्ड लेबर ने इस मामले में एप्पल की मदद की। कुछ ऐसा ही ताइवानी कंपनी फॉक्सवैगन ने भी किया था। प्रोफेसर वेंकट ने कहा कि इसी तरह दूसरी बड़ी टेक कंपनियां भी भारत का रुख कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि भारत के लोगों में टेक्नोलॉजी को लेकर रुझान भी बढ़ रहा है। यह बात भी अमेरिकी कंपनियों को यहां आने और निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस में लौटने की संभावनाएं बढ़ती दिखाई दे रही हैं। इन संभावनाओं के पीछे कई वजहें हैं। कुछ पॉलिटिकल कमेंटेटर्स का मानना है कि ट्रंप पर हुआ जानलेवा हमला उनके पक्ष में गया है। वहीं, सिलिकॉन वैली से मिल रहा समर्थन भी ट्रंप की उम्मीदों को हवा दे रहा है। इस हफ्ते की शुरुआत में एलन मस्क और एंड्रीसन होरोविट्ज के को-फाउंडर्स ने ट्रंप के समर्थन में अपनी बातें रखीं। राजनीति के लिहाज से सिलिकॉन वैली की अप्रोच में यह बदलाव काफी अहम माना जा रहा है। इन चीजों पर भारत से भी करीबी नजर रखी जाती है। इसकी वजह यह है कि चीन-अमेरिका के तल्ख रिश्तों का फायदा भारत को मिल सकता है।

विडंबना यह है कि भारत और चीन के बीच ज्यादातर मामलों में टकराव रहता है, लेकिन जब ग्रीन टेक की बात आती है, तो दोनों देशों की हालत एक जैसी है। इससे अमेरिकियों को भी समस्या है। अगर ट्रम्प राष्ट्रपति बनते हैं तो यह और बढ़ जाएगा। बाइडेन प्रशासन ने मई में चीनी ग्रीन टेक कंपनियों पर भारी करों की घोषणा की थी। अगर ट्रंप सत्ता में आते हैं तो यह और भी बढ़ जाएगा। यही वह चीज है जहां भारतीय राजनियकों को बहुत फूंक-फूंककर कदम रखना होगा। प्रोफेसर रमन कहते हैं कि ट्रंप ग्लोबल वॉर्मिंग या क्लाइमेट चेंज जैसी चीज में यकीन नहीं रखते। पहले भी ट्रंप ऐसी बातों से दूरी बना चुके हैं।

क्या राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर हो रहे हैं बाइडन ओबामा-नैंसी जैसे नेता क्यों दे रहे ऐसे बयान?

वाशिंगटन। अमेरिका में आगामी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सियासी हलचल जारी है। नवंबर में होने वाले चुनाव को लेकर दोनों प्रमुख दल रिपब्लिकन और डेमोक्रेट अपने राष्ट्रीय सम्मेलन कर रहे हैं। रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन (आरएनसी) में डोनाल्ड ट्रंप को आधिकारिक रूप से राष्ट्रपति पद के लिए नामांकित किया गया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। ट्रंप ने मिल्वौकी में रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में अपने समर्थकों को संबोधित किया और दावा किया कि अब से चार महीने बाद एक अविश्वसनीय जीत मिलेगी। अभी तक मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके प्रतिद्वंद्वी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच मुकाबला माना जा रहा है। हालांकि, डेमोक्रेट्स में राष्ट्रपति पद के लिए बाइडन का समर्थन घटता जा रहा है। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और पूर्व स्पीकर नैन्सी पेलोसी ने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि बाइडन के लिए डोनाल्ड ट्रंप को हराना मुश्किल हो गया है। इस बीच राष्ट्रपति के सबसे करीबी लोगों ने एक अखबार को बताया कि अगर बाइडन कमला हैरिस को नए राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में घोषित करते हैं तो यह आश्चर्य की बात नहीं होगी। अमरीकी राष्ट्रपति चुनाव भारत के आम चुनाव से काफी अलग होता है। भारत में पार्टियां आम चुनाव में बहुमत हासिल करने की कोशिश करती हैं। बहुमत वाले दल या गठबंधन के सांसद अपना नेता चुनते हैं। चुना हुआ नेता प्रधानमंत्री बनता है।

अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा

एक या दो हफ्ते में हथियारों के लायक परमाणु पदार्थ उत्पादन में सक्षम होगा ईरान

वॉशिंगटन डीसी, 20 जुलई (एजेंसियां) ।

पिछले कुछ महीनों से ईरान ने विखंडनीय सामग्री के अपने उत्पादन को बढ़ाने की दिशा में प्रयासरत है। ऐसे में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन बताया कि ईरान एक से दो सप्ताह में परमाणु हथियारों के लिए विखंडनीय सामग्री का उत्पादन करने में सक्षम है। उन्होंने यह भी कहा कि अभी हम जिस स्थिति में है वह ठीक नहीं है।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा है कि ईरान का ब्रेकआउट समय, परमाणु हथियार के लिए पर्याप्त हथियार ग्रेड सामग्री बनाने के लिए आवश्यक समय, 'अब शायद एक या दो सप्ताह है' क्योंकि उन्होंने ने अपना परमाणु कार्यक्रम बनाना जारी रखा है। बता दें कि हाल के महीनों में ईरान ने विखंडनीय सामग्री के अपने उत्पादन को बढ़ाने के लिए कदम उठाए हैं, ऐसे में ब्लिंकन की टिप्पणी आई है। उन्होंने कहा कि 'ईरान, क्योंकि परमाणु समझौते को रद्द कर दिया गया था, परमाणु हथियार के लिए विखंडनीय सामग्री का उत्पादन करने की ब्रेकआउट क्षमता से कम से कम एक साल दूर होने के बजाय, अब ऐसा करने से शायद एक या दो सप्ताह दूर है।' ब्लिंकन ने कहा, 'उन्होंने खुद कोई हथियार नहीं बनाया है, लेकिन कुछ ऐसा है जिस पर नजर रखे हुए हैं।'

विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि अमेरिका की नीति ईरान को परमाणु हथियार प्राप्त करने से रोकना है और प्रशासन भी कूटनीति के माध्यम से ऐसा होने से रोकने का प्रयास करेगा। तकरीबन एक साल पहले, अमेरिकी रक्षा विभाग के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा था कि ईरान अब 'लगभग 12 दिनों में एक बम के बराबर विखंडनीय सामग्री' का उतपादन कर सकता है। वहीं रिपोर्ट के अनुसार, बाइडन प्रशासन ने ईरान परमाणु समझौते को पुनर्जीवित करने के लिए एक साल से अधिक समय तक ईरान के साथ अप्रत्यकष बातचीत की है। जिससे अमेरिका ने 2018 में ट्रमप प्रशासन के तहत वापस ले लिया था। वहीं बाइडन प्रशासन के प्रयास भी 2022 में विफल हो गए, क्योंकि अमेरिका ने ईरान पर अज्ञात ईरानी स्थलों पर पाए गए यूरेनियम के अस्पष्टीकृत निशानों की अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) द्वारा जांच के संबंध में अनुचित मांग करने का आरोप लगाया। जिसके बाद बाइडन प्रशासन ने महीनों तक इस बात पर जोर दिया कि ईरान परमाणु समझौता एजेंडे में नहीं था।' ईरान के नए राष्ट्रपति ने सुझाव दिया है कि वे पश्चिम के साथ बातचीत करने के लिए तैयार हैं।

मीडिया से बात करते हुए अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि उन्हें अब विश्वास नहीं है कि परमाणु समझौते पर वापसी हो सकती है क्योंकि ईरान ने दोनों पक्षों के बीच बातचीत बंद होने के बाद से वर्षों में बहुत आक्रामक रहा है।

पाकिस्तान में अभी भी हिंदू सबसे बड़े अल्पसंख्यक, आबादी में हो रही वृद्धि

इस्लामाबाद, 20 जुलई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान में सबसे ज्यादा अल्पसंख्यक हिंदु हैं। इनकी संख्या में भी लगातार वृद्धि हो रही है। साल 2017 में 35 लाख हिंदु थे 2023 में इनकी संख्या बढ़कर 38 लाख हो गई। इनकी बढ़ती तादात इस्लामी राष्ट्र का सबसे बड़ा अल्पसंख्यक समूह बनाती है। पिछले साल की जनगणना के आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान सांख्यिकी ब्यूरो (पीबीएस) ने 7वीं आबादी और आवास जनगणना 2023 के नतीजे जारी किए।

आंकड़ों से पता चलता है कि देश की जनसंख्या 2.55 प्रतिशत की वृद्धि दर से 2017 में करीब 20.76 करोड़ से बढ़कर 2023 में करीब 24.14 करोड़ हो गई। आंकड़े दर्शाते हैं कि इस दर से पाकिस्तान की जनसंख्या 2050 तक दोगुनी होने की उम्मीद है। जनसंख्या विभाजन के अनुसार पुरुषों की कुल संख्या 12.432 करोड़ थी, जबकि महिलाओं की संख्या 11.715 करोड़ दर्ज की गई। लिंगानुपात 1.06 था, जबकि ट्रांसजेंडर की आबादी 20,331 बताई गई। 2023 में पाकिस्तान की कुल जनसंख्या 2,40,458,089 थी। इससे पता चलता है कि

कुल आबादी में मुसलमानों की हिस्सेदारी 2017 में 96.47 प्रतिशत से थोड़ी कम होकर 2023 में 96.35 प्रतिशत रह गई, जबकि सभी प्रमुख धार्मिक अल्पसंख्यकों की आबादी पिछले छह वर्षों में बढ़ी है।पाकिस्तान में हिंदुओं की आबादी 2017 के 35 लाख से बढ़कर 2023 में 38 लाख हो गई, लेकिन कुल आबादी में उनकी हिस्सेदारी 1.73 से घटकर 1.61 प्रतिशत हो गई है। इससे पता चलता है कि अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की आबादी में तेज दर से वृद्धि हुई है। ईसाइयों की जनसंख्या भी 26 लाख से बढ़कर 33 लाख हो गई। अहमदियों की वास्तविक जनसंख्या के साथ-साथ कुल जनसंख्या में उनकी हिस्सेदारी में भी गिरावट देखी गई।

आईसीजे का फैसला अस्वीकार्य, इस्राइल ने कहा- स्पष्ट करें कानूनी तौर पर बाध्यकारी नहीं है सलाह

तेल अवीव, 20 जुलई (एजेंसियां) ।

अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के आदेश में फिलिस्तीनी क्षेत्र में इस्राइल की उपस्थिति गैरकानूनी बताई है। इस पर इस्राइल ने कहा कि न्यायालय यह स्पष्ट करें कि उसकी प्रकाशित राय एक सलाहकार राय है और कानूनी तौर पर उनको बाध्य नहीं करती। इस्राइल ने इसे मौलिक रूप से गलत ठहराया।

दरअसल अंतरराष्ट्रीय न्यायालय आईसीजे ने फैसला सुनाया कि कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्र में इस्राइल निरंतर उपस्थिति गैरकानूनी है। इसे जल्द से जल्द समाप्त किया जाना चाहिए। इसके साथ ही उसे बस्तियों के निर्माण को तुरंत समाप्त कर, मौजूदा बस्तियों को हटाना चाहिए। इस्राइल विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ओरेन मार्मोरस्टीन ने कहा कि इस्राइल आईसीजे की सलाहकार राय को अस्वीकार करता है, जो इस्राइल-फिलिस्तीनी संघर्ष के बारे में दी गई थी। इस्राइल विदेश मंत्रालय ने कहा कि दुर्भाग्य से न्यायाल की राय मौलिक रूप से गलत है। यह राजनीति और कानून को एक करती है। यह राय न्यूर्याक में संयुक्त राष्ट्र के गलियारों की राजनीति को हेग में आईसीजे के न्यायालयों में शामिल करती है। उन्होंने यह भी कहा कि यह स्पष्ट होना आवश्यक है कि न्यायालय की प्रकाशित राय सलाहकारी राय है, और यह राय उन्हें कानूनी रूप से बाध्य नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि इस कदम की पहल करने वाले फिलिस्तीनी प्राधिकरण की दिलचस्पी शांति में नहीं है वे इस्राइल पर कीचड़ उछालने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि शांति केवल पक्षों के बीच सीधी बातचीत के माध्यम से ही हो सकती है। ताकि फिलिस्तीनी प्राधिकरण अंतरराष्ट्रीय न्यायाधिकरणों का रुख करके इस वास्तविकता से बच नहीं पाएगा। उन्होंने कहा कि आईसीजे की राय एकतरफा है।

इस्राइल विदेश मंत्रालय के ओरेन मार्मोरस्टीन ने कहा कि न्यायालय की यह राय 7 अक्तूबर को हुए अत्याचारों और अपने क्षेत्र की रक्षा करने के लिए इस्राइल की सुरक्षा अनिवार्यता को नजरअंदाज करती है। यह राय मध्य पूर्व की वास्तविकता से पूरी तरह से अलग है, जबकि हमास, ईरान और अन्य आतंकवादी संगठन सात मोर्चों से इस्राइल पर हमला कर रहे हैं। इसमें गाजा और यहूदी और सामरिया शामिल हैं। इसे मिटाने के लिए यहूदियों के सबसे बड़े नरसंहार के बाद, राय 7 अक्तूबर को हुए अत्याचारों और साथ ही अपने क्षेत्र और अपने नागरिकों की रक्षा करने के लिए इस्राइल की सुरक्षा अनिवार्यता को नजरअंदाज करती है।

उसके अलावा इसमें लिखा है कि राय उस मार्गदर्शक सिद्धांत का खंडन करती है जो कि इस्राइल और उसके पड़ोसियों के बीच आज तक हुए सभी शांति समझौतों और व्यवस्थाओं का आधार बना है। इसके अनुसार संघर्ष का समाधान केवल पक्षों के बीच सीधी बातचीत के माध्यम से संभव होगा। उन्होंने यह भी कहा कि राय केवल संघर्ष को दूर करने की संभावना को दूर करती है। रिपोर्ट के अनुसार हेग में आईसीजे के अध्यक्ष नवाफ सलाम ने शुक्रवार को फिलिस्तीनी क्षेत्र पर इस्राइल के कब्जे पर 15 न्यायाधीशों के पैनल द्वारा जारी गैर-बाध्यकारी सलाहकार राय पढ़ी। न्यायाधीशों ने नीतियों की एक विस्तृत सूची की ओर इशारा किया।

अदन की खाड़ी में नहीं थम रहे हमले

हूती विद्रोहियों ने सिंगापुर के झंडे वाले जहाज को बनाया निशाना

यरूशलम, 20 जुलई (एजेंसियां) ।

इस्राइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद यमन के हूती विद्रोही जहाजों को निशाना बना रहे हैं। अमेरिका, ब्रिटेन समेत कई देश खुले शब्दों में चेतावनी दे चुके हैं, लेकिन हूती अपनी हरकत से बाज नहीं आ रहे हैं। एक बार फिर विद्रोहियों ने अदन की खाड़ी में हमला कर सिंगापुर के झंडे वाले जहाज को क्षतिग्रस्त कर दिया। इसकी जानकारी सिंगापुर के समुद्री और बंदरगाह प्राधिकरण (एमपीए) ने दी।

अदन की खाड़ी को पार कर रहा था जहाज तभी हुआ हमला

सिंगापुर के समुद्री और बंदरगाह प्राधिकरण का कहना है कि जानकारी मिली थी कि जहाज लोबिविया अदन की खाड़ी को पार कर रहा था, तभी उस पर हमला कर दिया गया। इससे जहाज पर आग लग गई। बाद में चालक दल ने आग बुझाई। वहीं, चैनल न्यूज एशिया ने प्राधिकरण के हवाले से बताया कि चालक दल में सिंगापुर का कोई नागरिक नहीं है और सभी सदस्य सुरक्षित हैं। जहाज पर हमला होने के बाद भी वह सोमालिया के बर्बेरा पोर्ट पर पहुंचा।

सुरक्षा के लिए अलर्ट नौसेना

एमपीए ने कहा कि वह किसी भी तरह की सहायता करने के लिए पोत प्रबंधक के संपर्क में है। सिंगापुर गणराज्य की नौसेना (आरएसएन) ने अदन की खाड़ी में अपने सुरक्षा साझेदारों को भी मदद मुहैया कराने के लिए सतर्क कर दिया है।

दो मिसाइलों से हमला

वहीं, टेलीविजन पर दिए गए भाषण में हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने हमले की जिम्मेदारी ली। उसने कहा कि समूह ने लोबिविया पर बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन दागे हैं। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन्स के अनुसार, लोबिविया पर यमन के बंदरगाह शहर अदन से लगभग 83 समुद्री मील दक्षिण-पूर्व में दो अलग-अलग मौकों पर दो मिसाइलों से हमला किया गया।

ब्रिटिश सुरक्षा फर्म एम्ब्रे ने बताया, 'जहाज अदन की खाड़ी के उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ रहा था, तभी पास के एक व्यापारी जहाज ने रोशनी देखी। जहाज ने तुरंत ही बचाव अभियान शुरू कर दिया तथा करीब एक घंटे बाद अपनी स्वचालित पहचान प्रणाली को बंद कर दिया।'

अमेरिका को बना रहा निशाना

बता दें, गाजा में हो रहे इस्राइल हमलों से मध्यपूर्व बौखलाया हुआ है। मध्यपूर्व गाजा में हो रहे हमलों का कारण अमेरिका को मानता है। इसी वजह से हूती विद्रोही अदन की खाड़ी में व्यापारिक जहाजों के खिलाफ हमले कर रहे हैं। साथ ही कभी ईरान तो कभी जॉर्डन को कभी सीरिया में अमेरिकी सेना और अमेरिकी प्रतिष्ठानों पर हमले हो रहे हैं।

यूक्रेन बना सकता है पुतिन के बेडरूम को निशाना? एयर डिफेंस सिस्टम तैनात

मास्को। रूस-यूक्रेन जंग दिन ब दिन और भड़कती जा रही है। नाटो देशों की मदद से यूक्रेन के हौसले बुलंद हैं। अब यूक्रेन ने रूस पर हमले करना शुरू कर दिए हैं। जेलेंस्की ने ड्रोन अटैक किए हैं। पुतिन का बेडरूम भी जेलेंस्की के निशाने पर है? यूक्रेन अब रूस के अंदर तक टारगेट को ध्वस्त कर सकता है। यही वजह है कि पुतिन के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। गर्मियों के दिनों में जहां रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन रहते हैं, उस घर के बाहर एयर डिफेंस सिस्टम तैनात किया गया है। रूस के अंदर तक निशाना बनाने में यूक्रेन की बढ़ती ताकत के बीच रूस ने पुतिन के मॉस्को के नॉर्थ में स्थित घर के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी है।

सूत्रों के मुताबिक सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि नोवगोरोड इलाके में लेक वल्दाई पर स्थित रुसी राष्ट्रपति पुतिन के घर के आसपास कई पैंटिर-एस1 एयर डिफेंस सिस्टम्स तैनात कर दिए गए हैं। वल्दाई स्थित पुतिन का घर यूक्रेन के लिए हाई-प्रोफाइल टारगेट हो सकता है। यह घर पुतिन का खास ठिकाना है। पुतिन गर्मियों के दौरान इस घर में ही समय बिताते हैं। पुतिन का यह आलीशान घर वल्दाई नेशनल पार्क में एक बड़े सरकारी वेकेशन रिसोर्ट के अंदर है। यह दो झीलों के बीच एक टापू जैसा है।

अगले माह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

सिडनी, 20 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम अगस्त में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। इस दौरे में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम के साथ तीन मैचों की टी20 सीरीज के साथ ही तीन एकदिवसीय के अलावा एक चार दिवसीय मैच भी खेलना है। इससे बांग्लादेश में साल के आखिर में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए टीम को अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। इसके अलावा उसे अपनी कमियों का भी पता चलेगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इस दौरे का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इसमें ताहलिया मैकग्रा ऑस्ट्रेलियाई 20 और 50 ओवरों की टीम की कप्तानी करेंगी। वहीं चार्ली नॉट को चार दिवसीय मैच के लिए कप्तान बनाया गया है। इस दौर में सभी तीन टी20 मैच ब्रिसबेन में जबकि एकदिवसीय मैच मैके में खेले जाएंगे। एकमात्र चार दिवसीय मैच गोल्ड कोस्ट में खेला जाएगा। पहला टी20 मैच 07 अगस्त , दूसरा टी20 09 अगस्त जबकि तीसरा तीसरा टी20 11 अगस्त को खेला जाएगा। वहीं पहला एकदिवसीय 14 अगस्त, दूसरा 16 अगस्त को व तीसरा एकदिवसीय 18 अगस्त को खेला जाएगा। एकमात्र चार दिवसीय मैच 22 से 25 अगस्त तक होगा।

टी20 टीम : ताहलिया मैकग्रा (कप्तान), मैडी डार्के, सोफी डे, निकोल फाल्टम, टेस फ्लिंटॉफ, किम गार्थ, चार्ली नॉट, कैटी मैक, ग्रेस पार्सोंस, मेगान शट, कर्टनी सिप्पेल, टायला वी, ताहलिया विल्सन।

एकदिवसीय टीम : ताहलिया मैकग्रा (कप्तान), मेटलान ब्राउन, मैडी डार्के ,सोफी डे, निकोल फाल्टम, टेस फ्लिंटॉफ, किम गार्थ, चार्ली नॉट, कैटी मैक, ग्रेस पार्सोंस, मेगान शट, कर्टनी सिप्पेल, टायला वी, ताहलिया विल्सन।

चार दिवसीय टीम : चार्ली नॉट (कप्तान), मेटलान ब्राउन, मैडी डार्के, सोफी डे, एम्मा डे ब्रूग, निकोल फाल्टम, टेस फ्लिंटॉफ, कैटी मैक, लिली मिल्स, ग्रेस पार्सोंस, केट पीटरसन, कर्टनी सिप्पेल, जॉर्जिया वोल।

न्यूज ब्रीफ

हरभजन ने श्रीलंका दौरे के लिए चहल अभिषेक की अनदेखी पर सवाल उठाया

नई दिल्ली। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने आगामी श्रीलंका दौरे के लिए मैन इन ब्लू टीम से स्पिनर

युजवेंद्र चहल और अभिषेक शर्मा को बाहर करने पर सवाल उठाया है। नए मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में, भारत को 27 जुलाई से श्रीलंका में तीन टी20 और तीन वनडे मैच खेलने हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने दोनों प्रारूपों के लिए टीम की घोषणा की और सूर्यकुमार यादव को रोहित शर्मा के प्रारूप से संन्यास के बाद नया टी20 कप्तान बनाया। टी20 टीम में, अभिषेक शर्मा का बाहर होना सबसे बड़ा चर्चा का विषय था, उन्होंने हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ पदार्पण किया और अपने दूसरे मैच में भी शतक बनाया। उन्हें किसी भी टीम में जगह नहीं मिली, जबकि टी20 विश्व कप का हिस्सा रहे चहल को भी श्रीलंका दौरे के लिए बाहर कर दिया गया। दूसरी ओर, विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन को केवल टी 20 टीम में नामित किया गया और वनडे में शामिल नहीं किया गया क्योंकि पिछले महीने टी20 विश्व कप में भारतीय टीम में वापसी करने के बाद ऋषभ पंत को वापस बुला लिया गया है। हरभजन ने एक्स पर लिखा, यह समझना मुश्किल है कि युजवेंद्र चहल, संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा श्रीलंका के लिए भारतीय टीम का हिस्सा क्यों नहीं हैं। इसके अलावा, भारत के मुख्य खिलाड़ी जिम्बाब्वे दौरे के लिए आराम दिए जाने के बाद टी20 में लौट आए। हर्षित राणा का वनडे टीम में शामिल होना घोषणा में उल्लेखनीय बदलावों में से एक था। दिल्ली के 22 वर्षीय तेज गेंदबाज को पहली बार टीम में शामिल किया गया है और वह श्रीलंका में अपने पूर्व कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटर गंभीर के साथ जुड़ेंगे। आईपीएल 2024 में, उन्होंने केकेआर के लिए 13 मैचों में 19 विकेट हासिल किए और वरुण चक्रवर्ती के 21 विकेट के बाद फ्रेंचाइजी के लिए दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे।

वर्ल्ड मास्टर्स अगस्त में होगी, 6 टीमें शामिल होंगी

जोहांसबर्ग । यहां अगले माह अगस्त में होने वाली वर्ल्ड मास्टर्स टी20 लीग 2024 के लिए पूर्व

क्रिकेटर जोंटी रोड्स को ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। दक्षिण अफ्रीका के किंग्समीड स्टेडियम में होने वाली इस लीग में कुल 6 टीमें इंद्रप्रस्थ वॉरियर्स, गल्फ सुपरस्टार्स, सिडनी स्पार्टन्स, कोलंबो टाइटन्स, लाहौर लायंस और कैरेबियन पाइरेट्स शामिल होंगी। इसमें दक्षिण अफ्रीका , ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान के अलावा भारतीय क्रिकेटर भी भाग लेंगे। वर्ल्ड मास्टर्स लीग का ब्रांड एंबेसडर बनने पर रोड्स ने खुशी जताते हुए कहा कि यह टूर्नामेंट दुनिया भर की बेहतरीन क्रिकेट प्रतिभाओं को एक मंच पर लाने का काम कर रहा है, ऐसे में इसका हिस्सा होना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। साथ ही कहा कि बेहतरीन खिलाड़ियों से सजे इस टूर्नामेंट का प्रचार करने के लिए मैं पूरी तरह से तैयार हूं। रोड्स ने साल 1992 से 2003 तक दक्षिण अफ्रीका की तरफ से 52 टेस्ट और 245 एकदिवसीय मैच खेले हैं। टेस्ट में 35.66 और एकदिवसीय में उनके नाम 35.11 के बल्लेबाजी औसत के साथ ही 8,000 से अधिक रन हैं। रोड्स को ब्रांड एंबेसडर बनाने के बाद लीग के सीईओ राजीव मिश्रा ने कहा कि हमें यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि रोड्स इस लीग के ब्रांड एंबेसडर होंगे। इस लीग में दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज हर्शल गिब्स भी नजर आयेंगे। लीग में भारत से पूर्व तेज गेंदबाज मुनाफ पटेल, पाकिस्तान के शोएब मलिक और श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर एंजेलो परेरा और धामिका प्रसाद भी उतरेंगे।

बाबर सहित पाक क्रिकेटरों का ग्लोबल टी20 कनाडाई लीग में खेलना संदिग्ध

लाहौर । पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाजों बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और शाहीन अफरीदी का आगामी ग्लोबल टी20 कनाडाई क्रिकेट लीग में खेलना संदिग्ध नजर आता है। इसका कारण है कि इन्हें पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) शायद ही अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) दे। इसका कारण है कि इस लीग का कार्यक्रम टीम के अंतरराष्ट्रीय मैचों से टकरा सकता है। पाक और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत 21 अगस्त से होगी। वहीं कनाडाई लीग 25 जुलाई से 11 अगस्त तक खेली जाएगी। यह भी बताया गया कि एनओसी न मिलने का कारण यह है कि सभी प्रारूपों में खेलने वाले खिलाड़ियों को नीति के अनुसार प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाएगा। पीसीबी खिलाड़ियों को एनओसी जारी करने के पक्ष में नहीं है, क्योंकि उनके आगे बहुत व्यस्त कार्यक्रम है। इससे पहले तेज गेंदबाज नसीम शाह को भी पिछले सप्ताह द हंड्रेड में खेलने के लिए एनओसी नहीं दी गई थी। वहीं पीसीबी की ओर से कहा गया है कि नसीम के आवेदन को चोटों से बचाने के लिए खारिज कर दिया गया है। इसके अलावा मोहम्मद आमिर, मोहम्मद नवाज, आसिफ अली और इफ्तिखार अहमद के पास भी ग्लोबल टी 20 कनाडा अनुबंध हैं।

18 दिन में 16 अलग-अलग खेलों में पदक के लिए दांव लगाएंगे 117 भारतीय खिलाड़ी

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)।

पेरिस ओलंपिक 2024 के शुरू होने में अब बस कुछ ही दिनों का समय बचा है। इस टूर्नामेंट को लेकर फैंस की उत्सुकता दिन पर दिन बढ़ती ही जा रही है। यह खेल महाकुंभ 26 जुलाई से शुरू होकर 11 अगस्त तक चलेगा। 26 जुलाई को ओपनिंग सेरेमनी और 11 अगस्त को क्लोजिंग सेरेमनी आयोजित की जाएगी। हालांकि, कुछ खेलों की शुरुआत तो 24 जुलाई से ही हो जाएगी। पेरिस ओलंपिक का उद्घाटन समारोह 26 जुलाई को सीन नदी के जार्डिन्स डु ट्रोकाडेरो में होगा। ओलंपिक में यह पहला मौका होगा जब उद्घाटन समारोह स्टेडियम में नहीं होगा। पेरिस ओलंपिक 2024 इस परंपरा को तोड़ेगा। भारत पहली बार पेरिस ओलंपिक में पदकों के दोहरे अंक का आंकड़ा पार करने का लक्ष्य रखेगा। 2020 टोक्यो ओलंपिक में भारत तीन पदकों से चूक गया था।

भारत पेरिस ओलंपिक 2024 में 117 सदस्यीय दल भेज रहा है, जो पिछले संस्करण की तुलना में पांच कम हैं। टेबल टेनिस के दिग्गज अचंता शरथ कमल और बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु भारतीय दल के लिए पेरिस ओलंपिक में ध्वजवाहक होंगे। एथलीटों ने पहले ही यूरोप में प्रशिक्षण शुरू कर दिया है और जल्द ही पेरिस ओलंपिक के लिए फ्रांस पहुंचेंगे। पेरिस में भारत के एकमात्र स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा से अपने खिताब का बचाव करने की काफी उम्मीदें होंगी। यहां हम पेरिस ओलंपिक 2024 के हर दिन के हिसाब से भारतीय एथलीटों के पूरे कार्यक्रम का विवरण दे रहे हैं...(समय भारतीयानुसार)। इनमें से कुछ खेल ऐसे हैं, जिसके राउंड ऑफ 16, क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल की जानकारी भी दी गई है। हालांकि, वह किसी भारतीय खिलाड़ी के इस राउंड तक पहुंचने के बाद ही लागू होंगे।

तीरंदाजी
महिला रैंकिंग राउंड (दोपहर 1.00 बजे से)
पुरुषों का रैंकिंग राउंड (शाम 5.45 बजे से)

बैडमिंटन
महिला एकल ग्रुप स्टेज (दोपहर 12.50 बजे, शाम 6.20 बजे, रात 11.00 बजे से) पुरुष युगल ग्रुप चरण (दोपहर 1.40 बजे, शाम 7.10 बजे। रात 8.00 बजे, रात 11.00 बजे, रात 11.50 बजे से) महिला युगल ग्रुप स्टेज (दोपहर 1.40 बजे, दोपहर 2.30 बजे, शाम 7,10 बजे, 12.40 बजे (28 जुलाई), 1.30 बजे (28 जुलाई) से) पुरुष एकल ग्रुप स्टेज (दोपहर 1.40 बजे, दोपहर 2.30 बजे, शाम 7.10 बजे, रात 8.00 बजे, 12.40 बजे (28 जुलाई), 1.30 बजे (28 जुलाई) से)

मुक्केबाजी
महिलाओं की 54 किग्रा राउंड ऑफ 32 (शाम 7 बजे, रात 11.30 बजे से)

हॉकी
भारत बनाम न्यूजीलैंड (रात 9.00 बजे से)

रोइंग
मेंस सिंगल स्कल्स हीट (दोपहर 12.30 बजे से)

शूटिंग
10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम क्वालीफिकेशन (दोपहर 12.30 बजे से) 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम कांस्य पदक (दोपहर 2.00 बजे से) 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्वर्ण पदक (दोपहर 2.30 बजे से) 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष योग्यता (दोपहर 2.00 बजे से) 10 मीटर एयर पिस्टल महिला योग्यता (शाम 4.00 बजे से)

टेबल टेनिस
पुरुष और महिला एकल प्रारंभिक दौर (शाम 6.30 बजे से) पुरुष और महिला एकल राउंड ऑफ 64 (रात 11.30 बजे से)

टेनिस
पुरुष एकल का पहला राउंड (दोपहर 3.30 बजे, रात 10.30 बजे से) पुरुष युगल पहला दौर (दोपहर 3.30 बजे से) दूसरा दिन - 28 जुलाई (रविवार)

तीरंदाजी
महिला टीम एलिमिनेशन राउंड टू फाइनल (दोपहर 1.00 बजे से)

बैडमिंटन
महिला एकल ग्रुप स्टेज (दोपहर 12.00 बजे, दोपहर 12.50 बजे, शाम 6.20 बजे, शाम 7.10 बजे 11.50 बजे, रात 12.40 बजे (29 जुलाई) से) पुरुष युगल ग्रुप स्टेज (दोपहर 12.50 बजे, दोपहर 1.40 बजे, शाम 5.30 बजे, रात 11.50 बजे से) महिला युगल ग्रुप चरण (दोपहर 1.40 बजे, शाम 6.20 बजे, रात 12.40 बजे (29 जुलाई) से) पुरुष एकल ग्रुप स्टेज (दोपहर 2.30 बजे, शाम 7.10 बजे, रात 8.00 बजे, रात 12.40 बजे (29 जुलाई), दोपहर 1.30 बजे (29 जुलाई) से)

मुक्केबाजी
पुरुषों का 71 किग्रा राउंड ऑफ 32 (दोपहर 2.46 बजे, शाम 5.16 बजे, रात 11.30 बजे से) महिलाओं का 50 किग्रा राउंड ऑफ 32 (दोपहर 3.50 बजे, रात 8.30 बजे, रात 12.34 बजे (29 जुलाई) से)

रोइंग
पुरुषों की एकल स्कल्स रेपेचेज (दोपहर 1.06 बजे से)

शूटिंग
10 मीटर एयर राइफल महिला क्वालिफिकेशन (दोपहर 12.45 बजे से) 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुषों का फाइनल (दोपहर 1.00 बजे से) 10 मीटर एयर राइफल पुरुष क्वालिफिकेशन (दोपहर 2.45 बजे से) 10 मीटर एयर पिस्टल महिला फाइनल (दोपहर 3.30 बजे से)

तैरना
100 मीटर बैकस्ट्रोक पुरुषों की हीट और सेमीफाइनल (दोपहर 2.30 बजे से और 1.07 बजे से (29 जुलाई) से) 200 मीटर फ्रीस्टाइल महिला हीट और सेमीफाइनल (दोपहर 2.30 बजे से और दोपहर 1.30 बजे से (29 जुलाई) से)

टेबल टेनिस
पुरुष और महिला एकल (दोपहर 1.30 बजे से, रात 11.30 बजे से)

टेनिस
पुरुष एकल का पहला राउंड (दोपहर 3.30 बजे से, रात 10.30 बजे से) पुरुष युगल पहला दौर (दोपहर 3.30 बजे से, रात 10.30 बजे से) तीसरा दिन - 29 जुलाई (सोमवार)

तीरंदाजी
पुरुषों की टीम एलिमिनेशन राउंड टू फाइनल (दोपहर 1.00 बजे से)।

चांगते और इंदुमति को एआईएफएफ का शीर्ष पुरस्कार मिला, लाहलानसांगा सबसे होनहार खिलाड़ी बने

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने भारत और मुंबई सिटी एफसी के विंगर लालियानजुआला चांगते सर्वश्रेष्ठ भारतीय पुरुष फुटबॉलर और राष्ट्रीय महिला टीम की मिडफील्डर इंदुमति कथिरेसन को सर्वश्रेष्ठ भारतीय महिला फुटबॉलर अवॉर्ड से नवाजा। दोनों ने पिछले एक साल में फील्ड पर शानदार खेल दिखाया है। चांगते को भविष्य का सुपरस्टार भी माना जा रहा है। राष्ट्रीय फुटबॉल महासंघ द्वारा आयोजित एक समारोह के दौरान दोनों खिलाड़ियों को ये पुरस्कार दिया गया। लालियानजुआला चांगते ने हाल में में मुंबई सिटी एफसी के साथ 2026/27 सत्र के अंत तक अपना अनुबंध बढ़ा लिया है। इंदुमति (30) भारतीय महिला लीग (आईडब्ल्यूएल) में ओडिशा एफसी का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय टीम में वह बतौर 'मिडफील्डर' की भूमिका निभाती हैं। आई-लीग विजेता क्लब मोहम्मडन स्पोर्टिंग के डेविड लाहलानसांगा को इस साल के सबसे होनहार खिलाड़ी का पुरस्कार मिला है।

मुख्य कोच पद के लिए 20 उम्मीदवारों की सूची

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के कार्यवाहक महासचिव एम सत्यनारायण ने कहा कि खेल संस्था ने भारतीय पुरुष टीम के मुख्य कोच पद के लिए 20 उम्मीदवारों की सूची बनाई है। भारतीय टीम के कतर और अफगानिस्तान से हारने के बाद फीफा विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में जगह बनाने में विफल होने के बाद पिछले महीने इगोर स्टमक को बर्खास्त कर दिया गया था जिसके बाद से यह पद खाली पड़ा है।

सत्यनारायण ने कहा, हमने कुछ कोचों को चुना है, इनकी संख्या लगभग 20 है। हमने उनमें से कुछ को लिखा भी है कि क्या जब से उन्होंने आवेदन किया है, तब से अब तक वे अब भी उपलब्ध हैं। क्योंकि बहुत से कोच करार कर रहे हैं। इसलिए हम कुछ की छंटनी करने के बहुत करीब हैं। फिर इनके नाम कार्यकारी समिति के पास जायेंगे। फिर तकनीकी समिति भी शामिल होगी। इसलिए अगले दो दिन में फैसला होगा।

अर्शदीप ने टी20 विश्व कप फाइनल को पसंदीदा मैच बताया

नई दिल्ली, 20 जुलाई।

भारत के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने हालिया टी20 विश्व कप की खिताबी जीत में फाइनल को अपने करियर का पसंदीदा मैच बताया। तेज गेंदबाज ने बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला आईसीसी फाइनल खेला और अपने चार ओवरों में 2-20 के आंकड़े के साथ लौटे क्योंकि भारत ने रोमांचक मुकाबले में छह रन से मैच जीत लिया।

अर्शदीप पिछले साल नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे विश्व कप फाइनल खेलने वाली भारत की टीम का हिस्सा नहीं थे। 25 वर्षीय खिलाड़ी ने आईपीएल फाइनल में भी नहीं खेला था, लेकिन युवा खिलाड़ी ने कठिन परिस्थितियों के दौरान दबाव का कोई संकेत नहीं दिखाया और टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन किया।

वह टूर्नामेंट में 17 विकेट के साथ भारत के लिए सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज थे।

अर्शदीप पिछले साल नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे विश्व कप फाइनल खेलने वाली भारत की टीम का हिस्सा नहीं थे। 25 वर्षीय खिलाड़ी ने आईपीएल फाइनल में भी नहीं खेला था, लेकिन युवा खिलाड़ी ने कठिन परिस्थितियों के दौरान दबाव का कोई संकेत नहीं दिखाया और टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन किया।

52 टी20 में, अर्शदीप ने 18.40 की औसत से 79 विकेट लिए हैं, जिसमें 5/37 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन शामिल है। वह 27 जुलाई से शुरू होने वाले तीन टी20 और तीन वनडे मैच खेलने के लिए भारतीय टीम के साथ श्रीलंका जाएंगे।

नायर, टेन डोशेट श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल होंगे, टी दिलीप फील्डिंग कोच बने रहेंगे: रिपोर्ट

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)।

श्रीलंका के आगामी सफेद गेंद दौरे के दौरान भारत के नए मुख्य कोच के रूप में गौतम गंभीर की नियुक्ति के बाद, अभिषेक नायर और रयान टेन डोशेट उनके साथ जुड़ने के लिए तैयार हैं, जबकि टी दिलीप फील्डिंग कोच बने रहेंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के लिए तीन वनडे मैच खेलने वाले नायर और टेन डोशेट को भारतीय टीम में सहायक कोच नियुक्त किया गया है। जब कोलकाता नाइट राइडर्स टीम ने आईपीएल 2024 जीता था तब ये दोनों गंभीर के साथ थे और नाइट राइडर्स के कोचिंग स्टाफ में मेंटरशिप की भूमिका निभा रहे थे।

2018 से केकेआर के साथ अपने समय में, जहां वह कोच-सह-अकादमी प्रमुख थे, नायर को अपनी कोचिंग विधियों के माध्यम से श्रेयस अय्यर, रिंकू सिंह, वरुण चक्रवर्ती और वेंकटेश अय्यर जैसे विभिन्न खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करने के साथ-साथ दिनेश कार्तिक का पुनरुत्थान के लिए भी श्रेय दिया गया। दिलीप के बारे में रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने अपनी जगह बरकरार रखी है क्योंकि उन्होंने न केवल एक प्रभावी फील्डिंग कोच के रूप में बल्कि ड्रेसिंग रूम में भी अच्छा सकारात्मक प्रभाव डाला है। रिपोर्ट में कहा गया है, ऐसा माना जाता है कि वह टीम बॉन्डिंग अभ्यास में बहुत अच्छे हैं, जिसे अत्यधिक प्रतिस्पर्धी माहौल में खिलाड़ियों के लिए एक प्रमुख आवश्यकता माना जाता है।

दिलीप और नायर मुंबई से एक चार्टर उड़ान पर भारतीय टीम के साथ श्रीलंका की यात्रा करने के लिए तैयार हैं, टेन डोशेट की यात्रा योजनाओं के बारे में यह स्पष्ट नहीं है। नीदरलैंड के पूर्व क्रिकेटर वर्तमान में चल रहे मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में एलए नाइट राइडर्स के कोचिंग स्टाफ के हिस्से के रूप में यूएसए में हैं और सीधे श्रीलंका में भारतीय टीम में शामिल हो सकते हैं।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि नया गेंदबाजी कोच कौन होगा इस पर कुछ सस्पेंस है, लेकिन मोर्ने मोर्कल अभी भी मजबूत उम्मीदवार हैं। मोर्कल ने आईपीएल 2022 और 2023 में लखनऊ सुपर जाइंट्स में गंभीर के साथ काम किया, जहां गंभीर मेंटर थे। भारतीय टीम के श्रीलंका रवाना होने से पहले, 22 जुलाई को मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की योजना बनाई गई है, जिसमें गंभीर और टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव उपस्थित रहेंगे।

खिताब के साथ लौटे स्पेशल ओलंपिक भारत के फुटबॉलरों का हुआ सम्मान

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)।

स्वीडन के गोथेनबर्ग में 14 से 18 जुलाई तक आयोजित गोथिया कप-2024 में शानदार प्रदर्शन करने के बाद लौटे स्पेशल ओलंपिक भारत (एसओ भारत) की दस सदस्यीय फुटबॉल टीम का शनिवार को यहां सम्मान किया गया। केंद्रीय खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे, एसओ भारत की अध्यक्ष और एशिया प्रशांत सलाहकार परिषद (एपीएसी) की अध्यक्ष डॉ मल्लिका नड्डा ने टीम को स्वागत किया।

गोथिया कप टूर्नामेंट का उद्घाटन 15 जुलाई को उल्लेवी में एक भव्य समारोह के साथ हुआ, जिसमें 49 हजार से अधिक दर्शक उपस्थित थे। टूर्नामेंट में 1910 टीमों ने भाग लिया, जिसमें 15 विभिन्न देशों से 50 स्पेशल ओलंपिक टीमों का प्रतिनिधित्व किया गया। एसओ भारत टीम को पैरास्पोर्ट डेनमार्क 2, स्पेशल ओलंपिक फिनलैंड मिक्स्ड, स्पेशल ओलंपिक हांगकांग और स्पेशल ओलंपिक जर्मनी 1 के साथ ग्रुप 5 में रखा गया था। एसओ भारत ने एसओ फिनलैंड के खिलाफ अपना पहला ग्रुप मैच 3-0 से जीता और फिर एसओ जर्मनी के खिलाफ 6-0 की बड़ी जीत के साथ इसका जीत का क्रम जारी रखा।

इसके बाद भारतीय दल ने तीसरे मैच में हांगकांग पर 6-0 से जीत हासिल की और फिर एसओ डेनमार्क के खिलाफ 3-1 से एक और बड़ी जीत के साथ फाइनल में जगह बनाई।

एसओ भारत और एसओ डेनमार्क के बीच रोमांचक ग्रुप फाइनल में कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन एसओ भारत के खिलाड़ियों ने रोमांचक मुकाबला 4-3 से जीतकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली। केरल के रहने वाले मुहम्मद शहीर ने कुल सात गोल किए, जो किसी भी भारतीय खिलाड़ी द्वारा किए गए सबसे ज़्यादा गोल हैं।

घरेलू स्तर पर भी मैन्यूफैक्चरिंग के लिए गुणवत्ता मानक तय करना जरूरी

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। इस साल मार्च-अप्रैल में भारतीय मसाले की गुणवत्ता पर सिंगापुर समेत यूरोप के कुछ देशों ने सवाल उठा दिए और उसका नतीजा यह हुआ कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में मसाले निर्यात में पिछले साल के अप्रैल-जून की तुलना में 1.48 प्रतिशत की गिरावट आ गई जबकि पिछले तीन सालों से मसाले के निर्यात में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। मसाले से पहले चावल, आम जैसे खाद्य पदार्थ के अलावा बेबी क्लोथिंग, परफ्यूम स्प्रे, सॉल्ट लैंप जैसे आइटम यूरोप व अन्य देशों में गुणवत्ता में कमी की वजह से रिजेक्ट हो चुके हैं।

लेकिन उससे भी बड़ी बात यह है कि कई सामान तो देश के अंदर के उपभोक्ता ही खारिज कर रहे हैं। क्लोदिंग से लेकर फुटवियर तक ऐसे कई सामान हैं जो अंतरराष्ट्रीय मानक तक पहुंच ही नहीं पा रहा है। जबकि फुटवियर इंडस्ट्री की ओर से तो खुलेआम इसका विरोध किया जा रहा है। ऐसे में वह विश्व बाजार तक कैसे अपनी धमक बना पाएगा यह बड़ा सवाल है। अब वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय भारतीय माल को गुणवत्ता में कमी की वजह से रिजेक्ट होने से बचाने के लिए एक पोर्टल लांच करने जा रहा है जहां सभी देशों के गुणवत्ता मानक की जानकारी होगी। पोर्टल से निर्यातक जान पाएंगे कि निर्यात करने के लिए उनकी कैसी गुणवत्ता होनी चाहिए। यही वजह है कि वाणिज्य विभाग की तरफ से खाने-पीने की वस्तुओं को तैयार करने या उसे बाहर भेजने के दौरान किन-किन चीजों का ख्याल रखना है, इस बारे में विस्तृत गाइडलाइंस तैयार किए जा रहे हैं। भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के साथ वाणिज्य विभाग की बैठकें की जा रही हैं। ऐसी व्यवस्था भी की जा रही है कि विदेशी खरीदार भारत में फल की खेती तक को देख सकेंगे। हालांकि इस बात पर भी सवाल उठाया जा रहा है कि सिर्फ विदेश ही क्यों, घरेलू स्तर पर मसाले समेत अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की गारंटी क्यों नहीं सुनिश्चित की जा रही है। नया पोर्टल विदेशों में हमारे व्यापार को बढ़ावा देने में सहायक होगा यह तो अच्छी बात है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआइटी) की सलाह पर गुणवत्ता नियंत्रण नियम लागू करने का फरमान जारी किया है।

न्यूज़ ब्रीफ

चौथी पीढ़ी के एक्स-ट्रेल को लॉन्च करने वाली है निसान, 7-सीटर एसयूवी का 210 मिमी है ग्राउंड क्लीयरेंस

नई दिल्ली। चौथी पीढ़ी के एक्स-ट्रेल को निसान कंपनी जल्द लॉन्च करने वाली है। कंपनी के अनुसार, इस एसयूवी को सीबीयू के ज़रिए आयात किया जाएगा। भारत में इसे थ्री- रो एडिशन में लाया जाएगा। इसमें स्प्लिट-हेडलैंप सेटअप, डार्क क्रोम में तैयार वी-मोशन ग्रिल, प्लास्टिक क्लैडिंग के साथ गोल व्हील आर्च, डायमंड-कट अलॉय व्हील और रैपराउंड एलईडी टेल शामिल हैं। एक्स-ट्रेल डायमंड ब्लैक, शैंपेन सिल्वर और पर्ल व्हाइट कलर ऑप्शन में अवेलेबल होगी। एक्स-ट्रेल की लंबाई 4,680 मिमी, चौड़ाई 1,840 मिमी, ऊंचाई 1,725 मिमी और व्हीलबेस 2,705 मिमी लंबा है। 7-सीटर एसयूवी का 210 मिमी ग्राउंड क्लीयरेंस है और यह 255/45 आर 20 टायर के साथ आती है। टीजर से पता चलता है कि एक्स-ट्रेल में डुअल-पैन पैनोरमिक सनरूफ, डुअल-ज़ोन क्लाइमेट कंट्रोल, 8-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट, 12.3-इंच डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, वायरलेस स्मार्टफोन चार्जर होगा। इस एसयूवी को सीबीयू के रूप में लाया जाएगा तो इसकी कीमत 40 लाख-45 लाख रुपये के बीच होने की उम्मीद है। यह इसे टोयोटा फॉर्च्यूनर (33.43 लाख-51.44 लाख* रुपये), इसके लीजेंडर डेरिवेटिव (43.66 लाख-47.64 लाख* रुपये), स्कोडा कोडियाक (39.99 लाख रुपये), एमजी ग्लोस्टर (38.80 लाख रुपये) को टक्कर देगी। अन्य विशेषताओं में ड्राइव मोड, ऑटो-होल्ड फ़ंक्शन के साथ एक इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक और क्रूज़ कंट्रोल शामिल होगा। सेफ्टी के लिहाज से एक्स-ट्रेल में 7 एयरबैग, ऑटो वाइपर, एबीएस और ईबीडी, ट्रैक्शन कंट्रोल, एक सीमित-स्लिप अंतर, हिल-स्टार्ट असिस्ट और फ्रंट पार्किंग सेंसर शामिल हैं। इस एसयूवी को 1.5-लीटर तीन-सिलेंडर टर्बो-पेट्रोल इंजन के साथ पेश किया जाएगा और यह 12वी माइल्ड-हाइब्रिड सिस्टम के साथ आता है जो 163एचपी और 300 एनएम का उत्पादन करता है।

सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी तेजी रही, सेंसेक्स 80,600 पर और निफ्टी 24,530 पर बंद

मुंबई। पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में लगभग एक फीसदी की तेजी दर्ज की गई। मोहर्रम के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहने से एक दिन कम कारोबार हुआ। सप्ताह की शुरुआत में तेजी के साथ खुले शेयर बाजार मुनाफावसूली और तकनीकी दिक्कतों के कारण वैश्विक स्तर पर हुई बिक्री के चलते गिरावट के साथ बंद हुए। पिछले सप्ताह शेयर बाजार में तीन दिन तेजी और एक दिन गिरावट दर्ज की गई। पिछले सप्ताह के चार कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो वैश्विक बाजारों में तेजी की वजह से सप्ताह पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयर वाला सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 290.46 अंक चढ़कर 80,809.80 अंक पर खुला और 145.52 अंक चढ़कर 80,664.86 अंक के नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 95.85 अंक की बढ़त के साथ 24,598 अंक के नए रिकॉर्ड स्तर पर खुला और 84.55 अंक की बढ़त के साथ 24,586.70 अंक के नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। वैश्विक बाजार में बढ़त के बीच भारतीय बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स मंगलवार को बढ़त के साथ कारोबार करते दिखे।

नवीन जिंदल की कंपनी के सीईओ पर यौन उत्पीड़न का आरोप, भाजपा सांसद ने शिकायतकर्ता को दिया यह भरोसा

नई दिल्ली। जिंदल स्टील एंड पावर के चेयरमैन नवीन जिंदल ने कोलकाता से अबू धाबी जा रहे एक विमान में उनके समूह के एक सीईओ पर लगे छेड़छाड़ के आरोपों की जांच कराने का वादा किया है।

उन्होंने कहा है जिंदल समूह की ऐसे मामलों में कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति है। उद्योगपति नवीन जिंदल ने एक्स पर शिकायतकर्ता के एक पोस्ट के जवाब में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, ... इस बारे में आवाज उठाने के लिए बोलने के लिए धन्यवाद! आपने जो किया उसे करने के लिए बहुत साहस चाहिए और मैं चाहता हूं कि आप यह जान लें कि हमारे पास ऐसे मामलों के लिए शून्य सहिष्णुता की नीति है। मैंने टीम से तुरंत मामले की जांच करने को कहा है और उसके बाद सख्त से सख्त और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि जिंदल की एक कंपनी की सीईओ ने कोलकाता से अबू धाबी जाने वाले विमान में उसके साथ छेड़छाड़ की थी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत में अफवाहें ...

यूएस स्टेट डिपार्टमेंट मीडिया सेवी युवाओं के सशक्तिकरण प्रोजेक्ट के नाम पर 160 युवाओं को यूथ मास्टर ट्रेनर (वाईएमटी) के तौर पर ट्रेनिंग देने की तैयारी कर रहा है, जिसके लिए 320 सत्र आयोजित होंगे और वो फिर आगे इन्फ्लूएंसर के तौर पर 32000 लोगों को प्रभावित करेंगे। इनमें से 60 लोगों को आगे की ट्रेनिंग के लिए चुना जाएगा, जिनके टारगेट पर 36 हजार लोग होंगे। ये सभी लोग भारत के अंदर अमेरिका के पक्ष में माहौल बनाने के लिए तैयार किए जाएंगे, ताकि भारत के अंदर अमेरिका को लेकर नेगेटिव फीलिंग्स को खत्म किया जा सके।

साफ है कि अमेरिकी प्रोजेक्ट का मकसद भारतीय युवाओं का ब्रेनवॉश कर अमेरिकी तरीके से सोचने और अमेरिका के पक्ष में सोचने के लिए तैयार किया जाएगा। भले ही अमेरिका इसे कोई भी नाम दे, लेकिन हकीकत यही रहेगी कि ये कथित इन्फ्लूएंसर या फैक्ट चेकर अमेरिकी बोली बोलने के लिए तैयार किए जा रहे हैं। मकसद साफ है कि अगर कभी भारत और अमेरिका के बीच किसी तरह का तनाव भी हो, तो इन इन्फ्लुएंसर्स का इस्तेमाल कर भारत में भारत के ही खिलाफ माहौल तैयार करने की कोशिश की जाएगी। जैसा कि कई देशों में अमेरिका पहले से भी करता आया है। खासकर युद्ध ग्रसित देशों में, जहां स्थानीय लोगों को सरकारों के खिलाफ खड़ा कर बड़े-बड़े आंदोलन चलाए जाते हैं और सरकारों को अमेरिकी इशारे पर गिराया तक जाता है।

भारत में इस तरह की ट्रेनिंग देने वाले किसी एक संगठन को चुना जाएगा, जिसे 12-18 महीने में अमेरिकी सोच को बढ़ावा देने में तैयार रहने वाले इन्फ्लुएंसर्स की फौज तैयार करनी होगी और उसे 1.50 लाख डॉलर से लेकर 2 लाख डॉलर तक की रकम दी जाएगी। इस काम के लिए 5 तरह से संगठनों में से कोई एक चुना जाएगा। मसलन, एनजीओ, सिविल सोसायटी, थिंक टैंक, सार्वजनिक या निजी शैक्षणिक संस्थान और कोई भी इंटरनेशनल संस्था या सरकारी संस्थान। जिस भी संस्था या उपरोक्त लिस्ट में से किसी को इस काम के लिए चुना जाएगा, उसे अपने टारगेटेड ग्रुप के लिए एक ट्रेनिंग बुक तैयार करनी होगी। इस ट्रेनिंग बुक को हिंदू, तमिल, तेलुगू, मराठी और बंगाली भाषा में ट्रांसलेट भी किया जाएगा।

इसके लिए हर शहर से 32 ग्रेजुएट युवकों-युवतियों को लर्निंग टू डिस्कर्न (एल2डी) के लिए चुना जाएगा, ताकि उन्हें यंग मास्टर ट्रेनर बनाया जा सके और फिर उन्हें बतौर ट्रेनर काम करने के लिए तैयार होने के लिए भी एक ट्रेनिंग दी जाएगी, जिसे ट्रेनर्स के लिए ट्रेनिंग (टीओटी) कार्यक्रम कहा जाएगा। इस तरह 320 युवकों-युवतियों को स्कूलों, एनजीओ, कॉलेजो और यूनिवर्सिटीज में जाकर कम से कम 32 हजार युवाओं तक अपने विचार पहुंचाने होंगे, यानी इन्फ्लूएंस करना होगा, उनके साथ संपर्क बनाना होगा। इसके लिए कई शहरों में मीडिया लिटरेसी प्रोग्राम का आयोजन कराया जाएगा।

कोलकाता, हैदराबाद, चेन्नई, मुंबई और दिल्ली जैसे पांच शहरों से 12 लोगों को चुना जाएगा, जिन्हें और भी ज्यादा अच्छे तरीके से ट्रेंड करने के लिए कम से कम 1 लाख फॉलोअर्स वाले सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर के साथ काम करने का मौका मिलेगा। अमेरिकी विदेश विभाग ने अपने बयान में कहा है कि ट्रेनिंग करने वाले युवा भारतीय समाज में मीडिया लिटरेसी और क्रिटिकल थिंकिंग को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया अभियान चलाएँगे। इसे इस बात से समझा जा सकता है कि वो अमेरिकी नजरिए से सही मानी जाने वाली चीजों को लेकर भारतीय लोगों का नजरिया बदलने का काम करेंगे। इसी प्रोजेक्ट के तहत 36 हजार युवाओं को एक खास कम्युनिटी के तौर पर तैयार किया जाएगा। (अब कोई बात 36 हजार लोग पूरे देश से एक साथ कहें, तो सोचिए कि उस बात का कितना असर पहुंचेगा।)

यूएस स्टेट डिपार्टमेंट ने कहा, यूथ ट्रेनिंग बुक में अमेरिकी शिक्षा और भारत में अमेरिकी स्पेस को लेकर एक खास पाठ होगा। जो अलग-अलग सोच रखने वाले लोगों तक पहुंचाई जाएगी। खास बात ये है कि यूएस स्टेट डिपार्टमेंट कह रहा है कि वो पक्षपात वाली राजनीतिक गतिविधियों, खास धार्मिक गतिविधियों या खास कानूनों के पक्ष में माहौल बनाने से जुड़ी बातों का समर्थन नहीं करता है। (लेकिन सोचिए, कल को अमेरिका भारत में एनआरसी या सीएए जैसे कानूनों का विरोध करने के लिए और उसके विरोध में हवा बनाने के लिए इन पेड युवाओं को काम पर चला दे तो क्या होगा?)

इस प्रोजेक्ट के लिए जिस ग्रुप, संस्था का चुनाव किया जाएगा, उसे मीडिया प्रेमी युवाओं को सशक्त बनाने के लिए तैयार किए जाने वाले युवाओं को लुभाने के लिए एक स्पेशल डिजिटल या ऑफलाइन तैयारी करनी होगी, ताकि वो इन युवाओं को अपनी ओर खींच सके। इससे जुड़ने वाले युवाओं को स्थानीय सरकारी एजेंसियों, निजी क्षेत्रों और एनजीओ से भी संबंध बनाकर चलने होंगे। यही नहीं, एक सोशल मीडिया प्रोजेक्ट भी बनाना होता, ताकि इस पूरे काम पर निगरानी यानी नजर रखी जा सके। इस पूरे प्रोजेक्ट के बारे में समय-समय पर यूएस स्टेट डिपार्टमेंट के अनुदान अधिकारी (जो पैसे देगा), उसके प्रतिनिधि या अमेरिकी डायरेक्टर्स को ई-मेल, फोन, वीडियो कॉन्फ्रेंस कॉल या फिर निजी रूप से मिलकर रिपोर्ट करना होगा। यानी पूरी तरह से उनकी मनमर्जी के मुताबिक काम चल रहा है या नहीं, इसकी जानकारी समय-समय पर देनी होगी।

गुरुवार 17 जुलाई को भारत में अमेरिकी दूतावास ने भारतीय सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर और कंटेंट क्रिएटर्स को एक्टिव सिटिजन के बारे में जानकारी देने के लिए आमंत्रित किया था, जिन्हें सामाजिक मुद्दों को लेकर सोशल मीडिया में जागरूकता लाने की ट्रेनिंग दी जाएगी। इस ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए अमेरिकी दूतावास ने यूट्यूबर देशभक्त आकाश बनर्जी को चुना है, जिसे वामपंथी कूड़े को सर्कुलेट करने और बीजेपी को निशाना बनाने के लिए जाना जाता है।

पहली नजर में स्पष्ट है कि यूएस स्टेट डिपार्टमेंट की भारत के अंदर मीडिया लिटरेसी नहीं, बल्कि भारत की अंदरूनी राजनीतिक परिदृश्य में हेरफेर की नीयत है, जो बिल्कुल भी अच्छी नहीं कही जा सकती। मार्च माह की शुरुआत में एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी, जिसमें अमेरिकी दूतावास ने महिला इतिहास को लेकर खास महीने में कथित जागरुकता फैलाने के लिए सायमा नाम की हिंदू विरोधी इस्लामिक कट्टरपंथी महिला को आमंत्रित किया था। हालांकि लोगों ने सायमा के हिंदू-विरोधी और कट्टर इस्लामिक विचारों को लेकर अमेरिकी दूतावास को चेताया भी था, फिर भी वो सायमा को अपने सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से प्रमोट करने में बाज नहीं आया।

मई 2023 में अमेरिका फर्स्ट लीगल (एएफएल) ने खुलासा किया कि कैसे यूएस स्टेट डिपार्टमेंट का ग्लोबल इंगेजमेंट सेंटर (जीईसी) निजी मीडिया आउटलेट्स के साथ मिलकर डीप स्टेट प्रोपेगेंडा को बढ़ावा दे रहा था। एएफएल ने सूचना की स्वतंत्रता अधिनियम (एफओआईए) के तहत जीईसी के खिलाफ दस्तावेज हासिल किए। जिसमें खुलासा हुआ कि वैक्सीन के खिलाफ माहौल बनाने, चुनाव को प्रभावित करने और कोविड-19 की वैक्सीन को लेकर अमेरिकी लोगों को टारगेट किया गया और उनके मन को बदला गया।

इस संगठन ने खुलासा किया कि यूएस स्टेट डिपार्टमेंट का ग्लोबल इंगेजमेंट सेंटर (जीईसी) ग्लोबल मीडिया नैरेटिव को कंट्रोल करने के लिए इंटरनेशनल फैक्ट-चेकिंग नेटवर्क (आईएफसीएन) से जुड़े जॉर्ज सोरोस के पैसों पर पलने वाले फैक्ट चेकर्स के साथ भी मिलकर काम करता है। अमेरिका फर्स्ट लीगल ने बताया कि फैक्ट-चेकर, जो इस समय जीईसी के साथ काम कर रहे हैं, उन्हें ओमिडयार नेटवर्क, गूगल, फेसबुक और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन जैसी संस्थाओं से भी पैसे मिलते हैं। यही नहीं, अमेरिका फर्स्ट लीगल ने खुलासा किया है कि अमेरिका का ग्लोबल इंगेजमेंट सेंटर ट्यूनीशिया जैसे देशों में ठीक उसी तरह का प्रोपेगेंडा चला रहा है, जिसका जिक्र हम ऊपर कर चुके हैं।

अमेरिका फर्स्ट लीगल के अनुसार, ईमेल की जांच से पता चला है कि आईएफसीएन मिस्र में अपने कार्यक्रमों के लिए और अधिक पैसों करने के लिए यूएस स्टेट डिपार्टमेंट पर प्रेशर डाल रहा है। वैसे, बीते 15 सालों को देखें तो मिस्र राजनीतिक रूप से कितना अस्थिर रहा है, और उसमें अमेरिका का कितना हाथ हो सकता है, ये सारा खेल समझ में आ जाएगा। यही नहीं, अमेरिका फर्स्ट लीगल की टीम ने कुछ ऐसे ई-मेल भी हासिल किए हैं, जिससे साफ होता है कि यूएस स्टेट डिपार्टमेंट अपने जीईसी के माध्यम से पैसे पाने वाले पत्रकारों को धमका रहा है कि वो जल्द से जल्द उसके नरेटिव के हिसाब से खबरों, कहानियों, सूचनाओं को प्रसारित करें, ताकि जिस काम के लिए उन्हें रखा गया है, वो आगे बढ़ाया जा सके।

यूएस स्टेट डिपार्टमेंट पूरी दुनिया में जो डर्टी ट्रिक अपनाता रहा है, वो अब तक भारत में करीब-करीब फेल ही रहा है। हालांकि इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि अमेरिका ने भारत में ऐसी कोशिशें न की हो, लेकिन अब वो अपनी कोशिशों को नेक्स्ट लेवल पर ले जाने की तैयारी कर रहा है। ऐसे में न सिर्फ लोगों को, बल्कि भारत सरकार को भी सतर्क रहना होगा, क्योंकि ऐसे भाड़े के टट्टू फैक्ट चेकर कब भारत के खिलाफ ही अमेरिकी इशारे पर आग उगलना शुरू कर दें, कुछ कहा नहीं जा सकता।

आतंकियों को...

गांव में दो आतंकवादियों को मार गिराया था और माना जा रहा था कि वे पाकिस्तान से घुसपैठ कर आए थे।

चार साल पहले नवंबर 2020 में हुए नगरोटा मुठभेड़ में भी यह बात सामने आई थी कि बन टोल प्लाजा पर जैश ए मोहम्मद के चार आतंकी जिस ट्रक में छिपकर पहुंचे थे, उसमें उनके छिपने के लिए एक खास बंकर बना हुआ था, और उस पर फर्जी प्लेट लगी हुई थी। मुठभेड़ से पहले वह ट्रक पंजाब गया था और पंजाब में कई दिनों तक ठहरने के बाद वह जम्मू की तरफ आया था। इन आतंकियों ने सुरंग के जरिए पंजाब के बमियाल सेक्टर में घुसपैठ की, और ट्रक में सवार हो गए। बन टोल प्लाजा पर चेकिंग के लिए जब ट्रक को रोका गया, तो उन्होंने गोली चला दी। इस मुठभेड़ में सारे आतंकवादी मार गिराए गए थे। उस समय यह खुलासा हुआ था कि पाकिस्तान खालिस्तानी आतंकियों के जरिए कश्मीरी आतंकवादियों की मदद कर रहा है।

पंजाब की सीमा पर पाकिस्तान की तरफ से ड्रग्स के अलावा ड्रोन से हथियार भी गिराए जाते हैं। ड्रग्स की यह साजिश सीमा पार पाकिस्तान में बैठे प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन के साथ खालिस्तानी आतंकी संगठनों के गुर्गे अंजाम दे रहे हैं। ड्रग्स का पैसा आतंकियों को पहुंचाया जाता है, जहां वे इसे ओजीडब्लू को देने के लिए इस्तेमाल करते हैं। हाल ही में हुए कठुआ एनकाउंटर में मारे गए आतंकी के पास से बड़ी मात्रा में नकदी मिली थी। 19 जून को रियासी हमले के बाद एक ओजीडब्ल्यू हकीमदीन ने पुलिस पूछताछ में बताया था कि तीनों आतंकवादियों ने उसके घर में शरण ली थी और बदले में उसे 6,000 रुपए दिए थे। वह उनके गाइड के रूप में काम करता था और उसने उन्हें जंगलों के रास्ते हमले की जगह तक पहुंचाने में आतंकियों की मदद की थी। 2023 की एक रिपोर्ट के मुताबिक कश्मीर डिवीजन के बारामूला में 26, हंदवाड़ा में 496, कुपवाड़ा में 32, रियासी में 182, कठुआ में 135, डोडा में 74, राजौरी में 80 और किश्तवाड़ 135 में ओवर ग्राउंड वर्कर एक्टिव हैं।

जम्मू डिवीजन में सक्रिय आतंकवादियों के खतरे से निपटने के लिए 26 इन्फैंट्री डिवीजन की कुछ टुकड़ियों को डोडा क्षेत्र में भेजा गया है। 26वीं इन्फैंट्री डिवीजन के जवान कठुआ और चिनाब के दक्षिणी तट के बीच के इलाके में तैनात हैं, जिसका लगभग 130 किलोमीटर का इलाका नदी और पहाड़ी है। आतंकवादियों के सफाए के लिए 170 किलोमीटर के इलाके में सेना के 2000 जवानों ने घेरा डाल रखा है और चप्पे-चप्पे की तलाशी ली जा रही है।

पिछले कुछ दिनों में जम्मू-कश्मीर के बाहर से एक ब्रिगेड मुख्यालय, तीन इन्फेंट्री बटालियन और लगभग 500 पैरा स्पेशल फोर्स कमांडो को तैनात किया गया है। ये अतिरिक्त सैनिक जम्मू क्षेत्र में चल रहे आतंकवाद विरोधी अभियानों में मदद करेंगे। सीएपीएफ (केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल) जवानों को भी शामिल किया जा रहा है। मई 2020 में चीनी घुसपैठ के बाद सेना की विशेष आतंकवाद रोधी राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) की यूनिफॉर्म फोर्स (लगभग 18,000 जवानों के साथ) को पूर्वी लद्दाख में भेजने के बाद जम्मू डिवीजन में सैनिकों की संख्या में कमी आई थी। सेना के पास, अभी भी आरआर की रोमियो फोर्स (राजौरी, पुंछ रियासी) और डेल्टा फोर्स (डोडा, उधमपुर और किश्तवाड़) हैं, जिनमें से प्रत्येक में लगभग 15,000 जवान हैं, साथ ही जम्मू क्षेत्र में नियमित इन्फैंट्री बटालियन भी तैनात है।

आतंकवादी कर रहे ...

सेना के एक प्रवक्ता ने शुक्रवार को कहा, गुरुवार को केरन सेक्टर में एलओसी पार से आतंकी घुसपैठ की कोशिश को सुरक्षाबलों ने नाकाम कर दिया था। भीषण गोलीबारी में दो विदेशी आतंकी मारे गए थे। इनके पास से हथियारों के जखीरे के अलावा एक पाकिस्तानी पहचान पत्र भी बरामद हुआ था। कहा, पिछले कुछ हफ्तों में एलओसी पर यह तीसरा सफल घुसपैठ विरोधी अभियान था। सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, ऑस्ट्रिया निर्मित बुलपप असॉल्ट राइफल, स्टेयर एयूजी का इस्तेमाल अफगानिस्तान में नाटो बलों द्वारा किया जाता था और जब 2021 में एक समझौते के तहत नाटो बल वहां से निकले तो कई हथियार तालिबानियों द्वारा लूट लिए गए अथवा वहीं छोड़ दिए गए। बाद में ऐसे हथियार अवैध रूप से बेच दिए गए। यह राइफल पाकिस्तान में एसएसजी द्वारा भी इस्तेमाल की जा रही है। इसलिए मारे गए आतंकियों से ऐसी राइफल का मिलना पाकिस्तानी सेना और दहशतगर्दों के बीच गठजोड़ को उजागर करता है।

अब मध्य ...

इससे पहले भी वर्ष 2017 में अमेरिका निर्मित कई हथियार आतंकियों से बरामद किये गए थे, जिसमें एम-4 कार्बाइन पहली बार बरामद हुई थी। यह कार्बाइन राइफल 1962 में बनी एम16 का एडवांस वर्जन है। यह 1990 में बनी थी और इसे भी अफगानिस्तान में अमेरिकी व नाटो फोर्स इस्तेमाल कर रही थी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश की 29 औद्योगिक इकाइयों का लोकार्पण और 38 औद्योगिक इकाइयों का भूमिपूजन किया। कुल 67 इकाइयों की शुरुआत की। इन परियोजनाओं में 1,500 करोड़ रुपए का निवेश होगा। करीब 4,500 लोगों को रोजगार मिलेगा। प्रदेश की 265 इकाइयों को 340 एकड़ भूमि के आवंटन के लिए आशय पत्र जारी किए गए। 1,800 करोड़ रुपए का निवेश होगा। 12,000 लोगों को रोजगार मिलेगा। प्रदेश में 16 औद्योगिक पार्क के माध्यम से कुल 517 लघु, मध्यम और सूक्ष्म उद्योगों द्वारा पौने छह हजार करोड़ का निवेश हुआ है। इससे 20 हजार लोगों को रोजगार मिला है। कॉन्क्लेव में मध्य प्रदेश की विशेषताओं पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। जबलपुर की रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में चार हजार से ज्यादा निवेशक जुटे। उद्यमियों से वन-टू-वन चर्चा भी हुई। कॉन्क्लेव में पांच सेक्टर्स एग्रो, माइंस, डिफेंस, टूरिज्म और गारमेंट्स पर फोकस किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य की खनिज नीति के संदर्भ में मार्गदर्शक पुस्तिका का विमोचन किया। कॉन्क्लेव में हीडलबर्ग सीमेंट के सीईओ जॉयदीप मुखर्जी, प्रतिभा सिंटेक्स के एमडी श्रेयस्कर चौधरी, वीई कमर्शियल व्हीकल के एमडी विनोद अग्रवाल और एसआरएफ लिमिटेड के सीएमडी आशीष भारतम ने प्रदेश में निवेश के अनुभव साझा किए। मुखर्जी ने कहा कि उन्हें लीडरशिप पर भरोसा है। चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की कथनी और करने में अंतर नहीं है। वॉल्वो आयशर के विनोद अग्रवाल ने कहा कि उन्हें मध्य प्रदेश में 35 हजार से अधिक लोगों को रोजगार देकर खुशी हुई है। मध्य प्रदेश भारत का दिल है और अब सरताज भी बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अग्रवाल से आग्रह किया कि वे मध्य प्रदेश में रिसर्च सेंटर भी प्रारंभ करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में उद्योगपतियों से मध्यप्रदेश में निवेश करने का आमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सिर्फ पांच मेडिकल कॉलेज होते थे। अब यह संख्या 25 होने वाली है। प्रदेश में फार्मा सेक्टर की 275 यूनिट काम कर रही हैं। अकेले पीथमपुर में ही 60 इकाइयां हैं। प्रदेश से 160 से अधिक देशों को फार्मा प्रोडक्ट भेजे जाते हैं। फूड प्रोसेसिंग में हम 150 प्रतिशत प्रोत्साहन देने को तैयार हैं। उद्योगों को पानी और बिजली की आपूर्ति की कोई कमी नहीं है। आठ मेगा फूड पार्क संचालित हो रहे हैं। दो और मेगा फूड पार्क आ रहे हैं।

अडानी पावर, नेटलिंक, वैद्यनाथ ग्रुप, दावत फूड्स, वॉल्वो आयशर, एवीएनएल, एनसीएल, स्वराज शूटिंग, लोहिया एनर्जी, आदिशक्ति राइस मिल, फिनिक्स पोल्ट्री, इंफोविजन दुबई और दलित चैम्बर ऑफ कॉमर्स (डिकी) सहित अनेक उद्योग संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे। प्रमुख सचिव राघवेंद्र कुमार सिंह सभी निवेशकों को 7-8 फरवरी 2025 को भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर सम्मिट में सहभागिता के लिए आमंत्रित किया। बैद्यनाथ ग्रुप, आईटीसी, वॉल्वो आयशर, बेस्ट कॉर्प, एसआरएफ और दावत ग्रुप जैसे प्रमुख उद्योगों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। ताइवान, मलेशिया, यूके, फिजी, कोस्टा रिका और इंडोनेशिया जैसे देशों के प्रतिनिधि भी कॉन्क्लेव में शामिल हुए।

कॉन्क्लेव ने 700 से अधिक बायर-सेलर मीट के लिए एक प्लेटफॉर्म का काम किया। इससे व्यवसायों और संभावित निवेशकों में सीधी बातचीत की सुविधा मिली। मुख्यमंत्री और प्रमुख उद्योगपतियों के बीच लगभग 30 वन-टू-वन बैठकें हुईं।

सेना के 7 बड़े ...

उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश में भारतीय थल सेना के 7 बड़े महत्वपूर्ण केंद्र हैं, जहां से सेना को ताकत मिलती है। सैन्य भाषा में इन केंद्रों को सेना का पावर सेंटर भी कहा जाता है। भारतीय थलसेना का महार रेजिमेंटल सेंटर मध्य प्रदेश के सागर में स्थित है। सेना का संगीत विद्यालय (मिलिट्री स्कूल ऑफ म्यूजिक) मध्य प्रदेश के पचमढ़ी में स्थित है। यहां संगीत के साथ-साथ हथियारों की भी ट्रेनिंग दी जाती है। भारत के अलावा यहां 14 देशों की सेनाओं का प्रशिक्षण होता है। सेना शिक्षा कोर (आर्मी एडुकेशन कोर) का मुख्यालय भी मध्य प्रदेश के पचमढ़ी में ही स्थित है। सेना का सामग्री प्रबंधन कॉलेज (मैटीरियल मैनेजमेंट कॉलेज) मध्य प्रदेश के जबलपुर में स्थित है। यहां सैनिकों को प्रबंधन की भी ट्रेनिंग दी जाती है। सेना का दूरसंचार इंजीनियरिंग सैन्य कॉलेज (मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकॉम इंजीनियरिंग) मध्य प्रदेश के ही महू में स्थित है। भारतीय सेना उभरते हुए प्रौद्योगिकी डोमेन के क्षेत्र में स्थिर और महत्वपूर्ण प्रगति कर रही है, इसमें महू के दूरसंचार इंजीनियरिंग सैन्य कॉलेज का काफी योगदान है। यहां चयनित सैनिकों और अफसरों को कई तरह के तकनीकी अध्ययन, शोध और प्रशिक्षण की सुविधाएं दी जाती हैं। मध्य प्रदेश के महू में ही सेना का इन्फैंट्री स्कूल स्थित है। यहां युवाओं को आर्मी के लिए ट्रेंड किया जाता है। भारतीय सेना का युद्ध महाविद्यालय (कॉलेज ऑफ कॉम्बैट) भी महू में स्थित है। यहां सैनिकों और अफसरों को युद्ध के लायक प्रशिक्षित किया जाता है। यहां अलग से पैरा कमांडोज़ को भी प्रशिक्षित किया जाता है।

आस्था के खिलाफ...

उन्होंने कहा कि भारत में मूर्ति पूजा होती है जो आकार से परे निराकार से जुड़ी है। हर किसी के लिए निराकार तक पहुंचना संभव नहीं है, इसलिए हर किसी को कदम दर कदम आगे बढ़ना होगा। इसलिए मूर्तियों के रूप में एक आकार बनाया जाता है।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि मूर्तियों के पीछे एक विज्ञान है, भारत में मूर्तियों के चेहरे पर भावनाएं भरी होती हैं जो दुनिया में हर जगह नहीं मिलती हैं। राक्षसों की मूर्तियों में दर्शाया गया है कि वे किसी भी चीज़ को अपनी मुट्ठी में कसकर पकड़ लेते हैं। राक्षसों की प्रवृत्ति हर चीज़ को अपने हाथ में रखने की होती है। हम अपनी मुट्ठी में (अपने नियंत्रण में) लोगों की रक्षा करेंगे। इसलिए वे राक्षस हैं। लेकिन भगवान की मूर्तियां कमल को थामे हुए धनुष को भी थामे रहती हैं। उन्होंने कहा कि साकार से निराकार की ओर जाने के लिए एक दृष्टि होनी चाहिए। जो लोग आस्था रखते हैं, उनके पास दृष्टि होगी।

प्रौद्योगिकी पर...

माइक्रोसॉफ्ट ग्लोबल आउटरेज के कारण अरबों डॉलर का नुकसान हुआ। भारत भी अछूता नहीं रहा और कई फ्लाइट कैंसिल करनी पड़ी। दूसरे दिन भी इसका असर जारी रहा। माइक्रोसॉफ्ट ग्लोबल आउटरेज के कारण सबसे ज्यादा प्रभावित एविएशन सेक्टर हुआ। भारत में भी सैकड़ों की संख्या में फ्लाइट्स को कैंसिल करना पड़ा। फ्लाइट कैंसिल होने के बाद एयरपोर्ट पर भीड़ जमा हो गई और यात्रियों के बीच हडकंप भी मच गया। शनिवार को उड्डयन मंत्रालय ने कहा कि शनिवार से सभी एयरपोर्ट पर एयरलाइन सिस्टम काम करने लगे हैं और फ्लाइट्स सही तरीके से चल रही हैं, लेकिन दिक्कतें अभी गई नहीं हैं, उसे ठीक किया जा रहा है। नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर महोल ने कहा कि आउटरेज के कारण उड़ान संचालन में समस्याएं थी। अब माइक्रोसॉफ्ट ने समस्या का समाधान कर दिया है और फ्लाइट्स फिर से शुरू हो गई है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि जिनकी फ्लाइट्स कैंसिल हुई है, उनके रिफंड पर फोकस किया जा रहा है और जल्द ही रिफंड जारी कर दिए जाएंगे। मंत्री ने कहा कि जिन लोगों ने इंश्योरेंस ले रखा है, उनको इसका लाभ मिलेगा और मंत्रालय इस पर अपडेट जारी करेगा। अब चेक इन करने में भी कोई समस्या नहीं आ रही है। जबकि एयरपोर्ट पर अभी भी भीड़ है और फ्लाइट्स नॉर्मल होने में वक्त लगेगा। तरीके से चल रही है। जमीनी हालात यही हैं।

भीषण नुकसान ...

वैश्विक बाजार में माइक्रोसॉफ्ट को एप्पल की तरह तकनीक दिग्गज (टेक जायंट) कंपनियों की श्रेणी में रखा जाता है। आईटी आउटेज से पहले माइक्रोसॉफ्ट का कुल बाजार मूल्य 3.27 लाख करोड़ डॉलर था। अगर कंपनी के एक शेयर की कीमत में 0.1 फीसदी की भी कमी आती है, तो कंपनी को लगभग 3.33 बिलियन डॉलर (2.78 खरब रुपए) का नुकसान होता है।

स्टॉकलिटिक्स के एक प्रवक्ता ने कहा, माइक्रोसॉफ्ट, तकनीक दिग्गजों में से एक कंपनी है। इतने बड़े आकार के आउटेज की वजह से दुनिया भर की कंपनियों पर उल्लेखनीय असर पड़ने वाला है। उन्होंने आगे कहा कि इस तकनीक दिक्कत की वजह से माइक्रोसॉफ्ट के बाजार मूल्य पर भी असर पड़ा है। कुछ ही घंटों में कंपनी को 23 बिलियन डॉलर (19.25 खरब रुपए) का नुकसान झेलना पड़ा है। माइक्रोसॉफ्ट पर दुनियाभर की बड़ी कंपनियों को भरोसा है। इसलिए कंपनी को बहुत कम समय में इस नुकसान की भरपाई करनी होगी।

सत्ता नहीं, पर ...

बीआरएस की अव्ययित आय सबसे अधिक 680 करोड़ रुपए थी। उसके बाद बीजू जनता दल की 171 करोड़ रुपए और डीएमके की 161 करोड़ रुपए रही थी। इसके विपरीत 20 पार्टियों ने कमाई से ज्यादा खर्च होने की जानकारी दी। इसमें जनता दल (सेक्युलर) ने अपनी आय से 490 प्रतिशत अधिक खर्च किया। रिपोर्ट में बताया गया है कि दान और चुनावी बांड से पार्टियों को सबसे ज्यादा पैसा मिला, जिसकी राशि एक हजार करोड़ रुपए थी।

फरवरी 2024 में एडीआर ने 6 नेशनल पार्टियों की कमाई और खर्च की रिपोर्ट जारी की थी। रिपोर्ट के मुताबिक, नेशनल पार्टियों ने वित्त वर्ष 2022-23 में अपनी कुल आय लगभग 3077 करोड़ रुपए घोषित की। भाजपा ने सबसे ज्यादा कमाई (2361 करोड़ रुपए) और सबसे ज्यादा खर्च (1361.68 करोड़ रुपए) किया। कांग्रेस 452.375 करोड़ रुपए की आय के साथ दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है, जबकि पार्टी ने 467.13 करोड़ रुपए खर्च किए।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने यह भी बताया है कि राज्यसभा के 225 सदस्यों में 27 यानी (12 प्रतिशत) अरबपति हैं। अरबपति सांसदों में सबसे ज्यादा संख्या भाजपा के सदस्यों की है। 225 में भाजपा के 85 सदस्य हैं, जिनमें 6 यानी 7 प्रतिशत सांसद अरबपति हैं। कांग्रेस के 30 सदस्यों में 4 यानी 13 प्रतिशत अरबपति हैं।

क्षेत्रीय पार्टियों में तमिलनाडु की डीएमके की कमाई 214.3 करोड़ रुपए रही और खर्च 52.62 करोड़ रुपए रहा। ओड़ीशा के बीजू जनता दल की कमाई 181.05 करोड़ और कमाई 9.8 करोड़ रुपए रही। एडीआर की रिपोर्ट में इस बात का भी खुलासा हुआ है कि कई पार्टियों ने अपनी आमदनी के हिसाब से अधिक खर्च किया था। 19 रीजनल पार्टियों ने अव्यवस्थित तरीके से अर्जित आय को घोषित किया है। बीआरएस की सबसे अधिक आय 680 करोड़ रुपए रही। उसके बाद बीजू जनता दल की कमाई 171 करोड़ रुपए और डीएमके की कमाई 161 करोड़ रुपए रही। वहीं जेडीएस एक ऐसी पार्टी रही। उसने अपनी आय से अधिक खर्च किया।

सावन में पहली बार लाने जा रहे हैं कांवड़ तो जान लें नियम, ऐसे करें तैयारी

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, सावन पांचवा महीना माना जाता है। इस साल सावन के महीने की शुरुआत 22 जुलाई से हो रही है। इस दिन सोमवार पड़ रहा है, जिससे सावन का महत्व और भी बढ़ गया है। सावन का महीना भगवान शिव को बहुत प्रिय माना जाता है। शिव पुराण में भी सावन माह की महिमा का वर्णन किया गया है। सावन माह की शुरुआत के साथ ही कांवड़ यात्रा की शुरुआत भी हो जाती है। इस दौरान कांवड़ियों में बहुत ही उत्साह देखने को मिलता है। भगवान शिव की कृपा पाने के लिए सावन में कांवड़ यात्रा करना बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। कावड़ यात्रा को लेकर कई पौराणिक कथाएं प्रचलित है। प्रभु श्री राम, भगवान परशुराम, श्रवण कुमार और रावण ने भी कावड़ यात्रा की थी।

कांवड़ यात्रा का महत्व

कांवड़ यात्रा किसी मनोकामना पूर्ति के लिए की जाती है। किसी पवित्र नदी का जल कांवड़ में लाया जाता है, फिर उससे भगवान शिव का जलाभिषेक किया जाता है। भक्त अपने घर से कांवड़ लेकर निकलते हैं और पवित्र नदी से जल भरते हैं, यात्रा करते हैं और फिर भगवान शिव का अभिषेक करते हैं। यही कांवड़ यात्रा कहलाती है।

ऐसे करें कांवड़ यात्रा की तैयारी

कांवड़ यात्रा करने के लिए सबसे पहले लकड़ी की बनी हुई कांवड़ की व्यवस्था करनी चाहिए।

इसके बाद भगवान शिव की तस्वीर और कांवड़ को सजाने का श्रृंगार उपलब्ध करना चाहिए।

एक ऐसा पात्र रखें, जिसमें गंगाजल या किसी पवित्र नदी का जल भरा जा सके।

कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़िए गेरुआ या केसरिया रंग के वस्त्र धारण करते हैं। इसके अलावा कुछ जरूरी दवाएं भी अपने साथ रखें।

इन बातों का रखें ध्यान

भगवान शिव का समर्पित कांवड़ यात्रा श्रद्धा और समर्पण का प्रतीक होती है। कांवड़ यात्रा के दौरान कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना चाहिए।

इस दौरान किसी भी प्रकार के नशे शराब, पान, तंबाकू, गुटखा, सिगरेट, तामसिक चीजों आदि का सेवन नहीं करना चाहिए।

इस दौरान श्रद्धा-भक्ति और दृढ़ता की परीक्षा होती है। इसमें आपको अपने लक्ष्य पर ध्यान देना चाहिए। आपको भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने के उद्देश्य से भटकना नहीं चाहिए।

कावड़ यात्रा हमेशा नंगे पैर की जाती है। ऐसे में आप एक जत्थे के साथ रहते हैं, जिसे देखकर आपका मनोबल बढ़ता है। कांवड़ यात्रा के दौरान जयकारे लगाते रहना चाहिए।

अपनी क्षमता के अनुसार ही कांवड़ यात्रा करनी चाहिए। लंबी पैदल यात्रा से परहेज करना चाहिए। बीमार और अस्वस्थ लोगों को कांवड़ यात्रा करने से बचना चाहिए।

पहली बार कर रहे सावन सोमवार का व्रत

तो खानपान पर रखें विशेष ध्यान, देखिए लिस्ट क्या खाएं और क्या न खाएं

सावन माह की शुरुआत में दो ही दिन शेष हैं। खास बात यह है कि यह माह सोमवार से ही शुरू होने जा रहा है। इस बार सावन में पांच सोमवार होंगे। इस दौरान भगवान शिव के निमित्त व्रत रखना शुभ माना गया है। मान्यता है कि व्रत रखने से भोलेनाथ जल्दी प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

व्रत के दौरान इन वस्तुओं कर सकते हैं सेवन

व्रत के दौरान शाम के समय व्रती फलाहार कर सकते हैं। इस दौरान मौसमी फलों का सेवन बेहतर माना गया है। इस दौरान केले और सेब का सेवन कर सकते हैं।

मौसमी फल पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, ऐसे में व्रत के दौरान भूखे रहने पर भी आपको कमजोरी महसूस नहीं होती और स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं दूर रती है।

व्रत के दौरान आप कच्चा नारियल, दूध, दही, छाछ और लस्सी का भी सेवन कर सकते हैं। साबूदाने की खिचड़ी और खीर के साथ आप उपवास खोल सकते हैं।

व्रती को ध्यान रखना चाहिए कि फलाहार में सादे अथवा काला नमक का उपयोग बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए। व्रत के लिहाज से सेंधा नमक सही माना गया है।

इस बात का ध्यान रखें कि व्रत के खाने में सेंधा नमक का ही इस्तेमाल करना चाहिए। इसके अलावा आप उबले हुए आलू, आलू की टिक्की या हलवा बनाकर भी सेवन किया जाता है।

इनका सेवन न करें

सावन व्रत के दौरान मसालेदार और बेसन से बने व्यंजन का सेवन नहीं करना चाहिए। इस दौरान बैंगन और हरी सब्जियां जैसे पत्ता गोभी, पालक, फूल गोभी के सेवन से भी बचना चाहिए।

व्रत के अलावा सावन माह के अन्य दिनों में तामसिक भोजन जैसे मांस-मदिरा के सेवन से भी दूरी बनानी चाहिए।

बेहद शुभ संयोग में शुरू होगा शिव का प्रिय महीना पहला और आखिरी सोमवार होगा खास

इस बार श्रावण माह सोमवार से शुरू होकर सोमवार पर ही खत्म होगा। श्रावण मास में प्रदोष काल में शिव पूजन करने पर मनोरथ शीघ्र सिद्ध होते हैं। इस बार सावन माह में 26 जुलाई और 14 अगस्त को सर्वार्थ अमृत सिद्धि योग बनेगा। सर्वार्थ सिद्धि योग में किसी भी तरह के अनुष्ठान के लिए मुहूर्त की आवश्यकता नहीं होती है।

भगवान शिव को विशेष प्रिय श्रावण मास की शुरुआत 22 जुलाई से हो रही है। यह 19 अगस्त तक चलेगा। पूरे माह भोलेनाथ की विशेष पूजा-अर्चना, अभिषेक आदि का दौर चलेगा। इसके लिए शिव मंदिरों में तैयारी शुरू हो चुकी है। इस बार श्रावण मास कई कारणों से विशेष फलदायी हो गया है। पांच सोमवार इस बार श्रावण मास में होंगे। पहले और पांचवें सोमवार को सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है। साथ ही यह योग पूरे मास में नौ बार बनेगा। पंडितों के अनुसार इस बार श्रावण मास अतिशुभ फलदायी है।

सर्वार्थ सिद्धि योग का निर्माण

सर्वार्थ सिद्धि योग बनने से भोले के भक्तों के मनोरथ जल्द पूरे होते हैं। यह योग सभी कार्यों को सिद्ध करने की क्षमता रखता है। पंडितों के अनुसार, कई वर्षों बाद ऐसे योग बन रहे है, जब पवित्र श्रावण माह के दौरान नौ दिन सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है।

साथ ही दो बार सर्वार्थ अमृत सिद्धि योग भी बनेगा। यह योग 26 जुलाई और 14 अगस्त को बनेगा। वहीं सर्वार्थ सिद्धि योग 22, 28, 30, 31 जुलाई और 2, 4, 10, 18 और 19 अगस्त को बनेगा।

कई वर्षों बाद बन रहे हैं योग

पंडित विजय अड़िचवाल ने बताया कि सावन सोमवार में एक साथ इतनी बार सर्वार्थ सिद्धि योग कई वर्षों बाद बन रहे हैं।

इस बार श्रावण मास अति विशेष है। सर्वार्थ सिद्धि योग के दौरान किसी तरह के अनुष्ठान या पूजा-पाठ के लिए मुहूर्त की आवश्यकता नहीं होती है।

सर्वार्थ अमृत सिद्धि योग में अनुष्ठान के परिणाम अच्छे मिलते हैं। शहर के शिवालय सज गए हैं।

प्रदोष काल में करें पूजन

पंडित अड़िचवाल ने बताया कि इस श्रावण मास में पांच सोमवार हैं। पहले और अंतिम सोमवार को सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है। श्रावण मास में प्रदोष काल में शिव पूजन करने पर मनोरथ शीघ्र सिद्ध होते हैं। प्रदोष काल में विधि-विधान से शिव-पार्वती का पूजन करने से युवतियों का विवाह जल्द हो जाता है और योग्य वर भी मिलता है।

एकेश्वर धाम में होगा महादेव का विशेष श्रृंगार

अभिनंदन नगर स्थित श्री एकेश्वर महादेव मंदिर में श्रावण मास में कई आयोजन होंगे। प्रत्येक सोमवार को भगवान महादेव का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। श्री एकेश्वर महादेव मंदिर समिति के प्रहलाद जायसवाल और आरके खन्ना ने बताया कि मंदिर पर आकर्षक विद्युत सज्जा की जाएगी। प्रत्येक सोमवार को भगवान का विशेष अभिषेक होगा। शाम को महाआरती के बाद प्रसाद वितरित किया जाएगा।

श्रावण माह सोमवार से शुरू होकर सोमवार पर ही खत्म होगाश्र भोलेनाथ की विशेष पूजा-अर्चना का दौर पूरे माह चलेगा। श्रावण सोमवार की तिथियां 22 जुलाई, 29 जुलाई, 5 अगस्त, 12 अगस्त, 19 अगस्त।

कहीं से मिलने वाली है खुशखबरी, सपने में दिखने वाली 5 चीजें देती हैं संकेत

क्या आपने भी देखा ऐसा सपना?

कई लोगों को डरावने सपने आते हैं तो कई बार खाने-पीने और एंज्वॉयमेंट के, तो कभी खुद को हवा में उड़ते हुए देखना या किसी की मृत्यु भी देखने को मिलती है। ऐसे में अधिकांश तो सपनों को सिर्फ सपने तक की सीमित रखकर छोड़ दिया जाता है। लेकिन ऐसा कहा जाता है कि सपने आपको आपके भविष्य में होने वाली शुभ और अशुभ घटनाओं का इशारा भी देते हैं।

स्वप्न शास्त्र में हर एक सपने का अलग अर्थ है और सपनों से जुड़ी चीजों को महत्व दिया गया है, इसलिए कहा जा सकता है कि आपको सपने इग्नोर नहीं करना चाहिए। स्वप्न शास्त्र में कई ऐसी सफेद चीजों के बारे में बताया गया है, जो आपके अंदर एक सकारात्मकता लेकर आ सकती हैं और आपकी उम्मीदों को बढ़ा सकती हैं।

सफेद उल्लू :- स्वप्न शास्त्र के अनुसार, यदि आपके सपने में उल्लू दिखाई देता है तो इसका मतलब है कि आप पर जल्द ही माता लक्ष्मी की कृपा होने वाली है, जिससे धन संबंधी समस्या दूर होगी।

सफेद शिवलिंग :- यदि आपके सपने में सफेद शिवलिंग दिखाई देता है तो इसका मतलब कि आप पर जल्द ही भगवान शंकर की कृपा होने वाली है।

सफेद हाथी :- यदि आप अपने सपने में सफेद हाथी देखते हैं तो यह संकेत देता है राजयोग के। ऐसे सपने भविष्य में मिलने वाले मान-सम्मान का संकेत देते हैं।

सफेद मिठाई :- मिठाई खुशी के समय बांटी जाती है। ऐसे में आप सपने में सफेद मिठाई देखते हैं तो यह संकेत है कि आपको जल्द ही कोई खुशखबरी मिलने वाली है।

सफेद मोर :- सफेद मोर काफी खूबसूरत होता है। यदि यह आपके सपने में आता है तो इसका मतलब है कि आप जल्द ही कोई बड़ी उपलब्धि हासिल करने वाले हैं।

वैवाहिक जीवन को सुखी बनाता है मंगला गौरी व्रत

कुंवारी युवतियों सहित सुहागिन महिलाओं के लिए है खास

सावन माह की शुरुआत होने के एक दिन बार मंगला गौरी व्रत की भी शुरुआत हो जाएगी। सोमवार को जहां सावन सोमवार का व्रत रखा जाएगा, तो वहीं इसके अगले दिन यानी मंगलवार को मंगला गौरी व्रत किया जाएगा। यह व्रत महिलाएं पति की लंबी उम्र की कामना के लिए, तो कुंवारी युवतियां अच्छे वर की कामना के लिए करती हैं।

क्या है मंगला गौरी व्रत का महत्व

मंगला गौरी व्रत माता पार्वती को समर्पित है। सावन के प्रत्येक मंगलवार को यह व्रत रखा जाता है। हिंदू मान्यता के अनुसार इस व्रत से दांपत्य जीवन सुखमय बना रहता है। पति-पत्नी को शुभ फल प्राप्त होते हैं। इस बार चार मंगला गौरी के व्रत रखे जाएंगे।

कुंवारी युवतियों के लिए भी शुभ है यह व्रत

मंगला गौरी व्रत सुहागिन महिलाओं के साथ ही कुंवारी युवतियों के लिए भी काफी शुभ माना गया है। माना जाता है कि यह व्रत रखने से युवतियों को मनचाहा वर मिलता है और शादी के बाद उनका वैवाहिक जीवन सुखी रहता है।

कब है मंगला गौरी व्रत

पहला मंगला गौरी व्रत 23 जुलाई को रखा जाएगा। इसके बाद 30 जुलाई को दूसरा, 6 अगस्त को दूसरा और 13 अगस्त को चौथा और आखिरी मंगला गौरी व्रत रखा जाएगा। इन सभी दिनों पर मां पार्वती की विशेष पूजा की जाएगी।

फिल्म देवा से शाहिद कपूर की पहली झलक आई सामने

बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर एक और एक्शन पैक्ड फिल्म के साथ पर्दे पर धमाल मचाने वाले हैं। शाहिद कपूर देवा के साथ सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया के बाद से वो किसी फिल्म में नजर नहीं आए हैं, ऐसे में इस अपकमिंग फिल्म ने फैंस को बेसब्र किया है। यह फिल्म 14 फरवरी, 2025 को रिलीज होने वाली है। मेकर्स ने रिलीड डेट के साथ शाहिद कपूर का लुक भी रिवील कर दिया है। जी स्टूडियोज और रॉय कपूर फिल्म्स हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर देवा का निर्माण कर रहे हैं।सामने आए पोस्ट में शाहिद कपूर ने अपनी एक तस्वीर दिखाई है, जिसमें वो बुलेट प्रूफ जैकेट पहने दिख रहे हैं। उनके हाथ में बंदूक है, जिसे देखकर जाहिर हो रहा है कि वो किसी घटना स्थल पर जहां फायरिंग हो रही है। इस तस्वीर को साझा करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, देवा के रोमांच का अनुभव करें, क्योंकि यह पावर-पैक एक्शन थ्रिलर 14 फरवरी, 2025 को सिनेमाघरों में आएगी! शाहिद कपूर के इस पोस्ट के कमेंट सेक्शन में लोग उत्साहित नजर आ रहे हैं। देवा का निर्देशन प्रशंसित मलयालम फिल्म निर्माता रोशन एंड्रयूज ने किया है और इसका निर्माण सिद्धार्थ रॉय कपूर ने किया है। देवा रोमांच, ड्रामा और एक्शन पैक्ड फिल्म है। ये फिल्म एक रोलर-कोस्टर राइड का वादा करती है। शाहिद कपूर एक शानदार लेकिन विद्रोही पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं, जबकि पूजा हेगड़े एक

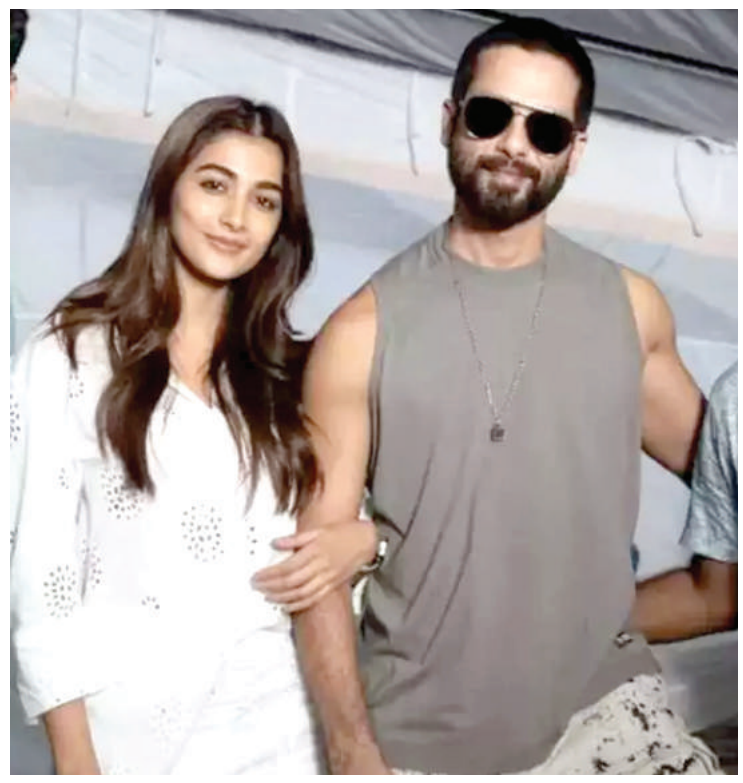

पत्रकार की भूमिका में प्रमुख महिला हैं।बता दें, शाहिद कपूर हिट फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में आखिरी बार नजर आए थे। इसके अलावा वो वेब सीरीज फर्जी में भी दिखे थे। ये सीरीज भी लोगों को काफी पसंद आई थी और अब इसके दूसरे सीजन का फैंस को इंतजार है। अभिनेता फिलहाल अपने परिवार के साथ छुट्टियां मना रहे हैं। उनकी पत्नी मीरा कपूर ने अपनी गर्मियों की छुट्टियों की कई तस्वीरें शेयर की हैं।

'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक' को पछाड़ 'बैड न्यूज' बनी विक्की कौशल की टॉप ओपनर फिल्म

बॉलीवुड एक्टर विक्की कौशल की फिल्म 'बैड न्यूज' बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हो गई है। करण जौहर द्वारा निर्मित इस फिल्म को दर्शकों का बेहतरीन रिस्पांस मिल रहा है और बैड न्यूज विक्की कौशल के करियर की टॉप ओपनिंग फिल्म बन गई है। बता दें कि आनंद तिवारी के निर्देशन में बनी बैड न्यूज में विक्की कौशल के साथ एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी और एमी विर्क भी लीड रोल निभाते नजर आ रहे हैं। बॉलीवुड लाइफ की इस रिपोर्ट में जानें बैड न्यूज से पहले विक्की कौशल कौन-कौन सी फिल्मों में नजर आ चुके हैं और ओपनिंग डे पर इन फिल्मों ने कितना कलेक्शन किया था।रिपोर्ट्स की मानें तो विक्की कौशल की फिल्म बैड न्यूज ओपनिंग डे पर 9 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर सकती है। इस हिसाब से यह फिल्म विक्की कौशल की टॉप ओपनर मूवी बन गई है।विक्की कौशल की उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक फिल्म को काफी पसंद किया गया था। इस फिल्म ने ओपनिंग डे पर 8.20 करोड़ की कमाई की थी।फिल्म को दर्शकों का जबरदस्त रिस्पांस मिला था।आलिया भट्ट और विक्की कौशल की फिल्म 'राजी' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था। इस फिल्म ने ओपनिंग डे पर 7.53 करोड़ रुपये की कमाई की थी।लिस्ट में सैम बहादुर का नाम चौथे नंबर पर है। भारत के पहले फील्ड मार्शल सेम मानेक्शॉ की जिंदगी पर बनी इस फिल्म ने ओपनिंग डे पर 5.75 करोड़ रुपये की कमाई की थी।विक्की कौशल की भूत: पार्ट वन भी लोगों को काफी पसंद आई थी। इस फिल्म ने पहले दिन यानी ओपनिंग डे पर 5.10 करोड़ रुपये की धांसू कमाई की थी।विक्की कौशल, तापसी पन्नू और अभिषेक बच्चन स्टारर फिल्म मनमर्जियां को भी बॉक्स ऑफिस पर शानदार रिस्पांस मिला था। इस फिल्म ने पहले दिन 3.52 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। नवाजुद्दीन सिद्दिकी और विक्की कौशल की फिल्म 'रमन राघव 2.0' को पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास रिस्पांस नहीं मिला धा। इस फिल्म ने ओपनिंग डे पर केवल 1 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था।विक्की कौशल स्टारर फिल्म द ग्रेट इंडियन फैमिली ने भी ओपनिंग डे पर अच्छा प्रदर्शन किया था। विक्की कौशल और मानुषी छिल्लर स्टारर इस फिल्म ने पहले दिन 1 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

विष्णु मांचू की फिल्म कन्नप्पा से जुड़े सरथकुमार

तेलुगु अभिनेता विष्णु मांचू अपनी आगामी फिल्म कन्नप्पा को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। कान फिल्म फेस्टिवल में प्रतिष्ठित प्रदर्शन के बाद इस फिल्म ने दर्शकों का और ज्यादा ध्यान आकर्षित किया है। बीते दिन फिल्म का टीजर जारी हुआ जिसे समीक्षकों समेत दर्शकों ने भी काफी सराहा। वहीं, अब फिल्म की स्टारकास्ट में अभिनेता सरथकुमार का नाम जुड़ गया है। निर्माताओं ने अभिनेता के जन्मदिन के अवसर पर फिल्म से उनका फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया। फिल्म कन्नप्पा में सरथकुमार नाथनधुडु की भूमिका निभाएंगे। पोस्टर में अभिनेता को एक आदिवासी योद्धा के रूप में दिखाया गया है, जो दोनों हाथों में दो तलवारें लिए हुए है और तेज आवाज में चिल्लाता हुआ दिखाई दे रहा है। शक्तिशाली और दिलचस्प पोस्टर से पता चलता है कि सरथकुमार विष्णु मांचू के साथ एक दिलचस्प किरदार निभाएंगे।कन्नप्पा तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री की एक आगामी मल्टी-स्टारर फिल्म है। मुकेश कुमार सिंह द्वारा निर्देशित इस फिल्म में विभिन्न इंडस्ट्री से जुड़े शानदार कलाकारों की टोली है। इसकी पटकथा खुद विष्णु मांचू ने लिखी है। फिल्म में विष्णु मांचू और सरथकुमार के अलावा अभिनेता मोहन बाबू, मोहनलाल, प्रभास, प्रीति मुकुंदन, अक्षय कुमार और काजल अग्रवाल भी हैं। उनकी भूमिकाओं का विवरण गुप्त रखा गया है।कन्नप्पा को लेकर विष्णु मांचू ने साझा किया था, यह फिल्म हमारे इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और हमें इसे सबसे आगे लाने पर गर्व है। कुछ सालों में हमने देखा है कि कैसे स्थानीय कहानियां विश्व स्तर पर गूंजती हैं, और कन्नप्पा एक ऐसी कहानी है, जो हमारी समृद्ध संस्कृति में निहित है, यह फिल्म हर जगह के दर्शकों से जुड़ेगी।सच्ची कहानी पर आधारित कन्नप्पा तेलुगु, कन्नड़, तमिल, मलयालम और हिंदी भाषाओं में रिलीज होगी। इसका निर्माण मोहन बाबू ने 24 फ्रेम्स फैक्ट्री और एवीए एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया है। तकनीकी दल में छायाकार शेल्डन चाऊ और संपादक एंथनी गोंसाल्वेज शामिल हैं। स्टीफन देवासे फिल्म के संगीत निर्देशक हैं। कन्नप्पा मुकेश सिंह द्वारा निर्देशित एक पीरियड फिल्म है।

बारिश में भीगती नजर आईं शमा सिकंदर

टीवी एक्ट्रेस से लेकर बॉलीवुड का सफर तय करने वाली शमा सिकंदर आए दिन अपनी बोल्ड तस्वीरों को लेकर खबरों में रहती हैं। टीवी की हॉट और बोल्ड अभिनेत्री शमा सिकंदर ने एक बार फिर अपने फैंस को चौंका दिया है. उन्होंने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वे बारिश में भीगती हुई नजर आ रही हैं. इस वीडियो में शमा ने क्रॉप टॉप पहना हुआ है और उनके बाल खुले हुए हैं. उनका यह हॉट अंदाज देखकर उनके फैंस घायल हो गए हैं. वीडियो में शमा बारिश में डांस करती हुई नजर आ रही हैं. उनके डांस स्टेप जबरदस्त हैं देखने वाले भी उनके साथ झूम उठे हैं. शमा का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग इसे खूब पसंद कर रहे हैं.एक्ट्रेस शमा सिकंदर अक्सर अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं। एक्ट्रेस हर बार अपने लुक्स से फैंस को इस कदर इंप्रेस कर लेती हैं कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।उनका ये सेक्सी अंदाज लाखों फैंस के दिलों में खंजर चलाने का काम कर करती है। फैंस उनके इस लुक को देखकर अपने होश खो बैठते हैं। शमा सिकंदर सोशल मीडिया लवर हैं और आए दिन अपने पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के अपडेट्स फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं।

कैंसर से जंग लड़ रही हिना खान लेटेस्ट लुक ने मचाया तहलका

टीवी की टॉप हसीनाओं में से एक हिना खान इन दिनों मुश्किलों का सामना कर रही हैं। हिना खान ब्रेस्ट कैंसर से जंग लड़ रही हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया के जरिए अपना हेल्थ अपडेट फैंस को समय समय पर बता रही हैं। हिना ने अपनी कीमोथेरेपी सेशन, बाल कटने और सर्जरी से जुड़ी हर बात बताई है। इनता ही नहीं, वह अपने नए-नए लुक भी सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं, जिसमें हिना के बालों का स्टाइल लोगों का ध्यान खींच लेता है। वहीं, हिना खान ने अपना नया लुक शेयर किया है। इन फोटोज में हिना खान काफी सुंदर लग रही हैं।

हिना खान ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वह काफी सुंदर लग रही हैं। हिना ने इन फोटोज में खुद को अक्ट्रैक्टिव बनाया हुआ है।हिना खान ने न्यू लुक के साथ यूं तैयार होकर पहली बार फोटोज शेयर की हैं। इन फोटोज में हिना ने व्हाइट ड्रेस पहना है और साथ में बाली स्टाइल वाले गोल्डन इयररिंग पेयर किए हैं।इन फोटोज में हिना खान अपनी स्माइल से दर्द को छुपाने की कोशिश कर रही हैं। हिना कैमरे की ओर देखकर थोड़ा सा मुस्कुरा रही हैं।हिना खान की इन फोटोज पर फैंस भर-भरकर प्यार लुटा रहे हैं। सोशल मीडिया पर फैंस और सेलेब्स हिना के ठीक होने की दुआ करते हुए उन्हें स्ट्रॉन्ग वुमन बोल रहे हैं।हिना खान की फोटोज पर मौनी रॉय ने लिखा, 'सबसे मजबूत।' इसके अलावा कई सेलेब्स ने हार्ट इमोजी भेजा है। फैंस भी भर-भरकर हार्ट इमोजी भेज रहे हैं।हिना खान ने अपने बाल काटने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया था, जो काफी इमोशल था। इस वीडियो में हिना खान की मां रोती हुई नजर आई थीं।

हिना खान ने अपने बाल काटने के बाद सबसे पहले अपना जिम लुक शेयर किया था। इस फोटो में वह अपने शरीर के निशान फ्लॉन्ट करती दिखी थीं, जो एक्ट्रेस को कीमोथेरेपी में मिले थे।हिना खान ने सर्जरी के बाद एक पोस्ट शेयर किया था, जिसमें खुलासा किया गया था कि वह अभी दर्द में हैं। हिना ने बताया था कि वह बेशक स्माइल कर रही हैं, लेकिन वह अभी दर्द में हैं।हिना खान इन दिनों बीमारी में भी काम कर रही हैं। हिना ने सर्जरी के बाद अपना पहला शूट किया था। मेकअप रूम से हिना ने अपना लुक दिखाया था।

हर समय प्रेजेंटेबल दिखना जरूरी : चारुल मलिक

टीवी एक्ट्रेस चारुल मलिक ने कहा कि हर समय प्रेजेंटेबल दिखना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह व्यक्ति को अपने लिए करना चाहिए, दूसरों के लिए नहीं।भाभीजी घर पर हैं की एक्ट्रेस ने कहा, आपका प्रेजेंटेबल दिखना जरुरी है, मगर यह आपको सिर्फ अपने लिए करना है। जब आप प्रेजेंटेबल दिखते हैं, अच्छे कपड़े पहनते हैं और अपने बालों को अच्छे से बनाते है, तो आपको एक अलग ही तरह के आत्मविश्वास का अनुभव होता है। साथ ही लोग आपको नोटिस करते हैं। इससे बहुत फर्क पड़ता है।ग्रूमिंग के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, यह बहुत महत्वपूर्ण है, चाहे आप पेशेवर हो या न हो आपको अपने आप को अच्छे से रखना चहिए।चारुल का मानना है कि लोग उन लोगों से प्रभावित होते हैं जो अच्छा बोलते हैं और अच्छे दिखते हैं।उन्होंने कहा, यह मानवीय प्रवृत्ति है कि हम अपने सामने वाले व्यक्ति को देखते हैं और उसका मूल्यांकन करते हैं। वास्तव में, मैं उनके जूतों को भी देखती हूं, और उससे मुझे पता चलता है कि वह व्यक्ति अच्छी तरह से तैयार है या नहीं। मेरी नजर उन लोगों को आंकती है जो अपना ख्याल रखते हैं क्योंकि जो व्यक्ति अपना ख्याल रखकर अच्छा दिखता है, वह मेरी नजर में खास है।एक्ट्रेस ने कहा मेरे लिए यह महत्वपूर्ण है कि आप जिससे मिल रहे हैं उससे आपकी वाइब मिलनी चहिए, अन्यथा, यह पहली मुलाकात से आगे नहीं बढ़ पाता।मुझे उन लोगों से फिर से मिलना पसंद है, जिनसे मेरी वाइब मिलती हो, नहीं तो मेरा उनसे कोई मतलब नहीं है।आप किसको सबसे अच्छा दिखने वाला व्यक्तित्व मानती हैं, इस पर चारुल ने कहा, मेरे हिसाब से, वह अमिताभ बच्चन हैं। अपनी उम्र के बावजूद, वह सक्रिय रहते हैं और अपने शो या अन्य जगहों पर बेहतर तरीके से बात करते हैं। उनका आभामंडल कुछ और ही है और उनकी वाइब भी बहुत सकारात्मक है। मैं वास्तव में उनसे प्रेरणा लेती हूं।

राजस्थान में हरियाली तीज पर एक दिन में लगाए जाएंगे एक करोड़ पौधे :भजनलाल

जयपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि हरियाली तीज पर आगामी सात अगस्त को पूरे प्रदेश में एक दिन में एक करोड़ पौधे लगाए जायेंगे।

श्री शर्मा शनिवार को जयपुर ग्रामीण जिले में स्थित हिंगोनिया गौ पुनर्वास केन्द्र में पशुपालन, गोपालन, डेयरी और देवस्थान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सघन पौधरोपण अभियान के शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि हमारी प्राचीन संस्कृति में प्रकृति पूजा की परंपरा है। हम पेड़, नदी, पहाड़ सभी की पूजा करते हैं। हमारे पूर्वजों ने इसे संस्कृति से जोड़कर पर्यावरण संरक्षण का अद्भुत कार्य किया है। उन्होंने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के साथ यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रकृति की सेवा और मां के प्रति सम्मान का भाव जुड़ा हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब युवा 18 वर्ष का होता है तो उसे मतदान का अधिकार मिलता है लेकिन इस अधिकार के साथ कई दायित्व भी साथ में जुड़ते हैं। उन्होंने कहा कि हमें जिम्मेदार और जागरूक नागरिक होने का कर्तव्य निभाना होता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने माता-पिता, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्नत राष्ट्र की पहचान भौतिक विकास से नहीं बल्कि वहां के लोगों की वैचारिक समृद्धता से होती है क्योंकि विचार समृद्ध होते हैं तो राष्ट्र भी विकसित होता है। उन्होंने कहा कि पेड़ हमारे जीवन के लिए ऑक्सीजन का स्रोत हैं, धरती को उपजाऊ बनाते हैं, मिट्टी के कटाव को रोकते हैं और पर्यावरण संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए पौधरोपण करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

श्री शर्मा ने गौशाला परिसर में कदंब एवं आम के पौधरोपण के साथ अभियान का शुभारंभ किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने मंदिर में दर्शन किए तथा गौ पूजन किया। कार्यक्रम में जाते समय विभिन्न स्थानों पर स्थानीय लोगों ने मुख्यमंत्री का बड़े उत्साह के साथ स्वागत-सत्कार किया।

श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा सामाजिक सरोकारों के सूत्रधार रहे हैं। उन्होंने देश में 'स्वच्छ भारत अभियान' की शुरूआत की, जिससे लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता आई। प्रधानमंत्री ने महिला लिंगानुपात में सुधार लाने के लिए 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान शुरू किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक सरोकारों की इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए श्री मोदी ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की अभिनव पहल की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ गौवंश को भी लाभ पहुंचाएगा। पेड़ों से मिलने वाली छाया गौवंश को गर्मियों में राहत देगी। उन्होंने इस अवसर पर प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे सभी पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपने दायित्व निभाएं तथा एक पेड़ मां के नाम अभियान को राजस्थान में सफल बनाएं और पूरे भारत में एक मिसाल स्थापित करें। इस अवसर पर पशुपालन एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' तथा एक पेड़ गौ माता के नाम अभियान के तहत मिशन वन रक्षण 2024 के तहत प्रदेश में 25 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह अभियान राज्य के गोपालन, देवस्थान, डेयरी एवं पशुपालन विभाग के द्वारा संयुक्त रूप से चलाया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान को हरित प्रदेश के रूप में विकसित करने के लिए वर्ष 2028 तक वन क्षेत्र में 20 हजार हेक्टेयर की वृद्धि करने की घोषणा परिवर्तित बजट 2024-25 में की गई है। 'हरियालो राजस्थान मिशन' के तहत आगामी पांच साल में चार हजार करोड़ रुपये की राशि से प्रदेश में 50 नई नर्सरी, प्रत्येक जिले में आमजन की सहभागिता से एक-एक मातृवन की स्थापना, खेजड़ली-जोधपुर में अमृतादेवी बिश्नोई इंडिजनस प्लांट म्यूजियम की स्थापना, एक जिला एक नस्ल कार्यक्रम, वन धन कार्यक्रम चलाने जाने के साथ ही दो हजार स्थानीय व्यक्तियों को वन मित्र बनाया जाएगा। साथ ही प्रदेश की सभी विकास परियोजनाओं में ग्रीन ग्रोथ के सिद्धांत का समावेश करने के लिए आगामी वर्ष से राज्य का ग्रीन बजट प्रस्तुत किया जाएगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज निवेश के जो नए अवसर आपकी ओर आएँ, उनपर विचार करें। लेकिन धन तभी लगाएँ जब आप उन योजनाओं का भली-भांति अध्ययन कर लें। पढ़ाई की क़ीमत पर घर से ज़्यादा देर तक बाहर रहना आपको माता-पिता के गुस्से का शिकार बना सकता है। किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। योग्य कर्मियों को पदोन्नति या आर्थिक मुनाफ़ा हो सकता है। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

बिना किसी अनुभवी शख़्स की सलाह के आज ऐसा कोई भी काम न करें जिससे आपको आर्थिक हानि हो। अपना नज़रिया दोस्तों और रिश्तेदारों पर थोपने की कोशिश न करें। क्योंकि न सिर्फ़ यह आपके लिए कुछ ख़ास फ़ायदेमंद साबित नहीं होगा अपना बायोडाटा भेजने या किसी इंटरव्यू में जाने के लिए अच्छा समय है। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल-खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढ़ाएंगे। आप महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत गहराई है और आपका प्रिय आपको सदा बहुत प्यार करेगा। रात को ऑफिस से घर आते वक्त आज आपको सावधानी से वाहन चलाना चाहिए, नहीं तो दुर्घटना हो सकती है इस बात की प्रबल सम्भावना है कि आपके आस-पास के लोग आप दोनों के बीच मतभेद पैदा करने का प्रयास करेंगे। अत: बाहरी लोगों के कहने पर अमल करना ठीक नहीं होगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

मुश्किल घड़ी में रिश्तेदार भी काम आएंगे। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। परिवार के सदस्य आपके नज़रिए का समर्थन करेंगे। आप और आपका महबूब आज प्यार के समुन्दर में गोते लगाएंगे और प्यार की मदहोशी को महसूस करेंगे। काम के लिए समर्पित पेशेवर लोग रुपये-पैसे और करिअर के मोर्चे पर फ़ायदे में रहेंगे। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। समय, कामकाज, पैसा, यार-दोस्त, नाते-रिश्ते सब एक ओर और आपका प्यार एक तरफ़, दोनों आपस में खोए हुए – कुछ ऐसा मिज़ाज रहेगा आपका आज। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज अपने लिए वक्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। हालांकि इस दौरान आप दोनों के बीच थोड़ी बहुत कहासुनी हो सकती है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आप जल्द ही लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से उबरकर पूरी तरह सेहतमंद हो सकते हैं। जीवन के बुरे दौर में पैसा आपके काम आएगा इसलिए आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करें नहीं तो आपको दिक्क़तें हो सकती हैं। आपके नज़दीकी लोग निजी जीवन में परेशानियाँ खड़ी कर सकते हैं। आप अपने प्रिय की बाँहों में आराम महसूस करेंगे। मशहूर लोगों से मेलजोल आपको नई योजनाएँ और आइडिया सुझाएगा। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। यह दिन आपके जीवन में वसंत-काल की तरह है

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। दोस्त मददगार और सहयोगी रहेंगे। आपके प्रिय का प्यारा बर्ताव आपको ख़ास होने का अनुभव कराएगा; इन लम्हों का पूरा लुत्फ़ उठाएँ। आपको महसूस होगा कि आपके परिवार का सहयोग ही कार्यक्षेत्र में आपके अच्छे प्रदर्शन के लिए ज़िम्मेदार है। आज जीवनसाथी के साथ थोड़ी बहुत कहासुनी हो सकती है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। आपके जीवन-साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है। साथ में अपना क़ीमती समय बिताएँ और मीठी यादों को फिर से ताज़ा करें, ताकि पुराने दिनों को फिर से वापस लाया जा सके। रोमांस के लिहाज़ से रोमांचक दिन है। दफ़्तर में अपनी ग़लती स्वीकार करना आपके पक्ष में जाएगा। लेकिन आपको इसे सुधारने के लिए विश्लेषण की ज़रूरत है। आपकी वजह से जिसे नुक़सान हुआ हो, उससे माफ़ी मांगने की ज़रूरत है। अगर कहीं बाहर जाने की योजना है तो वह आख़िरी वक़्त पर टल सकती है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

बहुत ज़्यादा तनाव और चिंता करने की आदत सेहत को नुक़सान पहुँचा सकती है। आर्थिक जीवन में आज खुशहाली रहेगी। इसके साथ ही आप कर्जों से भी आज मुक्त हो सकते हैं। आपके माता-पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। आज आप अपने जीवन की परेशानियों को अपने संगी से साझा करना चाहेंगे लेकिन वो अपनी परेशानियों के बारें में बता के आपको और ज्यादा परेशान कर देंगे। अगर आप जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर-ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफ़ी निराशाजनक हो सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सार्थक कामों में लगाने के लिए अपनी ऊर्जा बचाकर रखें। इस राशि के बड़े कारोबारियों को आज के दिन बहुत सोच समझकर पैसा निवेश करने की जरुरत है। घरेलू ज़िंदगी सुकूनभरी और ख़ुशनुमा रहेगी। अपनी नौकरी से चिपके रहिए और दूसरों से उम्मीद मत कीजिए कि वे आकर आपकी मदद करेंगे। भरपूर रचनात्मकता और उत्साह आपको एक और फ़ायदेमंद दिन की ओर ले जाएंगे। जब आपका जीवनसाथी जब सारे मनमुटाव भुलाकर प्यार के साथ आपके पास फिर आएगा, तो जीवन और भी सुन्दर लगेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जल्दी ही बीमारी से उबरने की संभावना है। परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने की वजह से आपको आर्थिक परेशानी आ सकती है, हालांकि इस वक्त आपको धन से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए। कोई पुराना परिचित आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। बीते दिनों की मीठी यादें आपको व्यस्त रखेंगी। अपने साथी को यूँ ही हमेशा के लिए मिला न मानें। इस राशि के उम्रदराज़ जातक आज के दिन अपने पुराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। यह दिन आपके जीवन में वसंत-काल की तरह है - रोमानी व प्यार से भरा; जहाँ सिर्फ़ आप और आपका जीवनसाथी साथ हों।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आप दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आपका प्रिय को आपसे भरोसे और वादे की ज़रूरत है। बेहतर कामकाज के चलते आपको तारीफ़ मिल सकती है। आपके घर का कोई करीबी शख़्स आज आपके साथ वक्त बिताने की बात कहेगा लेकिन आपके पास उनके लिए वक्त नहीं होगा जिसकी वजह से उनको तो बुरा लगेगा ही आपको भी बुरा लगेगा।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 21 जुलाई 2024 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : पूर्णिमा दोपहर 03:48 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा रात्रि 12:14 तक
योग : विष्कुंभ रात्रि 09:10 तक
करण : बव सायं 03:48 तक
चन्द्रराशि : धनु प्रातः 07:27 तक
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:52 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:42 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : व्यास-गुरु पूर्णिमा , मन्वादि तिथि, सन्यासिनाम् चातुर्मास आरंभ

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी के वार्षिक दीक्षांत समारोह में 334 स्नातकों ने हासिल की उपाधि

जयपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। देश में अग्रणी स्वास्थ्य प्रबंधन अनुसंधान विश्वविद्यालय आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी जयपुर का शनिवार को वार्षिक दीक्षांत समारोह का आयोजन हुआ जिसमें 334 छात्रों को उपाधि प्रदान की गई। दीक्षांत समारोह की मुख्य अतिथि स्वाति दलाल, मैनेजिंग डायरेक्टर, एबॉट इंडिया लिमिटेड और विशिष्ट अतिथि डॉ. महनाज़ वाहेदी, साइंटिस्ट, रिसर्च कैपेसिटी स्ट्रेंथनिंग टीडीआर, ट्रॉपिकल रोगों में रिसर्च और ट्रेनिंग के लिए विशेष कार्यक्रम, विश्व स्वास्थ्य संगठन, जिनेवा, स्विट्जरलैंड ने विद्यार्थियों को उनकी डिग्री प्रदान की। दीक्षांत समारोह में आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय के चेयरपर्सन सुदर्शन जैन और आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय के प्रेसिडेंट डॉ. पी आर सोडानी भी शामिल हुए।

समारोह में हॉस्पिटल और हेल्थ मैनेजमेंट, फार्मास्युटिकल मैनेजमेंट, और डेवलपमेंट मैनेजमेंट में पीएच डी और एमबीए कार्यक्रमों के स्नातक समूहों को डिग्री प्रदान की गई। आठ छात्रों को पीएचडी की उपाधि, 208 छात्रों को

एमबीए (हॉस्पिटल और हेल्थ मैनेजमेंट), 105 छात्रों को एमबीए (फार्मास्युटिकल मैनेजमेंट) और 13 छात्रों को एमबीए (डेवलपमेंट मैनेजमेंट) की डिग्री प्रदान की गई।

इस अवसर पर डॉ सोडानी ने मीडिया से कहा कि यूनिवर्सिटी में 27-28 राज्यों से विद्यार्थी पढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी ने प्लेसमेंट में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया है, जिसमें सबसे ज्यादा पैकेज 35.62 लाख रुपये प्रति वर्ष और औसत पैकेज आठ लाख रुपये प्रति वर्ष रहा है। बाजार के मुश्किल हालात के बावजूद, यूनिवर्सिटी ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न संगठनों में उल्लेखनीय पैकेज कि साथ 90 प्रतिशत प्लेसमेंट हासिल किया है। इस बार भी सबसे ज्यादा पैकेज 35 लाख रुपए से अधिक तक हुआ है जो दक्षिण अफ्रीका में मिला है। इस बार प्लेसमेंट अफ्रीका के अलावा दुबई, आबूधाबी आदि में भी हुआ है। इस संस्थान से विद्यार्थी सीईओ पद तक पहुंचने में कामयाब रहे हैं। उन्होंने ग्रेजुएशन पूरा करने वाले सभी छात्रों को हार्दिक बधाई दी और कहा कि आपकी कड़ी मेहनत को मान्यता देना आईआईएचएमआर के लिए बहुत खुशी की बात है। उन्होंने कहा वर्ष 2023-24 के दौरान हमने वर्तमान और भविष्य की बाजार आवश्यकताओं के अनुसार स्कूल ऑफ डिजिटल हेल्थ की स्थापना भी की है।

भाजपा विधायक बिहाणी के खिलाफ प्राथमिकी के विरोध में बंद रहा बाजार

श्रीगंगानगर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में श्रीगंगानगर के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक जयदीप बिहाणी समेत नौ व्यक्तियों के खिलाफ एक चिकित्सक के कथित अपहरण और मारपीट के आरोप में प्राथमिकी दर्ज करने के विरोध में शनिवार को बाजार बंद रहे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सफाई कर्मचारी भी इसमें शामिल हो गये और उन्होंने भी अचानक हड़ताल कर दी, जिससे शहर में सफाई व्यवस्था ठप हो गयी। संयुक्त व्यापार मंडल और दी गंगानगर ट्रेडर्स एसोसिएशन के संयुक्त आह्वान पर गोल बाजार, स्वामी दयानंद मार्ग, पुरानी और छोटी धान मंडी, नयी अनाज मंडी, रेलवे स्टेशन रोड, गुरुद्वारा रोड तथा रविंद्र पथ बाजार बंद रहे।

गौशाला रोड, सुखड़ियानगर शॉपिंग सेंटर और लक्कड़ मंडी रोड पर बंद का आंशिक असर रहा। बंद के दौरान गोल बाजार के गांधी चौक में आम सभा की गयी। संयुक्त व्यापार मंडल के अध्यक्ष तरसेम गुप्ता, गंगानगर ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष धर्मवीर डुडेजा, कच्चा आढ़तिया संघ के अध्यक्ष राधेश्याम बांसल, चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष बंशीधर जिंदल, समेत कई लोगों ने संबोधित किया। सभा के बाद उपस्थित लोग नारेबाजी करते हुये जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे। जिला कलेक्टर को राज्य सरकार के नाम ज्ञापन देकर कोतवाली में जयदीप बिहाणी एवं अन्यों के खिलाफ दर्ज किए मामले को वापस लेने की मांग की। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि जयदीप बिहाणी के खिलाफ द्वेषभावना से झूठे तथ्यों के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गयी है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार विनोबा बस्ती निवासी और रामलीला ग्राउंड में क्लीनिक चलाने वाले एक चिकित्सक श्याम सुंदर अरोड़ा(52) ने शुक्रवार को थाने में उनके साथ बिहाणी सहित नौ लोगों के खिलाफ मारपीट करने का मामला दर्ज कराया था। बताया जाता है कि विधायक जयदीप बिहाणी का 16 जून को जन्मदिन था। उस दिन शहर में उनके समर्थकों और कई संगठनों द्वारा जन्मदिन के उपलक्ष में कई कार्यक्रम आयोजित किये गये थे। तब फेसबुक पर सतयुग की नींव के नाम से बने पेज पर इन आयोजनों को लेकर अपरोक्ष रूप से विधायक, उनके समर्थकों और आयोजन करने वालों पर आपत्तिजनक टिप्पणी की गयी थी।

ऑल्टो कार अनियंत्रित होकर झोपड़ी में घुसी

तीन लोग घायल, मौके से आरोपी चालक फरार

रोहतक, 20 जुलाई (एजेंसियां)। रोहतक जेएलएन नहर की बाई पटरी पर एक ऑल्टो चालक का संतुलन खराब हो गया और गाड़ी पलटते हुए झोपड़ी में जा घुसी। झोपड़ी में बैठे एक बच्चा और महिला समेत तीन लोग घायल हो गए। घायलों को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वही आरोपी चालक कार छोड़कर मौके से फरार हो गया।

पुलिस ने बताया कि जवाहर लाल नेहरू नहर पर बोहर गांव की तरफ शनिवार को पटरी पर सोनीपत की ओर से आई एक ऑल्टो कार चालक का संतुलन खराब हो गया। जिसके बाद गाड़ी पलटकर एक झोपड़ी में जा घुसी। जिसमें बुजुर्ग महिला प्रेम, धर्मवीर व अनिल समय तीन लोग घायल हो गए और उनको पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि घायलों की हालत अभी सामान्य है। उधर, आरोपी चालक मौके पर कर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सैनी ने कर्ज में डूबे किसान को दिए एक लाख रुपए

चंडीगढ़, 20 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायाब सैनी ने शुकवार को कर्ज में डूबे एक गरीब किसान को एक लाख रुपये का चैक भेंट किया।गौरतलब है कि अंबाला के गांव खानपुर राजपुतान के कृष्ण कुमार की भारी बारिश के कारण फसल खराब हो गई थी, जिससे उनकी आय का एकमात्र साधन खेती खराब होने से आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा था। दरअसल कृष्ण कुमार ने खेती के लिए ऋण लिया हुआ था और फसल खराब होने से उन पर कर्ज का बोझ और बढ़ गया। इस बोझ के कारण उन्हें अपने परिवार का पालन-पोषण करने में भी कठिनाई आ रही थी, इसलिए उनके परिवार ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के समक्ष मदद की गुहार लगाई थी।

कांग्रेस विधायक सुरेंद्र पंवार को ईडी ने अंबाला कोर्ट में किया पेश

अंबाला,20 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनावों से ठीक पहले अवैध खनन से जुड़े मामले में गिरफ्तार सोनीपत से कांग्रेस विधायक सुरेंद्र पंवार को ईडी की टीम ने अंबाला कोर्ट में पेश किया। भारी सुरक्षा के बीच सुरेंद्र पंवार को टीम ने अंबाला सिटी कोर्ट नंबर 1 में लाई। करीब 2 घंटे तक चली सुनवाई हुई। फिलहाल लंच के बाद फैसला होगा।

दरअसल, 4 जनवरी 2024 को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने खनन के किसी मामले में यमुनानगर के पूर्व विधायक दिलबाग सिंह व सोनीपत में कांग्रेस विधायक सुरेंद्र पंवार के खिलाफ जांच की थी। साथ ही उनके ठिकानों पर जाकर रिकॉर्ड भी खंगाले थे। बताया जाता है कि शुक्रवार को विधायक को मामले से जुड़े सबूत देने के लिए बुलाया था। तभी कोर्ट के बाहर से ही उन्हें हिरासत में ले लिया। इसके बाद टीम सोनीपत में उन्हें उनके आवास पर लेकर आई और फिर अंबाला कोर्ट में लेकर पहुंची।

मातनहेल में बुजुर्ग महिला की हत्या

झज्जर,20 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के झज्जर के साल्हावास क्षेत्र के गांव मातनहेल में संदिग्ध परिस्थितियों में 58 वर्षीय बुजुर्ग महिला की हत्या कर दी गई। बुजुर्ग महिला घर में अकेली ही रहती थी। उसका बेटा जम्मू कश्मीर में एयरफोर्स में कार्यरत हैं जबकि मृतका की पुत्रवधू पति से अनबन होने के बाद से अपने मायके में रह रही है। सूचना पाकर पुलिस टीम घटना स्थल पर पहुंची मौके पर एफएसएल टीम को भी बुलाया गया। एफएसएल टीम ने घटना स्थल का मौका मुआयना कर जरूरी साक्ष्य एकत्रित किए।

मृतक की पुत्रवधू को भी फोन कर हादसे की जानकारी दी। पुत्रवधू अपने परिजनों के साथ मातनहेल पहुंची। पुत्रवधू ने अपने ही पति पर मां की हत्या करने के आरोप लगाएं हैं। पुलिस टीम ने शव को अपने कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए झज्जर के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। मृतका की पहचान कृष्णा पत्नी रामफल निवासी मातनहेल के तौर पर हुई है।

पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। मृतक के मुंह पर चोट के निशान हैं और होंठ कटा हुआ है। मृतका के गले में चुन्नी बंधी हुई मिली है। मृतका कृष्णा की पुत्रवधू सुमन ने अपने ही पति प्रवीण के खिलाफ मां की हत्या किए जाने के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने शक के आधार पर प्रवीण पुत्र रामफल निवासी मातनहेल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस को दी शिकायत में सुमन पत्नी प्रवीन निवासी मातनहेल ने बताया कि उसकी शादी 9 साल पहले प्रवीन निवासी मातनहेल के साथ हुई थी। उसकी शादी के दो दिन बाद उसके ससुर रामफुल का देहांत हो गया था। उसका पति प्रवीन भारतीय वायुसेना में जम्मू में कार्यरत है। उसके पास सात साल का एक लड़का है।

वह अपने बेटे व अपनी सास के साथ जनवरी 2024 में अपने पति के पास जम्मू में रहते थे। वहां उसका पति प्रवीण उनके साथ झगड़ा करता था, जिसके कारण वह अपने बेटे को लेकर अपने मायके एमपी माजरा आ गई थी।

उसकी सास कृष्णा उसके पति के पास ही रह गई थी। बाद में उसके पति प्रवीण का सास कृष्णा के साथ झगड़ा होता था। इसके चलते उसकी सास भी जम्मू से अपने घर गांव मातनहेल आ गई थी। मृतका की पुत्रवधू ने आरोप लगाया कि उसके पति प्रवीण ने ही सास कृष्णा की हत्या की है।

अजमेर डिस्कॉम का कनिष्ठ अभियंता 20 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने नागौर जिले के कुचेरा में अजमेर डिस्कॉम के तकनीकी सहायक कनिष्ठ अभियंता जय प्रकाश को आज 20 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

ब्यूरो के महानिदेशक डॉ रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि परिवादी ने ब्यूरो में शिकायत दी कि उसके थ्री फेज कनेक्शन की फाइल पास करवाने की एवज में कनिष्ठ अभियंता जय प्रकाश द्वारा 30 हजार रुपये की मांग की जा रही है। ब्यूरो टीम द्वारा शिकायत का सत्यापन करवाने के बाद शनिवार को कार्रवाई करते हुये आरोपी कनिष्ठ अभियंता जय प्रकाश को परिवादी से 20 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नेपाल में हुए भूस्खलन में लापता लोगों को खोजेंगे अब भारतीय गोताखोर

62 यात्रियों में से 38 की तलाश जारी

मोतिहारी (एजेंसियां)।

नेपाल में भूस्खलन से त्रिशूली नदी में लापता हुए 62 यात्रियों में से 38 लोगों की खोज अब भारतीय टोही दल करेगा। इसके लिए नेपाल सरकार के आग्रह पर 12 लोगों का टोही दल शुक्रवार को घटनास्थल पर पहुंच चुका है।

जानकारी के मुताबिक, नारायणगढ़ मुगलिंग सड़क खंड में सिमलताल के पास भूस्खलन होने से त्रिशूली नदी में लापता दो बस और उन पर सवार यात्रियों की खोज अब भारतीय टोही दल करेगा। इसके लिए यह दल शुक्रवार की रात घटनास्थल पर पहुंच गया है। नेपाल में हुई इस भीषण घटना में लोगों का विश्वास जीतने के लिए नेपाल सरकार और प्रशासन द्वारा वे सभी कार्य किए जा रहे हैं जो आवश्यक हैं। नेपाल में भारतीय टोही दल के पहुंचने की जानकारी नेपाली गृह मंत्रालय की विपदा

महाशाखा के प्रमुख भीष्म कुमार भूसाल ने नेपाली नागरिकों को दी है।

सिमलताल के पास हुए भूस्खलन में दो बसों पर 65 यात्री सवार थे, जिनमें से तीन यात्री नदी को तैर कर बाहर आ गए। जबकि बाकी सभी 62 यात्री नदी की धारा के साथ बह गए। उनकी तलाशी घटना के बाद से ही नेपाली सरकार द्वारा शुरू कर दी गई थी। इस तलाशी अभियान में नेपाली टोही दल द्वारा 23 यात्रियों के शव अब तक खोजे जा चुके हैं। यह रिपोर्ट शुक्रवार की शाम तक की है। अभी भी 38 यात्रियों को ढूंढा नहीं जा सका है।

नेपाली टोही दल द्वारा बरामद किए गए शवों में अधिकांश शव गंडक बैराज के पास मिले हैं। चितवन की तरफ पांच, पश्चिम नवल परासी की तरफ एक और बाकी सभी 17 को पूर्वी नवल परासी के पास बरामद किया गया है। अब देखना है कि भारतीय टोही दल को कितनी सफलता हाथ लगती है।

इधर, त्रिशूली नदी में बस सहित लापता अधिकांश यात्रियों के शव न मिलने से निराश लोग अब उनके सांकेतिक शव का अंतिम संस्कार करने लगे हैं। बीरगंज के गहवा निवासी एन्जल बस के चालक जवाहीर महतो का भी इसी तरह आज अंतिम संस्कार किया गया।

गमगीन माहौल में बस चालक जवाहीर महतो का कुश का सांकेतिक शव बनाया गया और इसका दाह संस्कार किया गया। इनके घरवालों ने इतने दिनों तक इंतजार किया। प्रतिदिन इनके शव के आने का इंतजार होता रहा। थक-हार कर स्थानीय जानकारों से पूछताछ की। हिंदू धर्म में जो परंपरा और मान्यता है, उसके अनुरूप इन लोगों ने इनका दाह संस्कार कर दिया।

बताया जा रहा है कि दाह संस्कार के लिए बांस की पचाठी बनाई गई और उस पर कुश का सांकेतिक शव बनाया गया। कफन दिया गया और मृतक की तस्वीर रख यह क्रिया कर्म किया गया। अब परंपरा के अनुरूप इनकी बारहवीं की जाएगी।

कोसी नदी में डूबी यात्रियों से भरी नाव, लोगों ने कूदकर बचाई जान

पटना (एजेंसियां)।

सहरसा जिले के महिषी प्रखंड क्षेत्र के विशनपुर इलाके में कोसी नदी में यात्रियों से भरी नाव नदी में डूब गई। हालांकि यात्रियों ने कूद कर किसी तरह अपनी जान बचाई। लेकिन, आधा दर्जन से अधिक बाइक और साइकिल पानी में लापता हो गए। जानकारी के अनुसार विशनपुर से लगभग तीन दर्जन से अधिक महिला और पुरुष नाव पर सवार होकर राजनपुर आ रहे थे।

इसी दौरान राजनपुर घाट के समीप नाव डूब गई। यह नाव जिला प्रशासन द्वारा निबंधित थी। सूचना मिलते ही अंचल अधिकारी अनिल कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से राहत का कार्य शुरू किया। इस बाबत सीओ अनिल कुमार ने बताया कि नदी में लापता हुए बाइक और साइकिल की खोज की जा रही है।

जानकारी के अनुसार, घोघसम घाट से सात बाइक और कुछ साइकिल लेकर लोग चढ़े थे। करीब 25 महिला नाव पर सवार होकर राजनपुर आ रही थीं। राजनपुर घाट के समीप पीपा पुल के लोहे से नाव टकरा गई। इसके कारण नाव बीच से ही फट गई। लोगों ने बताया कि नाव पुरानी थी। प्रशासन ने लोगों की मदद से पांच बाइक को बरामद कर लिया है और दो की खोज जारी है।

जानकारी के बाद पहुंचे राजस्व कर्मचारी कमलेश कुमार ने बताया कि नाव घोघसम घाट से राजनपुर घाट के लिए वर्ष 2021-22 में तीन साल के लिए निबंधित हुआ था। शनिवार को भी वह सात बाइक सवार, दो साइकिल सवार सहित लगभग तीन दर्जन लोगो को लेकर राजनपुर जाने के लिए विदा हुआ था। पीपा पुल से टकरा जाने के कारण हादसा हुआ। उन्होंने बताया कि सभी पांच बाइक और दोनों साइकिल को भी बरामद कर लिया गया है। जानमाल की कोई क्षति नहीं हुई है।

महागठबंधन का प्रतिरोध मार्च, सड़क पर उतरे सैकड़ों नेता, कहा-

नीतीश सरकार से नहीं संभल रहा बिहार

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर पटना में महागठबंधन की ओर से प्रतिरोध मार्च निकाला गया है। राजद, कांग्रेस और वामदल समेत सभी विपक्षी दलों के वरीय नेता और कार्यकर्त सड़क पर उतर गए हैं। वह नीतीश सरकार के विरोध में नारेबाजी कर रहे हैं। इंडी गठबंधन के नेताओं ने कहा कि बिहार में अपराधियों बेखौफ हो गए हैं। लोग सुरक्षित नहीं हैं। पुलिस क्राइम कंट्रोल नहीं कर पा रही है। लगातार हो रहे वारदात से लोग सहमे हुए हैं। सीएम नीतीश कुमार बढ़ते अपराध पर अंकुश नहीं लगा पा रहे हैं। राजद, कांग्रेस और वामदल के नेता व कार्यकर्ता आयकर गोलबंर पर इकट्ठा हुए और जमकर नारेबाजी करने लगे। सभी नेता डीएम ऑफिस की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन, पटना पुलिस ने इन्हें रोक लिया। इसके बाद नेताओं ने बिहार सरकार के विरोध में जमकर नारे लगाए। कुछ देर बाद डाक बंगला चौराहा पर प्रतिरोह मार्च समाप्त हो गया।

राजद के मुख्य प्रवक्ता मृत्युजंय तिवारी ने कहा कि सिंहासन खाली करो कि जनता आती है। अपराधियों के ताडंव से बिहार कराह रहा है। अपराधी राज बिहार में कायम है। इसके खिलाफ ही महागठबंधन का हल्ला बोल हो रहा है। हमलोग आज प्रतिरोध मार्च पर निकले हैं। हमलोग सड़क से सड़क तक सरकार को घेरेंगे। अब एनडीए से बिहार नहीं संभल रहा है। नीतीश कुमार को कुर्सी का त्याग कर देना चाहिए। तेजस्वी यादव अब मुख्यमंत्री बनेंगे। बिहार में क्राइम कंट्रोल होगा। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। बिहार का विकास होगा। जनता खुशहाल रहेगी।

चौंकाने वाली बात यह रही कि इस प्रतिरोध मार्च में राजद के वरीय नेता नहीं दिखे। लोगों का मानना था कि तेजस्वी यादव भी इस प्रदर्शन में शामिल होंगे। लेकिन, वह नहीं दिखे। वहीं कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह कहा कि बिहार में कानून व्यवस्था फेल है। अफसरशाही हावी हो गई है।

साइबर अपराधियों ने गोपालगंज के जज साहब को भी नहीं छोड़ा

विद्युत मीटर के नाम पर कर ली 23 हजार की ठगी

गोपालगंज (एजेंसियां)।

बिहार में साइबर अपराधियों का आतंक इस समय चरम सीमा पर है। वह आम ही नहीं खास लोगों को भी अपना निशाना बना रहे हैं। इस बार साइबर ठगों ने व्यवहार न्यायालय गोपालगंज के सब जज को अपना निशाना बनाया है। विद्युत मीटर बंद कराने के नाम पर दो बार में उनके खाते से 23 हजार रुपये की ठगी कर ली गई। इस मामले में सब जज ने गोपालगंज साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

प्राथमिकी के मुताबिक, 15 जुलाई की रात पौने 10 बजे सब जज के मोबाइल पर एक कॉल आया। कॉल करने वाला व्यक्ति ने खुद को बिजली विभाग पटना का अधिकारी बताते हुए कहा कि आपको विद्युत मीटर बंद करवाना होगा। उसके लिए 10 रुपये का चार्ज भी देना होगा। जज साहब पूर्व में पटना में ही पदस्थापित थे। इस वजह से वह वहां का मीटर बंद करवाने के लिए राजी हो गए। तब फोन करने वाले व्यक्ति ने पैसे के भुगतान के लिए उनके मोबाइल में एक एप इंस्टॉल करवाने के साथ ही उनके एटीएम की जानकारी ले ली। इस दौरान उनके खाते से 20 हजार रुपये कट गए। उसके बाद कॉल करने वाले व्यक्ति ने बताया कि आपका पैसा रिफंड हो जाएगा।

प्राथमिकी में सब जज ने बताया कि यह बताने के साथ ही उनके वाट्सअप पर एक एप का लिंक भेज दिया। इस प्रकरण के बाद उसने कहा कि इसे इंस्टॉल करते ही आपके 10 रुपये विद्युत विभाग में जमा होने के साथ ही बाकी पैसे वापस हो जाएंगे। उन्होंने एप को इंस्टॉल तो कर लिया, लेकिन खाते से कटा पैसा वापस आने के बजाय कुछ देर बाद खाते में बचे शेष पैसे भी गायब हो गए। तब जाकर जज साहब को ठगी का एहसास हुआ।

इसके बाद जज साहब ने साइबर हेल्प लाइन का सहारा लिया। वहां शिकायत दर्ज न होने की स्थिति में साइबर थाना गोप-ालगंज में शिकायत की। साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। गौरतलब है कि आए दिन जिले में लोग साइबर अपराध के शिकार हो रहे हैं। नई-नई तरकीब अपना कर ठग अपना जाल बिछा रहे हैं। इस पर अंकुश लगाने के लिए साइबर थाना पुलिस को अभियान चलाकर लोगों को जागरूक करना होगा। अन्यथा इस अपराध के शिकंजे में आने वाले लोगों की मुसीबतें लगातार बढ़ती जा रही हैं।

जल्दी ही बिहार वृहत खनिज के क्षेत्र में रचेगा नया आयाम, बढ़ेंगे रोजगार के अवसर : उपमुख्यमंत्री

पटना (एजेंसियां)।

नीतीश सरकार ने खनिज ब्लॉकों की नीलामी की स्वीकृति दे दी है। उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने कहा कि अब जल्दी ही बिहार भी अब वृहत खनिज के क्षेत्र में नया आयाम रचेगा। भारत सरकार द्वारा जमुई जिला के सिकन्दरा प्रखंड में लौह अयस्क के दो खनिज ब्लॉक और रो-हतास जिला में भोरा कटरा लाइम स्टोन खनिज ब्लॉक राज्य को आवंटित किया गया था। अब राज्य सरकार ने इनकी नीलामी की स्वीकृति दे दी है। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बताया कि मजोस लौह अयस्क खनिज ब्लॉक में 48.40 मिलियन टन एवं भंटा लौह अयस्क खनिज ब्लॉक में 6.49 मिलियन टन रिसोर्स का आंकलन भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा किया गया। इसी प्रकार भोरा कटरा लाईम स्टोन खनिज ब्लॉक

में 33.25 मिलियन टन रिसोर्स आंकलित है। जमुई जिला के मजोस एवं भंटा लौह अयस्क का अनुमानित आरक्षित मूल्य क्रमशः 3817.60 करोड़ रुपये एवं 511.91 करोड़ रुपये अंतर्विभागीय समिति द्वारा अनुमानित किया गया। रोहतास जिला के भोरा कटरा लाईम स्टोन खनिज ब्लॉक का अनुमानित आरक्षित मूल्य 1761.42 करोड़ रूपये निर्धारित किया गया, जिसे आज राज्य मंत्रिपरिषद द्वारा स्वीकृत किया गया है। खनिज ब्लॉकों की नीलामी से रॉयल्टी के साथ ऑक्सन प्रीमियम प्राप्त होगा।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य बंटवारे के बाद वर्तमान बिहार में खनिज का अन्वेषण कार्य सही से नहीं हो पाने से खनिजों का चयन नहीं हो सका है। वर्तमान में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा अन्वेषण का कार्य किया जा रहा है। इसे और तीव्र गति से कराने की कार्रवाई की जा रही है। नये खनिज ब्लॉकों के अन्वेषण से राज्यान्तर्गत खनिज क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा मिलेगा एवं राज्य विकास की ओर अग्रेसर होगा।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्रिपरिषद द्वारा स्वीकृत खनिज ब्लॉकों की नीलामी के होने से सीमेंट उद्योग के लिए लाइम स्टोन उपलब्ध होगा एवं सीमेंट के नये कारखाने भी लगाये जायेंगे। लौह अयस्कों के खनन से भी इसपर आधारित उद्योगों की स्थापना होगी एवं राज्य में निवेश के नये मार्ग खुलेंगे। राज्य सरकार ने वृहत खनिज ब्लॉकों के नीलामी के लिए ट्रांजेक्शन एडवाईजर के रूप में एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड का चयन किया है। नीलामी की कार्रवाई डैज्ब् के ऑनलाईन प्लेटफार्म के माध्यम से पारदर्शी तरीके से करायी जायेगी। राज्य सरकार की स्वीकृति के बाद बिहार में निविदा प्रकाशन की तैयारी जोर-शोर से प्रारंभ कर दी है। शीघ्र निविदा के लिए विज्ञापन प्रकाशित की जायेगी। सरकार द्वारा नीलामी में भाग लेने वाले डाकवक्ताओं की हर प्रकार से मदद करेगी। नीलामी में सफल खनन कम्पनियों एवं उद्योग स्थापित करने वाले कम्पनियों को हर तरह के पूर्णतः सहयोग एवं रोजगार सृजन के लिए भी राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।

सड़क किनारे बैठे तीन लोगों को तेज रफ्तार कार ने कुचला, दो की मौत

पटना (एजेंसियां)।

सहरसा में भीषण सड़क हादसे में दो लागों की मौत हो गई जबकि एक की हालत गंभीर है। घटना पत्तरघट थाना क्षेत्र के पतरघट-मधेपुरा मुख्य मार्ग स्थित विशनपुर की है। इधर, घटना के विरोध में शनिवार की सुबह दोनो शव के साथ लोगों ने विरोध में सड़क जामकर आवागमन बंद कर दिया है। लोग हत्यारे की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुटी गई। पुलिस ने लोगों को समझा-बुझाकर शांत करवाया।

लोगों का कहना है कि विशनपुर-चिमनी के समीप शुक्रवार की देर रात मध्य रात्रि अनियंत्रित तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने सड़क किनारे बैठे स्थानीय निवासी तीन युवक को कुचल दिया। आननफानन में सभी को अस्पताल ले जाया

गया। जहा दो युवक को चिकित्सक ने अस्पताल पहुंचने के बाद मृत घोषित कर दिया। तीसरे युवक जीतन कुमार का इलाज चल रहा है लेकिन उसका भी स्थिति गंभीर है। परिजनों ने पहले मधेपुरा स्थित अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां से बेहतर इलाज के लिए सहरसा स्थित निजी अस्पताल भेजा। वहां से भी उसे पटना रेफर करने की बात कही जा रही है।

इधर, सहरसा पुलिस ने चालक को हिरासत में लिया है। दुर्घटनाग्रस्त वाहन को भी पुलिस ने अपने कब्जे में लिया है। घटना देर रात होने के कारण लोगों को जानकारी नहीं मिल पाई थी। शनिवार की सुबह घटना की जानकारी मिलने पर लोग शव के साथ प्रदर्शन करना शुरू किया। पतरघट थानाध्यक्ष प्रभाकर भारती ने कहा कि इस मामले में आर-ोपी चालक को हिरासत में ले लिया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है। इधर, लोगों ने कहा कि तीनों खाना खाने के बाद घर से कुछ दूरी पर गर्मी के कारण रोड किनारे बैठे थे। इसी दौरान अचानक आई तेज रफ्तार कहर ने कुचल दिया।

तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आए तीनो लोगों को शुक्रवार की देर रात ही मधेपुरा मेडिकल कॉलेज ले जाया गया था। जहां विशनपुर निवासी अजय सुतिहार (35) और धर्मेंद्र कामत (25) को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। 35 वर्षीय जीतन को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया था। परिजनों ने बताया कि घटनास्थल पर ही दोनों की मौत हो गई थी। लोगों ने कहा कि दोनों मृतक और जख्मी मजदूरी कर परिवार का पालन पोषण करता था।

मुकेश सहनी के पिता के घर में शराब के 38 पाउच!

दरभंगा (एजेंसियां)।

बिहार के पूर्व मंत्री और विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी के पिता की हत्या में सूदखोरी ही बड़ी वजह थी। बातें कई तरह की आ रही थीं, लेकिन अंतिम तौर पर पुलिस ने सूदखोरी को हत्या की वजह बताया है। पुलिस ने दो दिन पहले सूद पर पैसा लेकर नहीं लौटाने वाले एक आरोपी काजिम अंसारी को गिरफ्तार किया था। बाकी तीन हिरासत में थे। पूछताछ के बाद अब इनकी गिरफ्तारी की पुष्टि की गई है। लेकिन, इसके साथ पुलिस ने कई तरह की बातें सामने लायी हैं। जिस बक्से और जिन कागजातों पर मुकेश सहनी की पार्टी के लोगों ने गुरुवार को डीजीपी आरएस भट्टी से मिलकर सवाल उठाया था, उनका भी खुलासा कर दिया गया है।

पुलिस के अनुसार जीतन सहनी की हत्या के बाद घर में देसी शराब के 38 खाली पाउच की बरामदगी हुई थी।

उसमें शराब थी या नहीं, इसकी जांच एफएसएल टीम कर रही है। चोरी के बाद सूदखोरी और फिर शराब का एंगल सामने आने के कारण ही बाकी पूछताछ के लिए पुलिस ने समय लिया था। अब शराब के कारोबार की अफवाह पर पुलिस कुछ नहीं कह रही, लेकिन शराब पीने की आशंका को नकार नहीं रही है। जिन कागजातों को पुलिस ने बरामद किया है, उनमें 21 सूद पर पैसे देने से जुड़े हैं। हत्या के

सूद पर पैसा लेने वाले तीन गिरफ्तार

जिन तीन आरोपियों को शुक्रवार को गिरफ्तार बताया गया, उनमें से भी दो काजिम अंसारी की तरह सूद पर जीतन सहनी से पैसे लिए बैठे थे।

शुक्रवार को दरभंगा एसएसपी जगुनाथ रेडी ने जिन तीन की गिरफ्त-ारी बताई, उनमें मो. सितारे उर्फ छेदी, मो. आजम और मो. छोटे लहरी का नाम है। उन्होंने कहा कि मृतक के घर से 38 शराब के पाउच बरामद किए गए, जिन्हें जांच के लिए एफएसएल को भेजा गया है। एसएसपी ने बताया कि मृतक के घर के पीछे से बरामद लाल रंग की संदूक से 24 कागजात बरामद किए गए थे।

उनमें दो जमीन के कागजात हैं, जबकि 21 रुपये के लेनदेन से जुड़े हुए कागजात हैं। गिरफ्तार आरोपी मो. सितारे (25 वर्ष, पिता- मुस्ताक लहेरी) ने पुलिस को बताया कि उसने जीतन सहनी से 20 हजार रुपये ब्याज पर लिए थे, जिसके लिए उसकी बाइक और जमीन के कागजात गिरवी रख लिए गए थे। दूसरे गिरफ्तार आरोपी मो. छोटे लहेरी (22 वर्ष, पिता- मो. ओली लहेरी) ने जीतन सहनी से छह हजार रुपये ब्याज पर लिए थे। तीसरा आरोपी मो. आजम (मो. फारूख) इस हत्याकांड के मुख्य आरोपी काजिम अंसारी, सितारे और छोटे की सहायता के लिए घटना को अंजाम देने गया था। इसकी पुष्टि सीसीटीवी फुटेज में भी मिला है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com